डाक पंजीयन क्र. MP/Bhopal/186/2024-2026
लाइसेंस क्र. Tech/23-04/08/2024-2026
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 38506/84

रोज़गार और निर्माण

प्रति सोमवार को प्रकाशित, भोपाल 07.07.2025 से 13.07.2025 ▶ वर्ष-42 ▶ अंक-28 ▶ मूल्य ₹ 10.00

संक्षिप्त खबर

मुख्यमंत्री 7 जुलाई को लुधियाना में उद्योगपतियों से करेंगे संवाद

भोपाल, मध्यप्रदेश में निवेश के नए द्वार खोलने की दिशा में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में देश के प्रमुख औद्योगिक केंद्रों में चल रही औद्योगिक संवाद श्रृंखला में प्रमुख इंटरैक्टिव सेशन लुधियाना में 7 जुलाई, 2025 को होने जा रहा है। बेंगलुरु और सूरत में निवेशकों से मिले सकारात्मक प्रतिसाद के बाद अब लुधियाना में तीसरा इंटरैक्टिव सेशन ऑन इन्वेस्टमेंट अपॉर्चुनिटीज इन मध्यप्रदेश आयोजित होगा। मुख्यमंत्री लुधियाना के प्रमुख उद्योगपतियों, टेक्सटाइल, ऑटोमोबाइल, इंजीनियरिंग और फूड प्रोसेसिंग सेक्टर के निवेशकों के साथ सीधे संवाद करेंगे। यह आयोजन केवल विचारों के आदान-प्रदान तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसमें संभावित निवेश प्रस्तावों पर ठोस चर्चा भी की जाएगी। मध्यप्रदेश की नई औद्योगिक नीति, सेक्टर-फोकस्ड रणनीतियां और ग्राउंड-रेडी इंफ्रास्ट्रक्चर इस संवाद का केंद्रीय आकर्षण होंगे।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री श्री मोदी का माना आभार

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का खण्डवा में 'वाटरशेड सम्मेलन' एवं 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान पर संदेश के रूप में प्राप्त आशीर्वाद के लिए आभार माना है। प्रदेश में 30 मार्च से 30 जून तक 3 माह के जल गंगा संवर्धन अभियान के समापन अवसर पर प्रधानमंत्री श्री मोदी का संदेश प्राप्त हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री मोदी के कुशल मार्गदर्शन में 90 दिन संचालित 'जल गंगा संवर्धन अभियान' का सफल समापन हुआ है, हालांकि यह अभियान रहेगा। उन्होंने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान को जन आंदोलन बनते देखना एक सुखद अनुभूति है।

राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड के परीक्षा परिणाम घोषित

भोपाल, मध्यप्रदेश राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड की कक्षा 10वीं और 12वीं के लिये संचालित 'रुक जाना नहीं' और 'आ लौट चलें' योजना, ओपन स्कूल परम्परागत, आईटीआई कक्षा-12वीं परीक्षा, सीबीएसई ऑन डिमांड कक्षा-12वीं एवं कक्षा-5वीं, 8वीं की परीक्षाओं के परिणाम भोपाल में जारी कर दिये गये हैं। परीक्षा में 32 हजार 749 परीक्षार्थी शामिल हुए थे। यह परीक्षाएं 2 से 20 जून तक प्रदेश में आयोजित की गयी थीं।

भीतर के पृष्ठों पर

- **पिछला सप्ताह** - देश-विदेश की साप्ताहिक खबरों का संक्षिप्त विवरण
- **चर्चा में** - चर्चित व्यक्तियों और ध्यान आकर्षित करने वाली खबरों की चर्चा
- **खेल चर्चा** - प्रमुख खेल गतिविधियों का विवरण
- **सामयिकी** - देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश में निवेश अवसरों पर सूरत में इंटरैक्टिव सेशन को किया संबोधित

उद्योग-व्यापार के संचालन में सरलता, पारदर्शिता, निष्पक्षता और समय-सीमा के पालन हेतु राज्य सरकार प्रतिबद्ध - मुख्यमंत्री

- अहमदाबाद में स्थापित होगा मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम का कार्यालय।
- सूरत इंटरैक्टिव सेशन में 15 हजार 710 करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव हुए प्राप्त।
- 11 हजार से अधिक रोज़गार का होगा सृजन।
- मध्यप्रदेश भारी उद्योग, एमएसएमई और कुटीर उद्योगों में तेजी से बढ़ रहा है आगे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सूरत में आयोजित इंटरैक्टिव सेशन को संबोधित करते हुए

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश में निवेश के अवसरों पर सूरत के होटल मेरियट में आयोजित इंटरैक्टिव सेशन को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने राज्य के औद्योगिक विकास के दीर्घकालिक दृष्टिकोण, अधोसंरचना विस्तार और निवेशकों के लिए बनाए गए भरोसेमंद वातावरण पर विस्तार से चर्चा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में औद्योगिक विकास को गति देने तथा प्रदेश में निवेश प्रक्रिया को अधिक सुविधाजनक बनाने के लिए मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम का एक कार्यालय अहमदाबाद में आरंभ किया जाएगा।

प्रदेश में निवेश आकर्षित करने की पहल सूरत में रंग लाई जहां निवेशकों से 15 हजार 710 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इनसे11,250 से अधिक लोगों को रोज़गार मिलने की संभावना है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि औद्योगिक तथा व्यापार गतिविधियों को विस्तार देने के लिए प्रक्रियाओं में सरलता, सुगमता, निष्पक्षता, पारदर्शिता और समय सीमा का पालन महत्वपूर्ण है। राज्य सरकार इन सभी बिंदुओं के साथ प्रदेश में पूर्ण प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। वर्ष 2025 को उद्योग एवं रोज़गार वर्ष के रूप में मनाते हुए मध्यप्रदेश भारी उद्योग, एमएसएमई सहित लघु और कुटीर उद्योगों में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि सूरत ऐतिहासिक रूप से देश-दुनिया में उद्योग और व्यापार का प्रमुख केंद्र रहा है।

निवेशकों को बिना रुकावट प्रोजेक्ट शुरू करने का अवसर

राज्य की एमएसएमई नीति और लॉजिस्टिक्स पॉलिसी ने उद्यमिता को नई गति दी है। नॉर्थ-साउथ कॉरिडोर, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय एक्सप्रेस-वे कनेक्टिविटी, 1000 मिलियन क्यूबिक मीटर जल आपूर्ति क्षमता, निर्बाध पॉवर की सप्लाई और 10 से 40 प्रतिशत तक की सब्सिडी राज्य को निवेशकों के लिए आकर्षक बनाती है। गुजरात के सूरत जैसे औद्योगिक शहरों के निवेशकों ने मध्यप्रदेश को अपनी दूसरी कर्मभूमि के रूप में अपनाया है। लैंड अलॉटमेंट की प्रक्रिया पूरी तरह से पारदर्शी, तेज और हेजल-फ्री है, जिससे निवेशकों को बिना किसी रुकावट के प्रोजेक्ट शुरू करने का अवसर मिलता है।

'एक बगिया माँ के नाम' परियोजना 15 अगस्त से शुरू

भोपाल, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा स्वसहायता समूह की महिलाओं की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने के लिए पूरे देश में ज्ञान अभियान चलाया जा रहा है। पीएम श्री मोदी के एक पेड़ माँ के नाम अभियान से प्रेरित होकर प्रदेश में भी नई परियोजना शुरू की जाएंगी। राज्य सरकार द्वारा प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं और कई महत्वपूर्ण योजनाएं संचालित की जा रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जल गंगा संवर्धन अभियान के समापन अवसर पर स्वसहायता समूह की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए बड़ी घोषणा की है।

प्रदेश में मनरेगा के माध्यम से 'एक बगिया माँ के नाम' परियोजना चलाई जाएगी। परियोजना के अंतर्गत मनरेगा के माध्यम से प्रदेश की 30 हजार से अधिक स्वसहायता समूह की पात्र महिलाओं की निजी भूमि पर 30 लाख से अधिक फलदार पौधे लगाएं जाएंगे जो महिलाओं की आर्थिक तरक्की का आधार बनेंगे।

30 हजार एकड़ निजी भूमि पर किया जाएगा पौधारोपण

प्रदेश की स्वसहायता समूह की 30 हजार से अधिक महिलाओं की 30 हजार एकड़ निजी भूमि पर 'एक बगिया माँ के नाम' परियोजना के अंतर्गत पौधारोपण किया जाएगा। लगभग 1000 करोड़ रुपये से आजीविका संवर्धन के लिए 30 लाख उद्यानिकी पौधों का रोपण कर फलोद्यान का विकास किया जाएगा। इसके तहत हितग्राहियों को पौधे, खाद, गड्ढे खोदने के साथ ही पौधों की सुरक्षा के लिए तार की फेंसिंग और सिंचाई के लिए 50 हजार लीटर का जल कुंड बनाने के लिए राशि प्रदान की जाएगी।

15 अगस्त से शुरू होगा अभियान

'एक बगिया माँ के नाम' परियोजना अंतर्गत फलदार पौधारोपण प्रदेश में 15 अगस्त से अभियान के रूप में शुरू होगा जो 15 सितंबर तक चलेगा। उल्लेखनीय है कि 'एक बगिया माँ के नाम' परियोजना में आजीविका मिशन के स्वसहायता समूह की ऐसी महिला सदस्य, जो फलदार पौधारोपण करने के लिए इच्छुक हों, का चयन किया जाएगा।

मुख्यमंत्री की उपस्थिति में विजन@2047 के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए हुआ एम.ओ.यू.

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में प्रदेश के योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग और आर्ट ऑफ लिविंग संस्था के व्यक्तित्व विकास केंद्र के बीच मंत्रालय में एमओयू का आदान-प्रदान हुआ। इस साझेदारी के अंतर्गत दोनों संस्थान जल संरक्षण, सतत कृषि और ग्रामीण आजीविका सृजन, ग्राम विकास, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण, गौधन संवर्धन, नशामुक्ति, स्वास्थ्य, सामाजिक कल्याण और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग करेंगे।

यह समझौता सतत विकास लक्ष्यों की दिशा में राज्य सरकार की पहलों को सशक्त करने, पीपीपी मॉडल (सार्वजनिक निजी भागीदारी) को बढ़ावा देने, नीतिगत निर्णयों में सहयोग, योजनाओं के प्रभावी मूल्यांकन और व्यापक सर्वेक्षण के माध्यम से प्रदेश की दीर्घकालिक विकास योजना विजन@2047 के लक्ष्यों को पूर्ण करने में सहायक होगा।

उल्लेखनीय है कि आर्ट ऑफ लिविंग के विभिन्न कार्यक्रम में पुलिसकर्मियों, वैज्ञानिकों, सशस्त्र बलों, पंचायती राज प्रतिनिधियों, युवाओं, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के लिए विशेष रूप से बनाए गए हैं। संस्था जल संरक्षण, प्राकृतिक खेती, कौशल विकास, ग्रामीण विकास, वनीकरण, नशामुक्ति, जेल सुधार, सीमावर्ती गांव विकास जैसे क्षेत्रों में भी कार्य कर रही है। साथ ही आर्ट ऑफ लिविंग की विभिन्न राज्य सरकारों, केंद्र सरकार के मंत्रालयों एवं विभागों के साथ सक्रिय भागीदारी है।

प्रदेशवासियों को आवश्यकतानुसार बिजली की उपलब्धता राज्य सरकार की प्राथमिकता

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में ऊर्जा विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिजली सबकी जरूरत है। सबको जरूरत के अनुसार बिजली उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि स्मार्ट मीटर मॉडल सबसे अच्छा है, इसलिए विद्युत उपभोक्ताओं के हित में सबके घरों में स्मार्ट मीटर लगाए जाएं। इससे उपभोक्ताओं को 20 प्रतिशत सस्ती दर पर बिजली मिलेगी। मुख्यमंत्री ने ऊर्जा विभाग के अधिकारियों को स्मार्ट मीटर लगाने की गति को और तेज करने के निर्देश दिये। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में 1.34 करोड़ घरेलू स्मार्ट मीटर लगाए जाने हैं। लक्ष्य के विरुद्ध अब तक 21 लाख से भी अधिक घरेलू स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं।

सोलर ऊर्जा के उपयोग के लिए प्रेरित करें

मुख्यमंत्री ने कहा कि घरेलू हो या औद्योगिक सभी जगह विद्युत का उपयोग बढ़ रहा है। इसलिए घरेलू और औद्योगिक संस्थानों को सोलर पॉवर के उपयोग के लिए प्रोत्साहित किया जाए। इससे उपभोक्ता अपनी बिजली स्वयं पैदा कर अतिरिक्त बिजली बेच भी सकेगा। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में विद्युत उपयोग को भी सोलर पॉवर से चलित पम्पों पर शिफ्ट किया जाए। प्रदेश के सभी जरूरत वाले जिलों में ट्रांसफार्मर रिपेयरिंग यूनिट की स्थापना के लिए विभागीय नीति तैयार की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगले दो साल में तीनों विद्युत वितरण कंपनियां लाभ की स्थिति में आ जाएं।

28 जून

चीन से प्लास्टिक प्रोसेसिंग मशीनों के आयात पर 27 से 63 प्रतिशत एंटी-डंपिंग ड्यूटी

● केंद्र सरकार ने चीन और ताइवान की प्लास्टिक प्रोसेसिंग मशीनों के आयात

पर 27 से 63 प्रतिशत एंटी-डंपिंग ड्यूटी लगा दी है। यह फैसला घरेलू उद्योग को सस्ते आयात से होने वाले नुकसान को रोकने के लिए किया गया है। डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ ट्रेड रेमेडीज की विस्तृत जांच में पाया गया था कि चीन और ताइवान से आने वाली प्लास्टिक मशीनें भारत में उनके सामान्य मूल्य से कम कीमतों पर बेची जा रही हैं। इस वजह से घरेलू प्लास्टिक मशीनरी इंडस्ट्री को गंभीर नुकसान हो रहा है। इनमें इंजेक्शन मोल्डिंग मशीनें और अन्य प्लास्टिक प्रोडक्ट बनाने वाली मशीनें शामिल हैं। डंपिंग रोधी शुल्क पांच साल लागू रहेगा। सरकार के इस कदम से अब घरेलू प्लास्टिक मशीनरी इंडस्ट्री के लिए सस्ती विदेशी मशीनों से मुकाबला करना आसान होगा। इससे देश में निर्माण को बढ़ावा मिलेगा। इसके साथ ही स्थानीय रोज़गार को भी मजबूती मिलेगी। यह 'मेक इन इंडिया' को बढ़ावा देने की दिशा में अहम कदम है।

● देश के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई ने कहा कि न्यायिक सक्रियता (ज्यूडिशियल एक्टिविज्म) जरूरी है, लेकिन इसे न्यायिक दुस्साहस (ज्यूडिशियल एडवेंचरिज्म) या न्यायिक आतंकवाद (ज्यूडिशियल टेररिज्म) में बदलने की मंजूरी नहीं दी जा सकती। वे नागपुर जिला कोर्ट बार एसोसिएशन द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत के लोकतंत्र के तीनों स्तंभ विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका की सीमाएं तय हैं। सभी को संविधान और कानून के दायरे में रहकर काम करना चाहिए।

29 जून

आठ वर्ष बाद रेलवे कंट्रोल विभाग में सीधी भर्ती शुरु होगी

● रेल मंत्रालय ने आठ वर्ष बाद ट्रेन कंट्रोल विभाग में सीधी भर्ती फिर से शुरू करने का फैसला किया है। अब इस विभाग के 60 प्रतिशत पद सीधे रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी) के जरिए ग्रेजुएट उम्मीदवारों से भरे जाएंगे। यह फैसला 25 जून को मंत्रालय द्वारा घोषित सुधारों के तहत लिया गया है।

● देशभर में लंबित मामलों के निपटारे के लिए राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) और सुप्रीम कोर्ट की कमेटी एक जुलाई से 90 दिन का विशेष मध्यस्थता अभियान शुरू कर रही हैं। यह अभियान 30 सितंबर 2025 तक चलेगा। इसका उद्देश्य लोगों को यह भरोसा दिलाना है कि विवादों का समाधान मध्यस्थता से जल्दी, सस्ता और रिश्तों को बचाते हुए संभव है।

● केंद्रीय रेल राज्य मंत्री श्री वी. सोमन्ना ने कहा कि ट्रेनों का किराया चरणबद्ध तरीके से बढ़ाया जाएगा, ताकि यात्रियों पर इसका सीधा असर न पड़े। श्री सोमन्ना से पूछा गया था कि एक जुलाई से एसी क्लास के किराए में बढ़ोतरी के बाद क्या अन्य श्रेणियों में भी किराया बढ़ेगा। इस पर उन्होंने कहा, चर्चा जारी है और हम इसे स्टेज बाय स्टेज आगे बढ़ा रहे हैं।

30 जून

फ्रांस में पार्क, समुद्र तटों और स्कूलों के पास धूम्रपान पर प्रतिबंध

● फ्रांस अब सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान पर और सख्ती बरतेगा। फ्रांस सरकार ने

नया आदेश जारी किया है। इसके बाद अब जल्द ही फ्रांस के पार्कों, खेल स्थलों, समुद्र तटों, बस स्टॉप्स, स्कूलों के आस-पास और किसी भी सार्वजनिक स्थान जहां बच्चे इकट्ठा हो सकते हैं, वहां धूम्रपान प्रतिबंधित होगा।

● ब्राजील के सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसला सुनाया है। इसके तहत सोशल मीडिया कंपनियों को उनके प्लेटफॉर्म पर पोस्ट किए गए यूजर कंटेंट के लिए जिम्मेदार ठहराया जाएगा। कोर्ट के आए इस फैसले के बाद अब गूगल, मेटा और टिकटॉक जैसी कंपनियों को नफरत फैलाने, नस्लवाद और हिंसा भड़काने वाले कंटेंट पर नजर रखनी होगी और उसे समय रहते हटाना होगा। अब अगर कोई पीड़ित व्यक्ति किसी आपत्तिजनक कंटेंट की शिकायत करता है और कंपनी उसे नहीं हटाती, तो उसके खिलाफ कोर्ट में केस किया जा सकेगा। हालांकि कोर्ट ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि कौन-सा कंटेंट अवैध माना जाएगा। यह हर मामले के आधार पर तय किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि इस फैसले से पहले सोशल मीडिया कंपनियों को किसी भी कंटेंट को हटाने के लिए कोर्ट के आदेश का इंतजार करना होता था, जिसे कई बार नजरअंदाज कर दिया जाता था।

1 जुलाई

भारत और चीन के रक्षा मंत्रियों के बीच हुई द्विपक्षीय बैठक

● चीन का कहना है कि वह सीमा निर्धारण पर बातचीत के लिए तैयार है और सीमा क्षेत्रों में शांति बनाए रखने के लिए भारत के साथ मिलकर काम करना चाहता है। भारत के रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह और चीन के रक्षा मंत्री डोंग जून के बीच चीन के

किंगदाओ शहर में शंघाई सहयोग संगठन की बैठक के दौरान द्विपक्षीय बातचीत हुई थी। इस दौरान श्री राजनाथ सिंह ने कहा था कि भारत-चीन को सीमा पर तनाव कम करने और सीमा निर्धारण की मौजूदा प्रक्रिया को फिर से सक्रिय करने के लिए एक संरचित रोडमैप के तहत जटिल मुद्दों को सुलझाना चाहिए।

● भारत की ओर से अफगानिस्तान को दी जा रही मानवीय मदद के तहत हाल ही में काबुल में पांच दिन का जयपुर फुट कैंप लगाया गया। इस कैंप में 70 से ज्यादा दिव्यांगों को कृत्रिम अंग लगाए गए। इससे उन्हें न सिर्फ चलने-फिरने में सहूलियत मिली, बल्कि मानसिक रूप से भी राहत मिली। भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता श्री रणधीर जायसवाल ने एक्स पर इस कैंप की जानकारी दी। यह कैंप जयपुर की संस्था भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति ने आयोजित किया।

2 जुलाई

पांच राज्यों में नदियों का जलस्तर खतरे की ओर

● केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) ने बताया कि देश भर में पांच राज्यों की 11 नदियों का जलस्तर खतरे की ओर बढ़ रहा है। उत्तरप्रदेश, बिहार, असम, ओडिशा, और तमिलनाडु में 12 स्थानों पर जलस्तर सामान्य से ऊपर है, जिससे बाढ़ की आशंका बढ़ गई है। हालांकि, अभी तक किसी भी स्थान पर जलस्तर खतरे के निशान या ऐतिहासिक उच्चतम बाढ़ स्तर तक नहीं पहुंचा है। सीडब्ल्यूसी की रिपोर्ट के अनुसार, उत्तरप्रदेश में गंगा और घाघरा नदियां चेतावनी स्तर पर पहुंच गई हैं। बिहार में कोसी और बागमती नदियों का जलस्तर भी निगरानी में है। असम में ब्रह्मपुत्र और कुशियारा नदियां चिंता का विषय बनी हुई हैं, जबकि ओडिशा और तमिलनाडु में भी नदियों का जलस्तर बढ़ रहा है। सबसे बुरी स्थिति असम की है, जहां जून में हुई बारिश के चलते 21 जिलों के 5.35 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हैं।

● भारतीय नौसेना के बेड़े में स्टेल्थ युद्धपोत आईएनएस 'तमाल' शामिल हो गया। रूस के कैलिनिनग्राद में इसका औपचारिक समावेश हुआ। तमाल, विदेश से आने वाला आखिरी युद्धपोत है। इसके बाद सभी युद्धपोत भारत में ही बनेंगे। आईएनएस तमाल की विशेषता यह है कि यह राडार की पकड़ में नहीं आता है। इसके साथ ही इसमें ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल लगी है। तमाल 3000 किलोमीटर का सफर एक बार में तय कर सकता है और इसकी रफ्तार 55 किलोमीटर प्रति घंटा है। इसका वजन 3900 टन और लंबाई 125 मीटर है। तमाल को बनाने में 26 प्रतिशत स्वदेशी तकनीक का इस्तेमाल हुआ है।

3 जुलाई

वैज्ञानिकों को मिली पृथ्वी की सबसे पुरानी चट्टान

● वैज्ञानिकों को पृथ्वी की सबसे पुरानी चट्टान मिली। यह चट्टान कनाडा के

नुव्वुआगिटुक ग्रीनस्टोन बेल्ट में पाई गई है, जो करीब 416 करोड़ साल पुरानी है। यह चट्टान पृथ्वी के भूवैज्ञानिक इतिहास के चार युगों यानी हेडियन युग से भी पहले की है। यह खोज हमारे ग्रह के इतिहास के अज्ञात रहस्यों को उजागर कर सकती है। वैज्ञानिकों ने कहा कि इन चट्टानों से पृथ्वी के शुरुआती इतिहास, गठन और प्रारंभिक जीवन के बारे में अहम जानकारी मिल सकती है।

● वॉशिंगटन में हुई बैठक में क्वाड देशों ने पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी निंदा की। साथ ही हमले के दोषियों, आयोजकों और वित्तपोषकों को तुरंत सजा दिलाने को कहा। क्वाड देशों द्वारा दिए गए साझा बयान में आतंक पर कठोर रुख अपनाया गया। हालांकि, पाकिस्तान का नाम नहीं लिया गया। इस बैठक में भारत से विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो, ऑस्ट्रेलिया से पेनी वोंग और जापान से इवाया ताकेशी शामिल हुए।

4 जुलाई

सच्चा लोकतंत्र चर्चा को बढ़ावा देता है - प्रधानमंत्री श्री मोदी

● प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पांच देशों की यात्रा के पहले पड़ाव में घाना की संसद

को संबोधित किया। यहां उन्होंने कहा कि सच्चा लोकतंत्र चर्चा और बहस को बढ़ावा देता है। उन्होंने बताया कि भारत लोकतंत्र की जननी है और लोकतंत्र हमारे लिए एक सिस्टम नहीं, बल्कि संस्कार है। हमारी जीवनशैली और हजारों वर्षों से चली आ रही संस्कृति का हिस्सा है। संबोधन से पहले श्री मोदी ने घाना के संस्थापक राष्ट्रपति डॉ. क्वामे एनक्रूमा को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद वे त्रिनिदाद और टोबैगो के लिए रवाना हो गए।

● केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कश्मीरी केसर को वैश्विक मानकों पर प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए केंद्र सरकार यहां टिश्यू कल्चर लैब और अत्याधुनिक नर्सरी की स्थापना करेगी। इससे न केवल उत्पादन बढ़ेगा, बल्कि गुणवत्ता सुधार के जरिए किसानों की आमदनी भी बढ़ेगी। उन्होंने बताया कि जम्मू कश्मीर की कृषि विशेषताओं के लिए केंद्र सरकार विशेष योजनाएं बना रही है। इसके तहत कठुआ, बारामुला और अनंतनाग में क्वालिटी कंट्रोल लैब स्थापित की जाएंगी। श्रीनगर में 150 करोड़ रुपये की लागत का क्लीन प्लांट सेंटर भी बनेगा, जिससे सेब, बादाम और अखरोट जैसे बागवानी फसलों के लिए रोगमुक्त पौध तैयार हो सकेंगे।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित फोटो : गूगल से साभार)

एजेंसी देना है
मध्यप्रदेश का सर्वाधिक प्रसार संख्या वाला साप्ताहिक समाचार पत्र
रोज़गार और निर्माण
प्रदेश के छिन्दवाड़ा, धार, रतलाम, राजगढ़ एवं नीमच में एजेंसी नियुक्त करना है।
एजेंसी संबंधित कार्य के लिए कार्यालयीन समय में संपर्क करें
0755-2760006
प्रमुख आकर्षण
• कॅरियर की खबरें
• सप्ताह की प्रमुख घटनाएं
• सम-सामयिक विषयों पर विशेषज्ञों की टिप्पणियां
• मध्यप्रदेश सरकार के निर्णयों और योजनाओं की जानकारियां
• खेल जगत की उल्लेखनीय खबरें
• विज्ञान की बातें
मध्यप्रदेश माध्यम
40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) 462011
फोन नंबर : 0755-2551330, 0755-2760006
www.mpmadhyam.in
madhyam.rojgar@gmail.com
आज ही खरीदें
प्रमुख बुक-स्टॉलों पर उपलब्ध

वर्ष 42, अंक 28 07.07.2025 से 13.07.2025
रोज़गार और निर्माण
rojgaraurnirman.in

• प्रबंध संचालक - डॉ. सुदाम खाड़े
• सम्पादक - रंजना चितले
• प्रबंधक - वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन एवं प्रसार)
• प्रबंधक - सुभाष चन्द्र जोशी (मुद्रण)
• आकल्पन - अरविन्द टोप्पो
• वेबसाइट - आत्माराम शर्मा

वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (पाँच सौ) का डी.डी., मनीऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर रोज़गार और निर्माण, भोपाल के नाम बनवाकर नीचे लिखे पते पर भेजें :-
रोज़गार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011
फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, **e-mail : madhyam.rojgar@gmail.com**
रोज़गार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है।
रोज़गार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। इनसे सम्पादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोज़गार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

सम्पादकीय

पोषण ट्रेकर एप : बच्चों के स्वास्थ्य की प्रगति का रियल टाइम मॉनीटरिंग का बना आधार

मध्यप्रदेश में बच्चों के स्वस्थ और सुरक्षित भविष्य के लिए सरकार द्वारा अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने कुपोषण से मुक्ति के लिए जो कार्य किये हैं। उसके परिणाम प्राप्त हो रहे हैं। प्रदेश सरकार द्वारा किए जा रहे समन्वित प्रयासों ने सकारात्मक परिणाम भी दिए हैं। प्रदेश के महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा समय-समय पर विभिन्न अभियान चलाकार बच्चों, गर्भवती और धात्री महिलाओं के पोषण स्तर में सुधार लाने का कार्य किया जा रहा है। राज्य के आंगनवाड़ी केंद्रों को मजबूत आधार बनाकर पोषण सेवाओं की पहुंच को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सुनिश्चित किया गया। प्रदेश में पोषण ट्रेकर एप के माध्यम से लाभार्थियों के स्वास्थ्य की नियमित मॉनीटरिंग की जा रही है। इससे न सिर्फ बच्चों के विकास के आंकड़े सहजता से उपलब्ध हो रहे हैं, बल्कि उनकी स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को समय रहते पूरा करना भी संभव हो पाया है। मुख्यमंत्री का मानना है कि बच्चों का स्वास्थ्य ही राज्य की प्रगति का आधार है। प्रदेश सरकार का यह प्रयास केवल वर्तमान पीढ़ी के स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है बल्कि भविष्य में एक सक्षम, सशक्त और विकसित मध्यप्रदेश के निर्माण की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। पोषण ट्रेकर एप के माध्यम से आंगनवाड़ी केन्द्रों पर पंजीकृत बच्चों के शारीरिक माप (ऊंचाई, वजन एवं आयु के अनुपात में पोषण स्थिति) से संबंधित आंकड़ों का सतत विश्लेषण किया जा रहा है। इन आंकड़ों के आधार पर राज्य में पोषण स्तर में सुधार के लिए त्वरित एवं क्षेत्र विशेष की आवश्यकता अनुसार कार्ययोजना बनाई जा रही है। पोषण ट्रेकरएप न केवल बच्चों के शारीरिक माप बल्कि बच्चों के कुपोषण की स्थिति में बोनापन, कम वजन की पहचान में भी सहायक है। इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि निचले स्तर के अमले इसएप का उपयोग सही तरीके से कर रहे हैं अथवा नहीं। इसके लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं, सुपरवाइजर सभी को तकनीकी प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। पोषण ट्रेकरएप के आंकड़े और वास्तविक आंकड़ों में फर्क न दिखे और उसकी सही ढंग से मॉनीटरिंग हो यही लक्ष्य है। हर स्तर पर डेटा की मॉनीटरिंग करने की व्यवस्था की गई है। मध्यप्रदेश पहला राज्य है जहां बालिकाओं के लिए लाड़ली लक्ष्मी योजना शुरू की गई, महिलाओं को हर महीने लाड़ली बहना के तहत निश्चित राशि अंतरित की जा रही है। इस बात की मॉनीटरिंग भी की जा रही है कि महिलाएं इस राशि का उपयोग कर अपने बच्चों के पोषण का अच्छे से ध्यान रखें। कुपोषण एक बड़ी समस्या है जिसके अनेक कारण हैं। जिस क्षेत्र में कुपोषण के आंकड़े बढ़े हुए हैं, वहां पर संबंधित अधिकारी को हर स्तर पर इसकी जांच करनी चाहिए। अधिकारियों को एनआरसी की पूरी जानकारी होना अनिवार्य है कि उसमें कितने बेड खाली हैं, डॉक्टर्स से निरंतर बात कर SAM, MAM बच्चों की जानकारी लें। कुपोषण को दूर करने लिए स्वास्थ्य विभाग के साथ समन्वय अत्यन्त महत्वपूर्ण है। पोषण ट्रेकर एप में सही उपयोग से कुपोषण की पहचान करना, समय पर हस्तक्षेप करना और कुपोषण को कम करना संभव है। स्वास्थ्य और शिक्षा विभाग के बीच सामंजस्य सुनिश्चित करने से इसके प्रभावी ढंग से परिणाम सामने आएंगे। उल्लेखनीय है कि महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा एक मार्च 2021 को लॉन्च किया गया पोषण ट्रेकर एप राष्ट्रीय पोषण अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसका उद्देश्य देशभर में बच्चों, गर्भवती और धात्री महिलाओं के पोषण और स्वास्थ्य की रीयल टाइम मॉनीटरिंग करना है। इस एप के माध्यम से आंगनवाड़ी कार्यकर्ता प्रत्येक लाभार्थी का डेटा जैसे उम्र, वजन, ऊंचाई, टीकाकरण की स्थिति और स्वास्थ्य संबंधी अन्य विवरण तुरंत दर्ज कर सकती हैं। इससे सरकार को कुपोषण की वास्तविक स्थिति का अद्यतन आंकड़ा प्राप्त होता है, जो योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक है। पोषण ट्रेकर एप की प्रमुख विशेषता यह है कि यह ऑनलाइन तथा ऑफलाइन दोनों मोड में कार्य करता है, जिससे नेटवर्क न होने पर भी डाटा सुरक्षित रहता है और बाद में अपलोड किया जा सकता है। साथ ही, डैशबोर्ड के माध्यम से जिला, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर आंकड़ों का तुलनात्मक विश्लेषण किया जा सकता है।

ऑपरेशन सिन्दूर की सफलता ने भारतीय रक्षा क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को दी मजबूती

भारतीय सैन्य दलों द्वारा पिछले दिनों चलाया गया 'ऑपरेशन सिन्दूर' भारत की रक्षा क्षमताओं, आधुनिकीकरण और आत्मनिर्भरता का प्रमाण था। इस अभियान ने देश के मजबूत सुरक्षा तंत्र को प्रदर्शित किया और रक्षा क्षेत्र में भारत की स्थिति को मजबूती के साथ दुनिया के सामने प्रस्तुत किया। मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के तहत रक्षा उत्पादन में स्वदेशीकरण को बढ़ावा दिया जा रहा है। राफेल, तेजस, अर्जुन टैंक, ब्रह्मोस मिसाइल, युद्धपोत निर्माण जैसी परियोजनाएं अर्थव्यवस्था को मजबूती दे रही हैं। उल्लेखनीय है कि भारत का रक्षा बजट वर्ष 2024-25 में लगभग 6.22 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है।

रक्षा विशेषज्ञों के अनुसार इस अभियान के बाद भारतीय रक्षा क्षेत्र में आर्थिक विकास के भी अवसर खुले हैं। जानकारी के अनुसार आगामी पांच वर्षों में भारत को 8.9 बिलियन डॉलर का घरेलू और निर्यात राजस्व प्राप्त होने की संभावना है। आगामी दिनों में युद्ध के दौरान ड्रोन तकनीक की मांग और बढ़ेगी। यही कारण है कि इस दिशा में एक कदम आगे बढ़ते हुए भारत ने खुद को ड्रोन निर्माता देश के रूप में स्थापित करने की पहल की है। 1550 से अधिक ड्रोन कम्पनियों और 5 हजार 500 ड्रोन पायलटों का प्रतिनिधित्व करने वाले 'ड्रोन फेडरेशन ऑफ इण्डिया' ने विश्व में भारतीय ड्रोन और काउण्टर ड्रोन तकनीक के डिजाइन, विकास, विनिर्माण और निर्यात को बढ़ावा दिया है। उल्लेखनीय है कि बेंगलुरु की अल्फा डिजाइन टेक्नोलॉजी कंपनी ने स्काई स्ट्राइकर के निर्माण के लिए इजराइल के एल्बिट सिस्टम के साथ समझौता किया है।

भारत सरकार ने रक्षा निर्यात के लक्ष्य को वर्ष 2030 तक 5.8 बिलियन डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। डीआरडीओ, एचएएल और बीईएल सहित निजी स्टार्टअप रक्षा उत्पादन तकनीक में नवाचार ला रहे हैं। इससे रोज़गार के अवसर भी बढ़ेंगे और वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव के बीच भारत को रक्षा उपकरणों का विश्वसनीय निर्यातक बनने का अवसर मिलेगा।

- विकास तिवारी

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े विषयों पर लेखन करते हैं)

जल संरक्षण का जन आंदोलन बना जल गंगा संवर्धन अभियान

● डॉ. मोहन यादव

'क्षिति, जल, पावक, गगन, समीरा, पंचतत्व से बना शरीरा'

रामचरित मानस की इस चौपाई के पंचतत्वों में से एक जल, जीवन का आधार है। हमें जीवन के अस्तित्व के लिये जल को संरक्षित करना ही होगा। इसे आने वाली पीढ़ियों के लिए बचाना जरूरी है। ऋग्वेद की ऋचाओं में जल के महत्व, विशेषताओं और संरक्षण का संकेत है। रामायण और महाभारत में प्रकृति के संरक्षण का उल्लेख है। जल संरक्षण हमारी पुरातन संस्कृति है। यह अपनी परंपरा और संस्कारों की ऐतिहासिक विरासत है जिसे हमें अगली पीढ़ी तक पहुंचाना है।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की विरासत से विकास की दृष्टि समग्र कल्याण के लिए है जो प्रकृति संवर्धन से लेकर विकास के हर पक्ष में समाहित है। मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी जब गुजरात के मुख्यमंत्री थे तब उन्होंने लंबे समय तक जल संरक्षण का अभियान चलाया था उन्हीं से प्रेरणा लेकर मध्यप्रदेश में हमने जल गंगा संवर्धन अभियान की संकल्पना की। इस अभियान का शुभारंभ 30 मार्च गुड़ी पड़वा, नववर्ष विक्रम संवत् अवसर पर महाकाल की नगरी उज्जयिनी के शिप्रा तट से किया गया। यह अभियान जल संरक्षण, जल स्रोतों के पुनर्जीवन और जन-जागरूकता को समर्पित रहा है। जल संग्रह के कई कीर्तिमान रचने के साथ आज हम जल संरक्षण की समृद्धि का उत्सव मना रहे हैं।

मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि इस 90 दिन तक चले अभियान में पूरे प्रदेश में बड़े पैमाने पर जलसंरचनाओं पर काम हुआ है। इस अभियान में खंडवा जिले ने 1.29 लाख संरचनाओं का निर्माण किया है इस विशेष उपलब्धि के लिए खंडवा को भू-गर्भ जल भंडारण की दृष्टि से प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जल सुरक्षा और प्रभावी जल प्रबंधन के लिए कैच द रेन अभियान शुरू किया। इसी से प्रेरणा लेकर मध्यप्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत वर्षा की एक-एक बूंद को सहेजने का प्रयास किया गया। प्रदेश में पहली बार वर्षा जल को सहेजने का बड़े स्तर पर अभियान चला इससे भविष्य में भू-जल की निर्भरता कम होगी और पानी की हर बूंद का उपयोग होगा।

हमने प्रधानमंत्री जी के मिशन लाइफ मंत्र को आत्मसात किया और अपनी जीवन शैली में बदलाव करके पर्यावरण रक्षा का सूत्र हाथ में लिया है। इससे जन-जन में पर्यावरण मित्र के रूप में जीवन जीने की परंपरा निर्मित हुई है। प्रदेशवासी मिशन लाइफ के अनुसार प्रकृति के साथ प्रगति पथ पर आगे बढ़ेंगे। प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश में पहली बार री-यूज वाटर पोर्टल निर्मित किया जा रहा है। यह पहल प्रदेश में जल संरक्षण और पुनः उपयोग की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। इस तरह प्रदेश जल प्रबंधन के लिए तीन सिद्धांत री-यूज, रीड्यूज और री-साइकल पर आधारित रणनीति बनाकर काम कर रहा है।

यह हमारा सौभाग्य है कि मध्यप्रदेश की धरती प्रकृति की विपुल सम्पदा से समृद्ध है। यह मां नर्मदा, शिप्रा मईया, ताप्ती और बेतवा सहित लगभग 267 नदियों का मायका है। प्रदेश में पहली बार नदियों को निर्मल और अविरल बनाने के लिए 145 से अधिक नदियों के उद्‌गम स्थल को चिह्नित किया गया और साफ-सफाई के साथ पौधरोपण की शुरुआत हुई है। नदियों के तट पर पौधरोपण की यह पहल नदियों को उनके मायके में हरि चुनरी ओढ़ाने का प्रयास है।

प्रदेश में पहली बार खेत का पानी खेत में, गांव का पानी गांव में रोकने के लिए खेत तालाबों का चयन सिपरी सॉफ्टवेयर से किया गया। अभियान में 83 हजार से अधिक बनने वाले खेत-तालाबों से प्रदेश के अन्नदाता में नई उम्मीद जागी है। अब वे अपने खेत में एक नहीं कई फसलें ले सकते हैं। खेत तालाब के अलावा अमृत सरोवर और डगवेल रिचार्ज बनाने में भी सिपरी सॉफ्टवेयर, एआई और प्लानर सॉफ्टवेयर जैसी तकनीक का उपयोग किया गया है। इस तकनीक से निर्धारित लक्ष्य को समय रहते प्राप्त करने में आसानी हुई है और गुणवत्ता पर भी विशेष ध्यान दिया गया है।

प्रदेश में पहली बार जल संरक्षण के साथ जल समृद्धि की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत के संरक्षण की पहल की गई। इसके तहत राजा भोज ने बसाये भोपाल की ऐतिहासिक धरोहर बड़े बाग की बावड़ी को सहेजने और पुनर्जीवित करने का कार्य किया गया। मुझे यह बताते हुए खुशी है कि इस अभियान के अंतर्गत हमने 200 वर्ष पहले लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर द्वारा बनाई गई होलकर कालीन बावड़ी को जीर्णोद्धार उपरांत नया स्वरूप प्रदान किया है। इस बावड़ी का लोकार्पण करते हुए मुझे यह महसूस हुआ कि हम माता अहिल्या के लोक कल्याण के युग में पहुंच गये हैं। बावड़ियां हमारे पूर्वजों की अमूल्य धरोहर हैं, इसे अगली पीढ़ी तक पहुंचाने के लिये प्रदेशभर में दो हजार से अधिक बावड़ियों को पुनर्जीवित करते हुए बावड़ी उत्सव मनाया गया।

माननीय प्रधानमंत्री जी ने हमारी युवा शक्ति को जल सैनिक बनाने का आह्वान किया था। इस अभियान में, मध्यप्रदेश में पहली बार 2.30 लाख जल दूत बनाये गये। मुझे पूर्ण विश्वास है कि पानी बचाने के लिए यह अमृत मित्र भविष्य में जल सुरक्षा के अग्रदूत बनेंगे।

प्रदेश में पहली बार डेढ़ लाख से अधिक कृषकों ने सभी विकासखंडों में 812 पानी चौपाल का आयोजन किया। इसमें किसानों ने अपने गांव के खेतों, जल स्रोतों के संरक्षण, संवर्धन और पुरानी जल संरचनाओं के जीर्णोद्धार पर विचार-विमर्श किया।

प्रदेश में पहली बार खेत का पानी खेत में, गांव का पानी गांव में रोकने के लिए खेत तालाबों का चयन सिपरी सॉफ्टवेयर से किया गया। अभियान में 83 हजार से अधिक बनने वाले खेत-तालाबों से प्रदेश के अन्नदाता में नई उम्मीद जागी है। अब वे अपने खेत में एक नहीं कई फसलें ले सकते हैं। खेत तालाब के अलावा अमृत सरोवर और डगवेल रिचार्ज बनाने में भी सिपरी सॉफ्टवेयर, एआई और प्लानर सॉफ्टवेयर जैसी तकनीक का उपयोग किया गया है। इस तकनीक से निर्धारित लक्ष्य को समय रहते प्राप्त करने में आसानी हुई है और गुणवत्ता पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। इसके लिए नियमित जानकारी प्राप्त करने के लिए डेशबोर्ड डाटा को एआई के माध्यम के उपयोग से अभियान की प्रगति में सुधार और गति दी गई।

इस अभियान में प्रदेश के नगर-नगर और गांव-गांव में जल स्रोतों को शुद्ध और उपयोगी बनाने का कार्य चला, अनेक पोखर और बावड़ियों को पुनर्जीवन प्राप्त हुआ। यह सरकार और समाज का संयुक्त प्रयास है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि पानी की बूंद-बूंद सहेजने का जो प्रयत्न किया गया है वह हमारे किसान भाइयों के लिए पारस पत्थर का काम करेगा। सूखे खेत हरे-भरे होंगे, सुनहरी फसलें लहलहायेंगी। हमारा किसान समृद्ध होगा और मध्यप्रदेश की धरती समृद्ध होगी।

वर्षा के जल को संग्रहित करने और पुराने जल स्रोतों के जीर्णोद्धार के लिए यह अभियान चलाया गया। इस अभियान की सफलता का सबसे बड़ा आधार है जनभागीदारी। सरकार, शासन-प्रशासन, समाजसेवी और प्रदेश के आमजन ने इस अभियान में सहभागिता निभाई है। जल गंगा संवर्धन अभियान के बाद अब पौधरोपण का व्यापक अभियान चलाया जायेगा।

मुझे खुशी है कि जल गंगा संवर्धन अभियान शासन के साथ जनता के लिए, जनता का अभियान बन गया है। इस अभियान ने जनआंदोलन का स्वरूप ले लिया है। प्रदेश ने यह प्रमाणित किया है कि यदि सरकार और जनता मिलकर कार्य करें तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं। किसानों, महिलाओं, युवाओं और विद्यार्थियों ने जल संरक्षण को जीवन का मंत्र बना लिया है। इससे समाज में जल संरक्षण का भाव और भागीदारी का मानस विकसित हुआ है। इस अभियान ने हम सभी के मन को एक नये संकल्प और ऊर्जा से भर दिया है। यह अभियान केवल जल संरक्षण का कार्य नहीं है, बल्कि हमारी संस्कृति, परंपरा और भविष्य की सुरक्षा का वह सूत्र है, जिससे प्रदेश की समृद्धि जुड़ी है।

'अद्भिः सर्वाणि भूतानि जीवन्ति प्रभवन्ति च।'

महाभारत के शांति पर्व का यह श्लोक जल के महत्व और जीवन में इसकी भूमिका को दर्शाता है।

मैं प्रदेश की साढ़े आठ करोड़ जनता से पानी की बूंद-बूंद बचाने और जल समृद्ध राज्य बनाने का आह्वान करता हूं।

आइये, हम सब मिलकर पानी की हर बूंद बचाने का संकल्प लें, जल संरक्षण और संवर्धन के कार्य को आगे बढ़ायें। मुझे उम्मीद है कि जल गंगा संवर्धन अभियान प्रदेश में जल की प्रचुर उपलब्धता और भावी पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित करने में मील का पत्थर साबित होगी।

(लेखक, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री हैं)

संघ लोक सेवा आयोग

धौलपुर हाउस, शाहजहां रोड, नई दिल्ली -110069

सूचनात्माक विज्ञापन सं. 08/2025

निम्नलिखित पदों पर चयन द्वारा सीधी भर्ती के लिए वेबसाइट **https://upsconline.gov.in/ora/** के माध्यम **से 28 जून, 2025 से 17 जुलाई, 2025** तक ऑनलाइन भर्ती आवेदन (ओआरए) आमंत्रित किए जाते हैं.

1. **(रिक्ति संख्या 25060801228)** राष्ट्रीय जैविक और प्राकृतिक खेती केंद्र, कृषि और किसान कल्याण विभाग, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय में **क्षेत्रीय निदेशक** के पद के लिए एक रिक्ति. **(अना.-01) (पीडब्ल्यूबीडी-01)**. यह रिक्ति बेंचमार्क दिव्यांगता वाले व्यक्तियों **(पीडब्ल्यूबीडी)** की श्रेणी से संबंधित उम्मीदवारों जैसे दृष्टिहीन और अल्प दृष्टि की अक्षमता अर्थात् अल्प दृष्टि **(एलवी)**, बधिर और ऊंचा सुनने की अक्षमता अर्थात् बधिर **(डी)** या ऊंचा सुनने वाले **(एचएच)**, प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात सहित चलने में असमर्थ, कुष्ठ रोग उपचारित, बौनापन, तेजाबी हमले से पीड़ित और मांसपेशीय दुर्विकास, रीढ़ की हड्डी में विकृति और बिना किसी न्यूरोलॉजिकल/अंग शिथिलता के रीढ़ की हड्डी में दिव्यांगता सहित चोट, अर्थात एक पैर प्रभावित **(दायां या बायां) (ओएल)** या एक हाथ प्रभावित **(दायां या बायां) (ओए)** या एक पैर और एक हाथ प्रभावित **(ओएलए)** या कुष्ठ रोग उपचारित **(एलसी)** या बौनापन **(डीडब्ल्यू)** या तेजाबी हमले से पीड़ित **(एएवी)** या बिना किसी न्यूरोलॉजिकल/अंग शिथिलता के रीढ़ की हड्डी में दिव्यांगता **(एसडी)** या बिना किसी न्यूरोलॉजिकल/अंग शिथिलता के रीढ़ की हड्डी में चोट **(एसआई)** या बहुविध अक्षमताओं **(एमडी)** अर्थात् उपर्युक्त अक्षमताओं की श्रेणियों में से कम से कम दो अक्षमताओं वाले उम्मीदवारों के लिए विशेष रूप से आरक्षित है. **वेतनमान : 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में स्तर-12. आयुः अना. के लिए 50 वर्ष और पीडब्ल्यूबीडी के लिए 56 वर्ष.**

2. **(रिक्ति संख्या 25060802228)** भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार, संस्कृति मंत्रालय में **वैज्ञानिक अधिकारी** के पद के लिए दो रिक्तियां. **(अना.-02)**. **वेतनमानः 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में स्तर-08. आयुः अना. के लिए 30 वर्ष.**

3. **(रिक्ति संख्या 25060803428)** नौसेना मुख्यालय, असैनिक कार्मिक निदेशालय, रक्षा मंत्रालय में **प्रशासनिक अधिकारी ग्रेड-I** के पद के लिए आठ रिक्तियां. **(अना.-04, ईडब्ल्यूएस-01, अ.पि.व.-02, अ.जा.-01)**. वेतनमान : **7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में स्तर-10. आयुः अना./ईडब्ल्यूएस के लिए 35 वर्ष, अ.पि.व. के लिए 38 वर्ष, और अ.जा. के लिए 40 वर्ष.**

4. **(रिक्ति संख्या 25060804228)** नौसेना मुख्यालय, असैनिक कार्मिक निदेशालय, रक्षा मंत्रालय में **कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी** के पद के लिए नौ रिक्तियां. **(अना.-05, ईडब्ल्यूएस-01, अ.पि.व.-02, अ.जा.-01) (पीडब्ल्यूबीडी-01)**. नौ रिक्तियों में से, एक रिक्ति बेंचमार्क दिव्यांगता वाले व्यक्तियों **(पीडब्ल्यूबीडी)** की श्रेणी से संबंधित उम्मीदवारों जैसे प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात सहित चलने में असमर्थ, कुष्ठ रोग उपचारित, बौनापन, तेजाबी हमले से पीड़ित और मांसपेशीय दुर्विकास, रीढ़ की हड्डी में विकृति और बिना किसी न्यूरोलॉजिकल/अंग शिथिलता के रीढ़ की हड्डी में दिव्यांगता सहित चोट, अर्थात एक पैर प्रभावित **(दायां या बायां) (ओएल)** या प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात **(सीपी)** या कुष्ठ रोग उपचारित **(एलसी)** या बौनापन **(डीडब्ल्यू)** या तेजाबी हमले से पीड़ित **(एएवी)** या बिना किसी न्यूरोलॉजिकल/अंग शिथिलता के रीढ़ की हड्डी में दिव्यांगता **(एसडी)** या बिना किसी न्यूरोलॉजिकल/अंग शिथिलता के रीढ़ की हड्डी में चोट **(एसआई)** के लिए आरक्षित है. **वेतनमान : 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में स्तर-08. आयुः अना./ईडब्ल्यूएस के लिए 30 वर्ष**, अ.पि.व. के लिए 33 वर्ष, अ.जा. के लिए 35 वर्ष और पीडब्ल्यूबीडी के लिए 40 वर्ष.

5. **(रिक्ति संख्या 25060805428)** कैंटीन भंडार विभाग, रक्षा मंत्रालय में **प्रबंधक ग्रेड-1/अनुभाग अधिकारी** के पद के लिए उन्नीस रिक्तियां. **(अना.-07, ईडब्ल्यूएस-03, अ.पि.व.-04, अ.जा.-03, अ.ज.जा.-02)**. वेतनमान : **7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में स्तर-10. आयुः अना./ ईडब्ल्यूएस के लिए 35 वर्ष, अ.पि.व. के लिए 38 वर्ष, अ.जा. के लिए 40 वर्ष.**

6. **(रिक्ति संख्या 25060806628)** नौसेना मुख्यालय, असैनिक कार्मिक निदेशालय, रक्षा मंत्रालय में **वरिष्ठ डिजाइन अधिकारी ग्रेड-I (निर्माण)** के पद के लिए चार रिक्तियां. **(अना.-04) (पीडब्ल्यूबीडी-01)**. चार रिक्तियों में से, एक रिक्ति बेंचमार्क दिव्यांगता वाले व्यक्तियों **(पीडब्ल्यूबीडी)** की श्रेणी से संबंधित उम्मीदवारों जैसे बधिर और ऊंचा सुनने की अक्षमता अर्थात् बधिर **(डी)** या ऊंचा सुनने वाले **(एचएच)** के लिए आरक्षित है. **वेतनमान : 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में स्तर-11. आयुः अना. के लिए 40 वर्ष और पीडब्ल्यूबीडी के लिए 50 वर्ष.**

7. **(रिक्ति संख्या 25060807628)** नौसेना मुख्यालय, असैनिक कार्मिक निदेशालय, रक्षा मंत्रालय में **वरिष्ठ डिजाइन अधिकारी ग्रेड-I (अभियांत्रिकी)** के पद के लिए तीन रिक्तियां. **(अना.-02, अ.पि.व.-01)**. **वेतनमान : 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में स्तर-11. आयुः अना. के लिए 40 वर्ष और अ.पि.व. के लिए 43 वर्ष.**

8. **(रिक्ति संख्या 25060808628)** वैमानिकी गुणवत्ता आश्वासन महानिदेशालय, रक्षा उत्पादन विभाग, रक्षा मंत्रालय में **वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (वैमानिकी)** के पद के लिए तीन रिक्तियां. **(अना.-01, ईडब्ल्यूएस-01, अ.जा.-01)**. **वेतनमान : 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में स्तर-07. आयुः अना./ ईडब्ल्यूएस के लिए 30 वर्ष, अ.जा. के लिए 35 वर्ष.**

9. **(रिक्ति संख्या 25060809628)** वैमानिकी गुणवत्ता आश्वासन महानिदेशालय, रक्षा उत्पादन विभाग, रक्षा मंत्रालय में **वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (रसायन)** के पद के लिए दो रिक्तियां. **(अना.-01, ईडब्ल्यूएस-01)**. **वेतनमान : 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में स्तर-07. आयुः अना. /ईडब्ल्यूएस के लिए 30 वर्ष.**

10. **(रिक्ति संख्या 25060810628)** वैमानिकी गुणवत्ता आश्वासन महानिदेशालय, रक्षा उत्पादन विभाग, रक्षा मंत्रालय में **वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (कम्प्यूटर विज्ञान/कम्प्यूटर इंजीनियरी)** के पद के लिए चार रिक्तियां. (अना.-01, ईडब्ल्यूएस-01, अ.पि.व.-01, अ.जा.-01). वेतनमान : **7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में स्तर-07. आयुः अना./ईडब्ल्यूएस के लिए 30 वर्ष, अ.पि.व. के लिए 33 वर्ष और अ.जा. के लिए 35 वर्ष.**

11. **(रिक्ति संख्या 25060811628)** वैमानिकी गुणवत्ता आश्वासन महानिदेशालय, रक्षा उत्पादन विभाग, रक्षा मंत्रालय में **वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (विद्युत)** के पद के लिए दो रिक्तियां. **(ईडब्ल्यूएस-01, अ.पि.व. -01)**. **वेतनमान : 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में स्तर-07. आयुः ईडब्ल्यूएस के लिए 30 वर्ष और अ.पि.व. के लिए 33 वर्ष.**

12. **(रिक्ति संख्या 25060812628)** वैमानिकी गुणवत्ता आश्वासन महानिदेशालय, रक्षा उत्पादन विभाग, रक्षा मंत्रालय में **वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (इलेक्ट्रानिकी)** के पद के लिए चार रिक्तियां. **(अना.-01, अ.पि.व.-01, अ.जा.-01, अ.ज.जा.-01)**. **वेतनमान : 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में स्तर-07. आयुः अना. के लिए 30 वर्ष, अ.पि.व. के लिए 33 वर्ष और अ.जा./अ.ज.जा. के लिए 35 वर्ष.**

13. **(रिक्ति संख्या 25060813628)** वैमानिकी गुणवत्ता आश्वासन महानिदेशालय, रक्षा उत्पादन विभाग, रक्षा मंत्रालय में **वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (यांत्रिक)** के पद के लिए चार रिक्तियां. **(अना.-01, ईडब्ल्यूएस-01, अ.पि.व.-01, अ.ज.जा.-01)**. **वेतनमान : 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में स्तर-07. आयुः अना./ईडब्ल्यूएस के लिए 30 वर्ष, अ.पि.व. के लिए 33 वर्ष अ.ज.जा. के लिए 35 वर्ष.**

14. **(रिक्ति संख्या 25060814628)** वैमानिकी गुणवत्ता आश्वासन महानिदेशालय, रक्षा उत्पादन विभाग, रक्षा मंत्रालय में **वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (धातु विज्ञान)** के पद के लिए दो रिक्तियां. **(अना.-01, ईडब्ल्यूएस-01)**. **वेतनमान : 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में स्तर-07. आयुः अना. /ईडब्ल्यूएस के लिए 30 वर्ष.**

15. **(रिक्ति संख्या 25060815628)** वैमानिकी गुणवत्ता आश्वासन महानिदेशालय, रक्षा उत्पादन विभाग, रक्षा मंत्रालय में **वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (वस्त्र)** के पद के लिए एक रिक्ति. **(ईडब्ल्यूएस-01)**. **वेतनमान : 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में स्तर-07. आयुः ईडब्ल्यूएस के लिए 30 वर्ष.**

16. **(रिक्ति संख्या 25060816228)** नौसेना मुख्यालय, असैनिक कार्मिक निदेशालय, रक्षा मंत्रालय में **वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी ग्रेड-I** के पद के लिए एक रिक्ति. **(अना.-01)**. **वेतनमान : 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में स्तर-11. आयुः अना. के लिए 40 वर्ष.**

17. **(रिक्ति संख्या 25060817228)** भारतीय प्राणी सर्वेक्षण, कोलकाता, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय में **वैज्ञानिक-'बी'** के पद के लिए चार रिक्तियां. **(अना.-02, अ.पि.व.-02) (पीडब्ल्यूबीडी-01)**. चार रिक्तियों में से, एक रिक्ति बेंचमार्क दिव्यांगता वाले व्यक्तियों **(पीडब्ल्यूबीडी)** की श्रेणी से संबंधित उम्मीदवारों जैसे बधिर और ऊंचा सुनने की अक्षमता अर्थात् बधिर **(डी)** या ऊंचा सुनने वाले **(एचएच)** के लिए आरक्षित है. **वेतनमान : 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में स्तर-10. आयुः अना. के लिए 35 वर्ष, अ.पि.व. के लिए 38 वर्ष और पीडब्ल्यूबीडी के लिए 45 वर्ष.**

18. **(रिक्ति संख्या 25060818228)** विधिक एवं संधि प्रभाग, विदेश मंत्रालय में **विधि अधिकारी (ग्रेड-II)** के पद के लिए पांच रिक्तियां. **(अना.-02, ईडब्ल्यूएस- 01, अ.पि.व.-01, अ.ज.जा.-01) (पीडब्ल्यूबीडी-01)**. पांच रिक्तियों में से, एक रिक्ति बेंचमार्क दिव्यांगता वाले व्यक्तियों **(पीडब्ल्यूबीडी)** की श्रेणी से संबंधित उम्मीदवारों जैसे प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात सहित चलने में असमर्थ, कुष्ठ रोग उपचारित, बौनापन, तेजाबी हमले से पीड़ित और मांसपेशीय दुर्विकास, रीढ़ की हड्डी में विकृति और बिना किसी न्यूरोलॉजिकल/अंग शिथिलता के रीढ़ की हड्डी में दिव्यांगता सहित चोट, अर्थात दोनों पैर प्रभावित परंतु हाथ नहीं **(बीएल)** या दोनों हाथ प्रभावित **(बीए)** या एक पैर प्रभावित **(दायां या बायां) (ओएल)** या एक हाथ प्रभावित **(दायां या बायां) (ओए)** या दोनों पैर और दोनों हाथ प्रभावित **(बीएलए)** या एक पैर और एक हाथ प्रभावित **(ओएलए)** या दोनों पैर और एक हाथ प्रभावित **(बीएलओए)** या कुष्ठ रोग उपचारित **(एलसी)** या बौनापन **(डीडब्ल्यू)** या तेजाबी हमले से पीड़ित **(एएवी)** या बिना किसी न्यूरोलॉजिकल/अंग शिथिलता के रीढ़ की हड्डी में दिव्यांगता **(एसडी)** या बिना किसी न्यूरोलॉजिकल/अंग शिथिलता के रीढ़ की हड्डी में चोट **(एसआई)** के लिए आरक्षित है. **वेतनमान : 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में स्तर-11. आयुः अना. /ईडब्ल्यूएस के लिए 40 वर्ष, अ.पि.व. के लिए 43 वर्ष, अ.ज.जा. के लिए 45 वर्ष और पीडब्ल्यूबीडी के लिए 50 वर्ष.**

19. **(रिक्ति संख्या 25060819128)** स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में **दंत चिकित्सक** के पद के लिए चार रिक्तियां. **(अना.-02, ईडब्ल्यूएस-01, अ.जा.-01) (पीडब्ल्यूबीडी-01)**. चार रिक्तियों में से, एक रिक्ति बेंचमार्क दिव्यांगता वाले व्यक्तियों **(पीडब्ल्यूबीडी)** से संबंधित उम्मीदवारों जैसे बधिर और ऊंचा सुनने की अक्षमता अर्थात बधिर **(डी)** या ऊंचा सुनने वाले **(एचएच)** के लिए आरक्षित है. **वेतनमान : 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में स्तर-10. आयुः अना./ ईडब्ल्यूएस के लिए 35 वर्ष, अ.जा. के लिए 40 वर्ष और पीडब्ल्यूबीडी के लिए 45 वर्ष.**

20. **(रिक्ति संख्या 25060820128)** स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में **डायलिसिस चिकित्सा अधिकारी** के पद के लिए दो रिक्तियां. **(अना.-02) (पीडब्ल्यूबीडी-01)**. दो रिक्तियों में से, एक रिक्ति बेंचमार्क दिव्यांगता वाले व्यक्तियों **(पीडब्ल्यूबीडी)** से संबंधित उम्मीदवारों जैसे बधिर और ऊंचा सुनने की अक्षमता अर्थात ऊंचा सुनने वाले **(एचएच)** के लिए आरक्षित है. **वेतनमान : 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में स्तर-10. आयुः अना. के लिए 35 वर्ष और पीडब्ल्यूबीडी के लिए 45 वर्ष.**

21. **(रिक्ति संख्या 25060821128)** स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में **विशेषज्ञ ग्रेड III सहायक प्रोफेसर (न्यूरो सर्जरी)** के पद के लिए पंद्रह रिक्तियां. **(अना.-05, ईडब्ल्यूएस-02, अ.पि.व.-04, अ.जा.-03, अ.ज.जा.-01) (पीडब्ल्यूबीडी-01)**. पंद्रह रिक्तियों में से, एक रिक्ति बेंचमार्क दिव्यांगता वाले व्यक्तियों **(पीडब्ल्यूबीडी)** से संबंधित उम्मीदवारों अर्थात् प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात सहित चलने में असमर्थ, कुष्ठ रोग उपचारित, बौनापन, तेजाबी हमले से पीड़ित और मांसपेशीय दुर्विकास, रीढ़ की हड्डी में विकृति और बिना किसी न्यूरोलॉजिकल/अंग शिथिलता के रीढ़ की हड्डी में चोट सहित दिव्यांगता अर्थात एक पैर प्रभावित **(दायां या बायां) (ओएल)** या कुष्ठ रोग उपचरित **(एलसी)** या तेजाबी हमले से पीड़ित **(एएवी)** या मांसपेशीय दुर्विकास **(एमडीवाई)** या बिना किसी न्यूरोलॉजिकल/अंग शिथिलता के रीढ़ की हड्डी में दिव्यांगता **(एसडी)** या बिना किसी न्यूरोलॉजिकल/अंग शिथिलता के रीढ़ की हड्डी में चोट **(एसआई)** के लिए आरक्षित है. **वेतनमान : 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में लेवल-11 प्रै.नि.भ. सहित. आयुः अना./ईडब्ल्यूएस के लिए 40 वर्ष, अ.पि.व. के लिए 43 वर्ष, अ.जा./अ.ज.जा. के लिए 45 वर्ष और पीडब्ल्यूबीडी के लिए 50 वर्ष.**

22. **(रिक्ति संख्या 25060822128)** स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में **विशेषज्ञ ग्रेड III सहायक प्रोफेसर (अस्थिविज्ञान)** के पद के लिए सत्रह रिक्तियां. **(अना.-07, ईडब्ल्यूएस-02, अ.पि.व.-03, अ.जा.-04, अ.ज.जा.-01) (पीडब्ल्यूबीडी-02)**. सत्रह रिक्तियों में से, दो रिक्ति बेंचमार्क दिव्यांगता वाले व्यक्तियों **(पीडब्ल्यूबीडी)** से संबंधित उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं. दो रिक्तियों में से, एक रिक्ति बेंचमार्क दिव्यांगता वाले व्यक्तियों **(पीडब्ल्यूबीडी)** से संबंधित उम्मीदवार अर्थात् बधिर और ऊंचा सुनने की अक्षमता अर्थात ऊंचा सुनने वाले **(एचएच)** के लिए आरक्षित है और एक रिक्ति बेंचमार्क दिव्यांगता वाले व्यक्तियों **(पीडब्ल्यूबीडी)** से संबंधित उम्मीदवार अर्थात प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात सहित चलने में असमर्थ, कुष्ठ रोग उपचारित, बौनापन, तेजाबी हमले से पीड़ित और मांसपेशीय दुर्विकास, रीढ़ की हड्डी में विकृति और बिना किसी न्यूरोलॉजिकल/अंग शिथिलता के रीढ़ की हड्डी में चोट सहित दिव्यांगता अर्थात एक पैर प्रभावित **(दायां या बायां) (ओएल)** या कुष्ठ रोग उपचरित **(एलसी)** या तेजाबी हमले से पीड़ित **(एएवी)** या बिना किसी न्यूरोलॉजिकल/अंग शिथिलता के रीढ़ की हड्डी में दिव्यांगता **(एसडी)** या बिना किसी न्यूरोलॉजिकल/अंग शिथिलता के रीढ़ की हड्डी में चोट **(एसआई)** के लिए आरक्षित है. **वेतनमान : 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में लेवल-11 प्रै.नि.भ. सहित. आयुः अना./ईडब्ल्यूएस के लिए 40 वर्ष, अ.पि.व. के लिए 43 वर्ष, अ.जा./अ.ज.जा. के लिए 45 वर्ष और पीडब्ल्यूबीडी के लिए 50 वर्ष.**

23. **(रिक्ति संख्या 25060823128)** स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में **विशेषज्ञ ग्रेड III सहायक प्रोफेसर (मनोचिकित्सा)** के पद के लिए चौदह रिक्तियां. **(अना.-06, ईडब्ल्यूएस-01, अ.पि.व.-04, अ.जा.-02, अ.ज.जा.-01) (पीडब्ल्यूबीडी-01)**. चौदह रिक्तियों में से, एक रिक्ति बेंचमार्क दिव्यांगता वाले व्यक्तियों **(पीडब्ल्यूबीडी)** से संबंधित उम्मीदवार जैसे प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात सहित चलने में असमर्थ, कुष्ठ रोग उपचारित, बौनापन, तेजाबी हमले से पीड़ित और मांसपेशीय दुर्विकास, रीढ़ की हड्डी में विकृति और बिना किसी न्यूरोलॉजिकल/अंग शिथिलता के रीढ़ की हड्डी में चोट सहित दिव्यांगता अर्थात दोनों पैर प्रभावित परंतु हाथ नहीं **(बीएल)** या एक पैर प्रभावित **(दायां या बायां) (ओएल)** या कुष्ठ रोग उपचरित **(एलसी)** या बौनापन **(डीडब्ल्यू)** या तेजाबी हमले से पीड़ित **(एएवी)** या बिना किसी न्यूरोलॉजिकल/अंग शिथिलता के रीढ़ की हड्डी में दिव्यांगता **(एसडी)** या बिना किसी न्यूरोलॉजिकल/अंग शिथिलता के रीढ़ की हड्डी में चोट **(एसआई)** के लिए आरक्षित है. **वेतनमान : 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में लेवल-11 प्रै.नि.भ. सहित. आयुः अना./ईडब्ल्यूएस के लिए 40 वर्ष, अ.पि.व. के लिए 43 वर्ष, अ.जा./अ.ज.जा. के लिए 45 वर्ष और पीडब्ल्यूबीडी के लिए 50 वर्ष.**

24. **(रिक्ति संख्या 25060824128)** स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में **विशेषज्ञ ग्रेड III सहायक प्रोफेसर (रेडियो-निदान)** के पद के लिए छब्बीस रिक्तियां. **(अना.-09, ईडब्ल्यूएस-02, अ.पि.व.-12, अ.जा.-02, अ.ज.जा.-01) (पीडब्ल्यूबीडी-01).** छब्बीस रिक्तियों में से, एक रिक्ति बेंचमार्क दिव्यांगता वाले व्यक्तियों **(पीडब्ल्यूबीडी)** से संबंधित उम्मीदवार जैसे प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात सहित चलने में असमर्थ, कुष्ठ रोग उपचारित, बौनापन, तेजाबी हमले से पीड़ित और मांसपेशीय दुर्विकास, रीढ़ की हड्डी में विकृति और बिना किसी न्यूरोलॉजिकल/अंग शिथिलता के रीढ़ की हड्डी में चोट सहित दिव्यांगता अर्थात एक पैर प्रभावित **(दायां या बायां) (ओएल)** या कुष्ठ रोग उपचरित **(एलसी)** या बौनापन **(डीडब्ल्यू)** या तेजाबी हमले से पीड़ित **(एएवी)** या बिना किसी न्यूरोलॉजिकल/अंग शिथिलता के रीढ़ की हड्डी में दिव्यांगता **(एसडी)** या बिना किसी न्यूरोलॉजिकल/अंग शिथिलता के रीढ़ की हड्डी में चोट **(एसआई)** वाले उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है. **वेतनमान : 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में लेवल-11 प्रै.नि.भ. सहित. आयु: अना./ईडब्ल्यूएस के लिए 40 वर्ष, अ.पि.व. के लिए 43 वर्ष, अ.जा. /अ.ज.जा. के लिए 45 वर्ष और पीडब्ल्यूबीडी के लिए 50 वर्ष.**

25. **(रिक्ति संख्या 25060825128)** नर्सिंग कॉलेज, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज एवं श्रीमती सुचेता कृपलानी अस्पताल, नई दिल्ली, स्वास्थ्य सेवाएं महानिदेशालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में **ट्यूटर** के पद के लिए उन्नीस रिक्तियां. **(अना.-10, ईडब्ल्यूएस-02, अ.पि.व.-05, अ.जा.-02) (पीडब्ल्यूबीडी-01).** उन्नीस रिक्तियों में से, एक रिक्ति बेंचमार्क दिव्यांगता वाले व्यक्तियों **(पीडब्ल्यूबीडी)** से संबंधित उम्मीदवार जैसे प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात सहित चलने में असमर्थ, कुष्ठ रोग उपचारित, बौनापन, तेजाबी हमले से पीड़ित और मांसपेशीय दुर्विकास, रीढ़ की हड्डी में विकृति और बिना किसी न्यूरोलॉजिकल/अंग शिथिलता के रीढ़ की हड्डी में चोट सहित दिव्यांगता अर्थात एक पैर प्रभावित **(दायां या बायां) (ओएल)** या एक हाथ प्रभावित **(दायां या बायां) (ओए)** या एक पैर और एक हाथ प्रभावित **(ओएलए)** या प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात **(सीपी)** या कुष्ठ रोग उपचरित **(एलसी)** या बौनापन **(डीडब्ल्यू)** या तेजाबी हमले से पीड़ित **(एएवी)** या बिना किसी न्यूरोलॉजिकल/अंग शिथिलता के रीढ़ की हड्डी में दिव्यांगता **(एसडी)** या बिना किसी न्यूरोलॉजिकल/अंग शिथिलता के रीढ़ की हड्डी में चोट **(एसआई)** के लिए आरक्षित है. **वेतनमान : 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में स्तर-10. आयु: अना./ईडब्ल्यूएस के लिए 35 वर्ष, अ.पि.व. के लिए 38 वर्ष, अ.जा. के लिए 40 वर्ष और पीडब्ल्यूबीडी के लिए 45 वर्ष.**

26. **(रिक्ति संख्या 25060826228)** केंद्रीय न्यायालयिक विज्ञान प्रयोगशाला, न्यायालयिक विज्ञान सेवा निदेशालय, गृह मंत्रालय में **सहायक केंद्रीय आसूचना अधिकारी ग्रेड-I (दस्तावेज)** के पद के लिए दो रिक्तियां. **(अना.-02). वेतनमान : 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में स्तर-07. आयु: अना. के लिए 30 वर्ष.**

27. **(रिक्ति संख्या 25060827228)** केंद्रीय न्यायालयिक विज्ञान प्रयोगशाला, न्यायालयिक विज्ञान सेवा निदेशालय, गृह मंत्रालय में **कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी (बैलिस्टिक)** के पद के लिए दो रिक्तियां. **(अना.-01, अ.पि.व.-01). वेतनमान : 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में स्तर-07. आयु: अना. के लिए 30 वर्ष और अ.पि.व. के लिए 33 वर्ष.**

28. **(रिक्ति संख्या 25060828228)** केंद्रीय न्यायालयिक विज्ञान प्रयोगशाला, न्यायालयिक विज्ञान सेवा निदेशालय, गृह मंत्रालय में **कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी (रसायन)** के पद के लिए एक रिक्ति. **(अना.-01). वेतनमान : 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में स्तर-07. आयु: अना. के लिए 30 वर्ष.**

29. **(रिक्ति संख्या 25060829228)** केंद्रीय न्यायालयिक विज्ञान प्रयोगशाला, न्यायालयिक विज्ञान सेवा निदेशालय, गृह मंत्रालय में **कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी (विस्फोटक)** के पद के लिए दो रिक्ति. **(अना.-01, अ.पि.व.-01). वेतनमान : 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में स्तर-07. आयु: अना. के लिए 30 वर्ष और अ.पि.व. के लिए 33 वर्ष.**

30. **(रिक्ति संख्या 25060830228)** केंद्रीय न्यायालयिक विज्ञान प्रयोगशाला, न्यायालयिक विज्ञान सेवा निदेशालय, गृह मंत्रालय में **कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी (न्यूट्रॉन सक्रियण विश्लेषण)** के पद के लिए एक रिक्ति. **(अना.-01). वेतनमान : 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में स्तर-07. आयु: अना. के लिए 30 वर्ष.**

31. **(रिक्ति संख्या 25060831228)** केंद्रीय न्यायालयिक विज्ञान प्रयोगशाला, न्यायालयिक विज्ञान सेवा निदेशालय, गृह मंत्रालय में **कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी (भौतिक विज्ञान)** के पद के लिए एक रिक्ति. **(अना.-01). वेतनमान : 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में स्तर-07. आयु: अना. के लिए 30 वर्ष.**

32. **(रिक्ति संख्या 25060832228)** केंद्रीय न्यायालयिक विज्ञान प्रयोगशाला, न्यायालयिक विज्ञान सेवा निदेशालय, गृह मंत्रालय में **कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी (विष विज्ञान)** के पद के लिए एक रिक्ति. **(अना.-01) (पीडब्ल्यूबीडी-01).** यह रिक्ति बेंचमार्क दिव्यांगता वाले व्यक्तियों **(पीडब्ल्यूबीडी)** से संबंधित उम्मीदवारों जैसे दृष्टिहीन और अल्पदृष्टि की अक्षमता अल्पदृष्टि **(एलवी)** के लिए विशेष रूप से आरक्षित है. **वेतनमान : 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में स्तर-07. आयु: अना. के लिए 30 वर्ष और पीडब्ल्यूबीडी के लिए 40 वर्ष.**

33. **(रिक्ति संख्या 25060833228)** केंद्रीय मृदा एवं सामग्री अनुसंधानशाला, नई दिल्ली, जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग, जल शक्ति मंत्रालय में **वैज्ञानिक 'बी' (भू-भौतिकी)** के पद के लिए एक रिक्ति. **(ईडब्ल्यूएस-01). वेतनमान : 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में स्तर-10. आयु: ईडब्ल्यूएस के लिए 35 वर्ष.**

34. **(रिक्ति संख्या 25060834128)** खान सुरक्षा महानिदेशालय, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय में **खान सुरक्षा (व्यावसायिक स्वास्थ्य) ग्रेड-I के सहायक निदेशक** के पद के लिए तीन रिक्तियां. **(अना.-02, अ.पि.व.-01) (पीडब्ल्यूबीडी-01).** तीन रिक्तियों में से, एक रिक्ति बेंचमार्क दिव्यांगता **(पीडब्ल्यूबीडी)** वाले व्यक्तियों की श्रेणी से संबंधित उम्मीदवारों जैसे ऑटिज्म, बौद्धिक अक्षमता, विशिष्ट अधिगम अक्षमता और मानसिक रोग संबंधी अक्षमता अर्थात् विशिष्ट अधिगम अक्षमता **(एसएलडी)** के लिए आरक्षित है. **वेतनमान : 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में लेवल-11 प्रै.नि.भ. सहित. आयु: अना. के लिए 40 वर्ष, अ.पि.व. के लिए 43 वर्ष और पीडब्ल्यूबीडी के लिए 50 वर्ष.**

35. **(रिक्ति संख्या 25060835228)** महानिदेशालय कारखाना सलाह सेवा एवं श्रम संस्थान (डीजीएफएएसएलआई), श्रम एवं रोजगार मंत्रालय में **उप निदेशक (औद्योगिक स्वच्छता)** के पद के लिए दो रिक्तियां. **(अना.-01, अ.पि.व.-01) (पीडब्ल्यूबीडी-01).** दो रिक्तियों में से, एक रिक्ति बेंचमार्क दिव्यांगता वाले व्यक्तियों **(पीडब्ल्यूबीडी)** से संबंधित उम्मीदवारों जैसे दृष्टिहीन और अल्पदृष्टि की अक्षमता अर्थात अल्पदृष्टि **(एलवी)** के लिए आरक्षित है. **वेतनमान : 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में लेवल-11. आयु: अना. के लिए 40 वर्ष, अ.पि.व. के लिए 43 वर्ष और पीडब्ल्यूबीडी के लिए 50 वर्ष.**

36. **(रिक्ति संख्या 25060836228)** राजभाषा खण्ड, विधायी विभाग, विधि एवं न्याय मंत्रालय में **सहायक विधायी परामर्शी (प्रादेशिक भाषा)** के पद के लिए चौदह रिक्तियां*. **(अना.-09, ईडब्ल्यूएस-01, अ.पि.व.-02, अ.जा.-01, अ.ज.जा.-01) (पीडब्ल्यूबीडी-01).** चौदह रिक्तियों में से, एक रिक्ति बेंचमार्क दिव्यांगता वाले व्यक्तियों **(पीडब्ल्यूबीडी)** से संबंधित उम्मीदवारों जैसे दृष्टिहीन और अल्पदृष्टि की अक्षमता अर्थात दृष्टिहीन **(बी)** या अल्पदृष्टि **(एलवी)** के लिए आरक्षित है. **वेतनमान : 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में लेवल-11. आयु: अना./ईडब्ल्यूएस के लिए 40 वर्ष, अ.पि.व. के लिए 43 वर्ष, अ.जा./अ.ज.जा. के लिए 45 वर्ष और पीडब्ल्यूबीडी के लिए 50 वर्ष.**

***14 रिक्तियों का भाषा-वार ब्यौरा निम्नानुसार है:-**

क्र. सं.	भाषा	आरक्षित रिक्तियां	श्रेणी
1.	असमिया	01	अना.
2.	बंगला	01	अना.
3.	गुजराती	01	अ.पि.व.
4.	कन्नड	01	अना.
5.	कोंकणी	01	अ.जा.
6.	मैथिली	01	अना.
7.	मलयालम	01	ईडब्ल्यूएस
8.	मणिपुरी	01	अना.
9.	उड़िया	01	अ.ज.जा.
10.	पंजाबी	01	अना.
11.	संस्कृत	01	अना.
12.	तमिल	01	अना.
13.	तेलुगू	01	अ.पि.व.
14.	उर्दू**	01	अना.

**** उर्दू भाषा के लिए एक अनारक्षित रिक्ति विशेष रूप से पीडब्ल्यूबीडी उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है.**

37. **(रिक्ति संख्या 25060837228)** राजभाषा खण्ड, विधायी विभाग, विधि एवं न्याय मंत्रालय में **उप विधायी परामर्शी (हिन्दी शाखा)** के पद के लिए दो रिक्तियां. **(अना.-01, ईडब्ल्यूएस- 01). वेतनमान : 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में स्तर-12. आयु: अना./ईडब्ल्यूएस के लिए 50 वर्ष.**

38. **(रिक्ति संख्या 25060838228)** राजभाषा खण्ड, विधायी विभाग, विधि एवं न्याय मंत्रालय में **उप विधायी परामर्शी (प्रादेशिक भाषा)** के पद के लिए सात रिक्तियां*. **(अना.-05, अ.पि.व.-01, अ.जा.-01). वेतनमान : 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में स्तर-12. आयु: अना. के लिए 50 वर्ष, अ.पि.व. के लिए 53 वर्ष और अ.जा. के लिए 55 वर्ष.**

*** 07 रिक्तियों का भाषा-वार ब्यौरा निम्नानुसार है:-**

क्र. सं.	भाषा	आरक्षित रिक्तियां	श्रेणी
1.	असमिया	01	अना.
2.	गुजराती	01	अना.
3.	कन्नड	01	अना.
4.	मणिपुरी	01	अ.पि.व.
5.	उड़िया	01	अना.
6.	संस्कृत	01	अना.
7.	उर्दू	01	अ.जा.

39. **(रिक्ति संख्या 25060839428)** नौवहन महानिदेशालय, मुंबई, पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय में **सहायक शिपिंग मास्टर और सहायक निदेशक** के पद के लिए एक रिक्ति. **(अना.-01) (पीडब्ल्यूबीडी-01).** यह रिक्ति बेंचमार्क दिव्यांगता वाले व्यक्तियों **(पीडब्ल्यूबीडी)** की श्रेणी से संबंधित उम्मीदवारों जैसे प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात सहित चलने में असमर्थ, कुष्ठ रोग उपचारित, बौनापन, तेजाबी हमले से पीड़ित और मांसपेशीय दुर्विकास, रीढ़ की हड्डी में विकृति और बिना किसी न्यूरोलॉजिकल/अंग शिथिलता के रीढ़ की हड्डी में दिव्यांगता सहित चोट, अर्थात दोनों हाथ प्रभावित **(बीए)** या एक पैर प्रभावित **(दायां या बायां) (ओएल)** या एक हाथ प्रभावित **(दायां या बायां) (ओए)** या कुष्ठ रोग उपचारित **(एलसी)** या बौनापन **(डीडब्ल्यू)** या तेजाबी हमले से पीड़ित **(एएवी)** या बिना किसी न्यूरोलॉजिकल/अंग शिथिलता के रीढ़ की हड्डी में दिव्यांगता **(एसडी)** या बिना किसी न्यूरोलॉजिकल/अंग शिथिलता के रीढ़ की हड्डी में चोट **(एसआई)** वाले उम्मीद्वारों के लिए विशेष रूप से आरक्षित है. **वेतनमान: 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में स्तर-07. आयु: अना. के लिए 30 वर्ष और पीडब्ल्यूबीडी के लिए 40 वर्ष.**

40. **(रिक्ति संख्या 25060840228)** नौवहन महानिदेशालय, मुंबई, पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय में **समुद्री सर्वेक्षक-सह-उप महानिदेशक (तकनीकी)** के पद के लिए एक रिक्ति. **(अना.-01). वेतनमान : 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में स्तर-12. आयु: अना. के लिए 50 वर्ष.**

41. **(रिक्ति संख्या 25060841128)** नई दिल्ली नगरपालिका परिषद में **सहायक पशु चिकित्सा सर्जन** के पद के लिए चार रिक्तियां. **(अना.-03, अ.पि.व.-01) (पीडब्ल्यूबीडी-01).** चार रिक्तियों में से, एक रिक्ति बेंचमार्क दिव्यांगता वाले व्यक्तियों **(पीडब्ल्यूबीडी)** की श्रेणी से संबंधित उम्मीदवारों जैसे प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात सहित चलने में असमर्थ, कुष्ठ रोग उपचारित, बौनापन, तेजाबी हमले से पीड़ित और मांसपेशीय दुर्विकास, रीढ़ की हड्डी में विकृति और बिना किसी न्यूरोलॉजिकल/अंग शिथिलता के रीढ़ की हड्डी में दिव्यांगता सहित चोट, अर्थात एक पैर प्रभावित **(दायां या बायां) (ओएल)** या एक हाथ प्रभावित **(दायां या बायां) (ओए)** या प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात **(सीपी)** या बौनापन **(डीडब्ल्यू)** या तेजाबी हमले से पीड़ित **(एएवी)** वाले उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है. **वेतनमान : 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में लेवल-10 प्रै.नि.भ. सहित. आयु: अना. के लिए 35 वर्ष, अ.पि.व. के लिए 38 वर्ष और पीडब्ल्यूबीडी के लिए 45 वर्ष.**

42. **(रिक्ति संख्या 25060842128)** नई दिल्ली नगर पालिका परिषद में **विशेषज्ञ ग्रेड II (कनिष्ठ वेतनमान)** - एनेस्थिसियोलॉजी के पद के लिए तीन रिक्तियां. **(अ.पि.व.-01, अ.जा.-01, अ.ज.जा.-01). वेतनमान : 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में लेवल-11 प्रै.नि.भ. सहित. आयु: अ.पि.व के लिए 48 वर्ष और अ.जा./अ.ज.जा. के लिए 50 वर्ष.**

43. **(रिक्ति संख्या 25060843128)** नई दिल्ली नगर पालिका परिषद में **विशेषज्ञ ग्रेड II (कनिष्ठ वेतनमान)** - कार्डियोलॉजी के पद के लिए एक रिक्ति. **(अ.पि.व.-01). वेतनमान : 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में लेवल-11 प्रै.नि.भ. सहित. आयु: अ.पि.व के लिए 48 वर्ष.**

44. **(रिक्ति संख्या 25060844128)** नई दिल्ली नगरपालिका परिषद में **विशेषज्ञ ग्रेड II (कनिष्ठ वेतनमान)**- ई.एन.टी. के पद के लिए एक रिक्ति. **(अ.ज.जा.-01). वेतनमान : 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में लेवल-11 प्रै.नि.भ. सहित. आयु: अ.ज.जा. के लिए 50 वर्ष.**

45. **(रिक्ति संख्या 25060845128)** नई दिल्ली नगरपालिका परिषद में **विशेषज्ञ ग्रेड II (कनिष्ठ वेतनमान)**- महामारी विज्ञान के पद के लिए एक रिक्ति. **(अ.जा.-01). वेतनमान : 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में लेवल-11 प्रै.नि.भ. सहित. आयु: अ.जा. के लिए 50 वर्ष.**

46. **(रिक्ति संख्या 25060846128)** नई दिल्ली नगर पालिका परिषद में **विशेषज्ञ ग्रेड II (कनिष्ठ वेतनमान)**- स्त्री रोग के पद के लिए दो रिक्तियां. **(अ.पि.व. -01, अ.जा.-01). वेतनमान : 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में लेवल-11 प्रै.नि.भ. सहित. आयु: अ.पि.व. के लिए 48 वर्ष और अ. जा. के लिए 50 वर्ष.**

(शेष अगले पृष्ठ पर)

अंतरिक्ष विभाग, भारत सरकार

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन |इसरो|

इसरो केंद्रीकृत भर्ती बोर्ड |आई.सी.आर.बी.|

सिविल, वैद्युत, प्रशीतन एवं वातानुकूलन तथा वास्तुकला में वैज्ञानिक/अभियंता 'एस.सी.' की भर्ती

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन/अंतरिक्ष विभाग के सभी केंद्र/यूनिट प्रमोचनयानों तथा संचार/सुदूर संवेदन उपग्रहों की डिज़ाइन तैयार करने, उनका निर्माण करने और तत्पश्चात उनका प्रमोचन करने के लिए आत्मनिर्भरता हासिल करके और क्षमता का विकास करके संपूर्ण समाज के लाभ और राष्ट्र की सेवा के लिए अंतरिक्ष अनुप्रयोग, अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अनुसंधान और विकास क्रियाकलापों में कार्यरत हैं.

2. इसरो मुख्यालय, बेंगलूरु में स्थित सिविल अभियांत्रिकी कार्यक्रम कार्यालय (सी.ई.पी.ओ.) तथा इसरो के विभिन्न केंद्रों/यूनिटों में स्थित निर्माण एवं अनुरक्षण प्रभाग (सी.एम.डी.) भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम की आवश्यकता पूरी करने के लिए सभी भू-आधारित संरचनाओं, भवनों और संबंधित सुविधाओं के योजना निर्माण, डिजाइन, निर्माण तथा अनुरक्षण के लिए उत्तरदायी हैं.

3. इसरो के संघटक केंद्रों में वेतन मैट्रिक्स के स्तर 10 में **वैज्ञानिक/अभियंता 'एस.सी.'** (समूह 'क' राजपत्रित पद) तथा अं.वि. के तहत स्वायत्त निकाय (पी.आर.एल.) में वेतन मैट्रिक्स के स्तर 10 में **वैज्ञानिक/अभियंता 'एस.सी.'** (समूह 'क' अराजपत्रित पद) की निम्नलिखित रिक्तियों हेतु प्रतिभावान स्नातकों से निम्नानुसार ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं:

पद कोड सं	पदनाम	रिक्तियों की संख्या	आरक्षण स्थिति	शैक्षणिक अर्हता
बी.ई.004	**वैज्ञानिक/अभियंता 'एस.सी.' (सिविल)**	18	अना.- 07, अ.पि.व.- 04, अ.जा.- 04, अ.ज.जा.- 01, आ.क.व.- 02 [उपर्युक्त में से, 1 रिक्ति पी.डब्ल्यू.बी.डी. (श्रेणी-ख) बैकलॉग के लिए चिहिन्त है.]	न्यूनतम 65% अंकों या सी.जी.पी.ए. 6.84/10 के साथ सिविल अभियांत्रिकी में बी.ई./बी.टेक या समकक्ष.
बी.ई.005	**वैज्ञानिक/अभियंता 'एस.सी.' (वैद्युत)**	10	अना.- 03, अ.पि.व.- 02, अ.जा.- 02, (1-बैकलॉग), अ.ज.जा.-01, आ.क.व.-02	न्यूनतम 65% अंकों या सी.जी.पी.ए. 6.84/10 के साथ इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी या इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी में बी.ई./बी.टेक या समकक्ष.
बी.ई. 006	**वैज्ञानिक/अभियंता 'एस.सी.' (प्रशीतन एवं वातानुकूलन)**	9	अना-04, अपिव-02, अजा-03 (1-बैकलॉग) [उपर्युक्त में से, एक रिक्ति पी.डब्ल्यू.बी.डी. (श्रेणी-ख), बैकलॉग के लिए चिहिन्त है.]	न्यूनतम 65% अंकों या सी.जी.पी.ए. 6.84/10 के साथ किसी भी सत्र में वातानुकूलन एवं प्रशीतन या चयनित विषयों के रूप में संबंधित विषय या मुख्य विषय के रूप में यांत्रिक अभियांत्रिकी में बी.ई./बी.टेक. या समकक्ष.
बी.ई.007	**वैज्ञानिक/अभियंता 'एस.सी.' (वास्तुकला)**	1	अना.- 01,	न्यूनतम 65% अंकों या सी.जी.पी.ए. 6.84/10 के साथ वास्तुकला में स्नातक उपाधि तथा वास्तुकला परिषद में पंजीकरण.
बी.ई.004 ए	**वैज्ञानिक/अभियंता 'एस.सी.' (सिविल) स्वायत्त निकाय (पी.आर.एल.)**	1	UR-01	न्यूनतम 65% अंकों या सी.जी.पी.ए. 6.84/10 के साथ सिविल अभियांत्रिकी में बी.ई./बी.टेक या समकक्ष.

अना- अनारक्षित, अपिव- अन्य पिछड़ा वर्ग, अजा- अनुसूचित जाति, अजजा- अनुसूचित जनजाति, आ.क.व.-आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग.

नोट I : स्नातक की पढ़ाई विश्वविद्यालय द्वारा यथानिर्धारित पाठ्यक्रम की निर्धारित अवधि के भीतर पूरी होनी चाहिए. उपर्युक्त पाठ्यक्रम शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में पूरा करने वाले अभ्यर्थी भी आवेदन करने हेतु पात्र हैं, बशर्ते कि अंतिम डिग्री 31-08-2025 तक उपलब्ध हो और कुल अंक 65% या सी.जी.पी.ए. 6.84/10 हो. (सभी सेमेस्टरों का औसत, जिनका परिणाम उपलब्ध है.)

जहां विश्वविद्यालय अपने उपाधि प्रमाण-पत्र या समेकित अंक-पत्र में सी.जी.पी.ए. और अंक दोनों का उल्लेख करता है, तो कम से कम एक मानदंड (या सी.जी.पी.ए. या प्रतिशतता) अं.वि./इसरो के पात्रता मानदंडों के अनुरूप हो;

जहां विश्वविद्यालय अपने उपाधि प्रमाण-पत्र या समेकित अंक-पत्र में केवल सी.जी.पी.ए. का उल्लेख करता है, तो उल्लेखित सी.जी.पी.ए. आवश्यक रूप से अं.वि./इसरो के पात्रता मानदंडों के अनुरूप हो. पात्रता निर्धारित करने के लिए सी.जी.पी.ए. का अंक प्रतिशत में रूपांतरित करने की अनुमति नहीं है, भले ही संबंधित विश्वविद्यालय/संस्थान द्वारा रूपांतरण सूत्र दिया गया हो. यही मानदंड यथावश्यक परिवर्तन सहित उन मामलों में भी लागू होता है, जहां उपाधि प्रमाण-पत्र/समेकित अंक-पत्र में केवल अंक प्रतिशत दर्शाया गया है.

यदि द्वि/समेकित उपाधि कार्यक्रम है

क)	जहां द्वि/समेकित उपाधि प्रमाण-पत्र में स्नातक और स्नातकोत्तर के लिए सी.जी.पी.ए./प्रतिशतता अलग से दर्शायी गई है, वहां स्नातक स्तर के लिए सी.जी.पी.ए./प्रतिशतता की मान्यता के लिए वर्तमान कार्यविधि को अपनाया जाएगा.
ख)	जहां अध्ययन के पूरे पाठ्यक्रम के लिए लागू समान सी.जी.पी.ए./प्रतिशतता को ही द्वि/समेकित उपाधि प्रमाण-पत्र में दर्शाया गया है. वहां अध्ययन के पूरे पाठ्यक्रम के लिए लागू द्वि/समेकित उपाधि प्रमाण- पत्र में दर्शायी अंतिम सी.जी.पी.ए./प्रतिशतता को ही पात्रता निर्धारण के लिए आधार माना जाएगा:
ग)	जहां विश्वविद्यालय अपने द्वि/समेकित उपाधि प्रमाण-पत्रों में सी.जी.पी.ए./प्रतिशतता निर्धारित नहीं करता, वहां अध्ययन के पूरे पाठ्यक्रम के लिए लागू अंतिम/समेकित अंक-पत्र के अनुसार संपूर्ण सी.जी.पी.ए./प्रतिशतता को ही पात्रता निर्धारण के लिए आधार माना जाएगा;
घ)	उपर्युक्त मानदंड समान रूप से लागू होगा, भले ही विश्वविद्यालय/संस्थान स्नातक/परास्नातक के लिए अपने द्वि/समेकित उपाधि प्रमाण-पत्र में सी.जी.पी.ए./प्रतिशतता निकालने का कोई सूत्र निर्धारित करता है या नहीं;

4. **आयु सीमा** : 14.07.2025 को 28 वर्ष (अ.पि.व. अभ्यर्थियों के लिए 31 वर्ष एवं अ.जा./अ.ज.जा. अभ्यर्थियों के लिए 33 वर्ष, जहां भी पद आरक्षित हैं). सेवारत केंद्रीय सरकार कर्मचारी, पूर्व सैनिक; बेंचमार्क दिव्यांगता वाले व्यक्ति भारत सरकार के आदेशों के अनुसार आयु में छूट के लिए पात्र हैं.

5. **आवेदन शुल्क** : सभी पदों हेतु रु. 250/- (मात्र दो सौ पचास रुपये) अप्रतिदेय आवेदन शुल्क है. हालांकि, आरंभ में सभी अभ्यर्थियों को प्रति आवेदन समान रूप से प्रसंस्करण शुल्क के रूप में रु. 750/- (मात्र सात सौ पचास रुपये) का भुगतान करना होगा. प्रसंस्करण शुल्क निम्नानुसार केवल उन अभ्यर्थियों को वापस किया जाएगा, जो लिखित परीक्षा/साक्षात्कार में शामिल होंगेः - (i) रु. 750/- अर्थात् पूरी राशि, उन अभ्यर्थियों को वापस की जाएगी, जिन्हें आवेदन शुल्क के भुगतान से छूट दी गई है (महिलाएं, अ.जा./अ.ज.जा./पी.डब्ल्यू.बी.डी., भूतपूर्व सैनिक). (ii) रु. 500/- अर्थात् आवेदन शुल्क कटोती के बाद अन्य सभी अभ्यर्थियों को.

6. **वेतन एवं भत्तेः** चयनित अभ्यर्थियों को वेतन मैट्रिक्स के स्तर 10 में वैज्ञानिक/अभियंता-एस.सी. के पद पर नियुक्त किया जाएगा तथा प्रति माह न्यूनतम रु. 56,100/- मूल वेतन दिया जाएगा. इसके अतिरिक्त, उपर्युक्त विषय पर मौजूदा नियमों के अनुसार महंगाई भत्ता (डी.ए.), मकान किराया भत्ता (एच.आर.ए.) तथा परिवहन भत्ता देय होगा. **कर्मचारियों** को नई पेंशन योजना/एकीकृत पेंशन योजना में शामिल किया जाएगा. इसके अलावा, स्वयं एवं आश्रितों के लिए चिकित्सा सुविधाएं, रियायती दर पर कैंटीन सुविधा, सीमित आवास सुविधा (एच.आर.ए. के एवज में), छुट्टी यात्रा रियायत, समूह बीमा, गृह-निर्माण हेतु अग्रिम इत्यादि केंद्रीय सरकार के आदेशानुसार दिया जाएगा.

8. अधिक जानकारी एवं आवेदन करने हेतु कृपया इसरो की वेबसाइट **www.isro.gov.in** पर देखें. ऑनलाइन पंजीकरण की अंतिम तिथि 14.07.2025 है.

सरकार कर्मचारियों के बीच लिंग संतुलन बनाए रखने में प्रयासरत है, जो महिला अभ्यर्थियों को आवेदन करने के लिए प्रेरित करती है.

(पिछले पृष्ठ का शेष)

47. (**रिक्ति संख्या 25060847128**) नई दिल्ली नगर पालिका परिषद में **विशेषज्ञ ग्रेड II (कनिष्ठ वेतनमान) - बालरोग** के पद के लिए एक रिक्ति. (**अ.पि.व. -01**). **वेतनमान : 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में लेवल-11 प्रै.नि.भ. सहित. आयुः अ.पि.व. के लिए 48 वर्ष.**

48. (रिक्ति संख्या 25060848128) नई दिल्ली नगर पालिका परिषद में **विशेषज्ञ ग्रेड II** (कनिष्ठ वेतनमान) - **रेडियो-निदान** के पद के लिए दो रिक्तियां. **(अ.पि.व.-01, अ.जा.-01). वेतनमान : 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में लेवल-11 प्रै.नि.भ. सहित. आयुः अ.पि.व के लिए 48 वर्ष और अ.जा. के लिए 50 वर्ष.**

49. (रिक्ति संख्या 25060849628) सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार में **कार्यकारी अभियंता (सिविल)/ निर्माण सर्वेक्षक (सिविल)** के पद के लिए एक रिक्ति. **(अ.पि.व.-01). वेतनमान : 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में स्तर-11. आयुः अ.पि.व. के लिए 43 वर्ष.**

50. (रिक्ति संख्या 25060850228) विधि एवं अभियोजन विभाग, चंडीगढ़ प्रशासन में **सहायक जिला अटॉर्नी** के पद के लिए नौ रिक्तियां. **(अना.-07, ईडब्ल्यूएस- 01, अ.पि.व. -01) (पीडब्ल्यूबीडी-01).** नौ रिक्तियों में से, एक रिक्ति बेंचमार्क दिव्यांगता वाले व्यक्तियों **(पीडब्ल्यूबीडी)** से संबंधित उम्मीदवारों जैसे दृष्टिहीन और अल्पदृष्टि की अक्षमता अर्थात दृष्टिहीन **(बी)** या अल्पदृष्टि **(एलवी)** के लिए आरक्षित है. **वेतनमानः 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स में स्तर-07. आयुः अना./ईडब्ल्यूएस के लिए 30 वर्ष, अ.पि.व. के लिए 33 वर्ष, पीडब्ल्यूबीडी के लिए 40 वर्ष.**

(नोटः सूचनात्मक विज्ञापन और विस्तृत विज्ञापन के बीच किसी भी प्रकार की विसंगति की स्थिति में, जब तक कि कोई शुद्धिपत्र प्रकाशित न हो जाए, आयोग की वेबसाइट पर अपलोड किए गए विस्तृत विज्ञापन में प्रदान किया गया संस्करण ही मान्य होगा.)

ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि आयु सीमा की गणना करने हेतु निर्णायक तिथि होगी.

उपर्युक्त पदों के लिए आवेदन करने के इच्छुक उम्मीsदवारों को सलाह दी जाती है कि वे आयोग की ओआरए वेबसाइट **https://upsconline.gov.in/ora/** पर जाएं. "चयन द्वारा भर्ती हेतु उम्मीदवारों के लिए अनुदेश तथा अतिरिक्त सूचना" के साथ विस्तृत विज्ञापन, आयोग की वेबसाइट **https://upsc.gov.in** के साथ-साथ ऑनलाइन भर्ती आवेदन पत्र (ओआरए) वेबसाइट **https://upsconline.gov.in/ora/** पर भी प्रदर्शित किए गए हैं.

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर

Indian Institute of Technology Kharagpur

विज्ञापन संख्या : R/06/2025 दिनांक 12 जून, 2025

संस्थान निम्नलिखित पदों के लिए भारतीय नागरिकों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित करता है.

(i) **पेशेवर प्रशिक्षु (पुस्तकालय)- 8 पद**

शैक्षिक योग्यता, आयु एवं अद्यतन जानकारी के लिए **http://www.iitkgp.ac.in/non-teaching-positions** पर जाएं.

ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथिः 12-07-2025

कुलसचिव/Registrar

CBC 21255/12/0008/2526 EN 13/97

कार्यालय, अध्यक्ष, काउंसलिंग समिति
संचालनालय तकनीकी शिक्षा, मध्यप्रदेश

टैगोर छात्रावास क्रमांक-T2, प्रथम तल, श्यामला हिल्स, दूरदर्शन रोड, भोपाल-462002

ऑनलाइन काउंसलिंग समय सारणी, सत्र 2025-26 (C-17)

लेटरल एण्ट्री के माध्यम से प्रवेश बी.ई./बी.टेक. (B.E./B.Tech.)

पाठ्यक्रम में अर्हकारी परीक्षा के आधार पर द्वितीय वर्ष (तृतीय सेमेस्टर) में प्रवेश हेतु

(मध्यप्रदेश में स्थित शासकीय/स्वशासी/अनुदान प्राप्त/स्ववित्तीय/निजी संस्थान)

प्रथम चरण	
गतिविधियां	**दिनांक/समय**
ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन/रजिस्ट्रेशन निरस्त	15.07.2025 से 27.07.2025 रात्रि 11:45 बजे तक
रजिस्ट्रेशन में सुधार (Edit Registration) (सत्यापित उम्मीदवारों के लिये रजिस्ट्रेशन में सुधार की सुविधा, रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि के पश्चात केवल एक बार उपलब्ध रहेगी)	28.07.2025 से 29.07.2025 रात्रि 11:45 बजे तक
संस्थाओं के प्राथमिकताक्रम का ऑनलाइन ऑनलाइन चयन कर लॉक करना (प्राथमिकताक्रम (Choice filling) में परिवर्तन की सुविधा अंतिम दो दिन उपलब्ध रहेगी)	20.07.2025 से 31.07.2025 रात्रि 11:45 बजे तक
कॉमन मेरिट सूची की उपलब्धता।	01.08.2025
आवंटन पत्रों की ऑनलाइन उपलब्धता/आवंटित संस्था में उपस्थिति (आवंटित संस्था में मूल दस्तावेजों का सत्यापन एवं प्रवेश)	05.08.2025 से 09.08.2025 सायं 5:00 बजे तक
संस्था स्तर की काउंसलिंग (CLC) (काउंसलिंग के केन्द्रीयकृत चरण उपरान्त रिक्त रह गई सीटों के लिये)	
ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन	**प्रवेश के अवसर का दिनांक/समय**
07.08.2025 से 10.08.2025 रात्रि 11:45 बजे तक	11.08.2025 प्रात: 10:30 बजे से
उपरोक्त काउंसलिंग उपरान्त रिक्त रह गई सीटों के लिये	
12.08.2025 से 14.08.2025 रात्रि 11:30 बजे तक	14.08.2025 प्रात: 10:30 बजे से रात्रि 11:45 बजे तक

- प्रवेश नियम, विस्तृत समय-सारणी, अभ्यर्थी के लिये महत्वपूर्ण निर्देश, अधिकृत सहायता केन्द्रों की सूची आदि वेबसाइट **dte.mponline.gov.in** पर उपलब्ध है। काउंसलिंग में सम्मिलित होने के पूर्व इनका सूक्ष्मता से अध्ययन कर लें।
- संस्था स्तर की काउंसलिंग में **इच्छुक संस्था में प्रवेश का अवसर प्राप्त करने के लिये** निर्धारित तिथि पर संस्था में प्रातः 10:30 से दोपहर 1:00 बजे तक उपस्थित हुए अभ्यर्थियों की मेरिट तैयार कर, तदउपरान्त मेरिट के अनुसार प्रवेश किये जायेंगे।

प्रवेश निरस्त

➢ काउंसलिंग के किसी भी चरण में प्राथमिकताक्रम का ऑनलाइन चयन कर लॉक करने की अंतिम दिनांक/समय से आवंटन जारी होने तक तथा संस्था स्तर की काउंसलिंग (CLC) में, प्रवेश का अवसर प्राप्त करने की दिनांक को, प्रवेश निरस्ती करण की सुविधा उपलब्ध नहीं रहेगी।

- **संपर्क : 0755-6720205, 2660441, ईमेल : dte.helpcenter@mp.gov.in**

म.प्र. माध्यम/120947/2025 R-51207/2025 **संचालक, तकनीकी शिक्षा, मध्यप्रदेश**

MP INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LTD.

(A Government of M.P. Undertaking)

Regional Office, Sagar (M.P.), Tawa Complex, Bittan Market, E-5, Arera Colony, Bhopal, Phone : (0) +91755 2420301-2-3

Date : 30.06.2025

NOTICE INVITING TENDERS FOR YEAR - 2025-26

Online Tenders for the following works are invited on the E-procurement System portal **mptenders.gov.in** as detailed below :-

NIT No.	Name of Work	Probable Amount of Contract
04 Sagar	Repairing, fixing and taking out of M.S. Shutter on barrage gate of bewas river at I/A Sidhguwan Distt. Sagar (M.P.)	803264.00

Detailed NIT along with other details can be downloaded/ viewed on above mentioned portal from **01.07.2025 10:30 Hrs.**

M.P. Madhyam/120887/2025 **EXECUTIVE ENGINEER**

R-51198/2025

Centre for Distance and Online Education (CDOE)

DEVI AHILYA VISHWAVIDYALAYA (DAVV), NAAC "A+"

www.cdoedavv.ac.in, Email : ddedavv@outlook.com

Direct Admission - No Entrance Exam

Open and Distance Learning Mode, at par with Regular Programs

MBA (02 Yrs, ODL)	MCA (02 Yrs, ODL)
Specializations from Second Year	Job oriented curriculum; matching industry needs, providing theoretical and practical computer application knowledge
Marketing/Finance/Human Resource/Logistics & Supply Chain/Business Analytics/Energy Management	

UGC Approved 02 Years PG Programs

Do Two PG Degrees Simultaneously*

(Regular and ODL Mode Simultaneously)

Apply online through **https://daunivadm.samarth.edu.in** latest by **10th September 2025****. Date for counseling shall be announced later through CDOE Website. For eligibility, documents required and other details visit: **www.cdoedavv.ac.in, www.dauniv.ac.in.**

* As per UGC Norms ** may be extended

M.P. Madhyam/120937/2025 **REGISTRAR**

R-51201/2025

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)

3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)

NOTICE INVITING TENDER

No./7798/22/D-12/MPRRDA/2025 **Bhopal, Dated : 01.07.2025**

Online bids are invited on e-procurement portal **https://www.mptenders.gov.in** from the Contractors registered with MPPWD with experience in providing similar services in administrative building, hostel building, guest house and institutes under Government/Non-Government organizations/Public Sector/Private Sector of repute.

- **Name of Work –** Providing Housekeeping Services, Security arrangements and comprehensive maintenance of civil works in administrative building, Hostel, Guest house and Academy premises round the clock in Madhya Pradesh Rural Road Academy Bhopal.

S. No.	Name of Work	Probable Amount of Contract	Cost of Tender Document including 18% GST	Completion Period (In Months)	Whether First Call
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1	Providing Housekeeping Services, Security Arrangements, Comprehensive maintenance in Administrative Building, Hostel, Guest house and Academy Premises round the clock in Madhya Pradesh Rural Road Academy Bhopal	Rs. 5832000.00 (Rs. Fifty Eight Lakh, Thirty Two Thousand only)	11800	12	1st

1. Bid document may be purchased online **from 04.07.2025 (17:30 hrs.)** and last date for online bid submission is **04.08.2025 (17:00 hrs.)**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and MPRRA, Bhopal.

M.P. Madhyam/120897/2025 **CHIEF GENERAL MANAGER (Tender)**

R-51199/2025

प्रदेश में 3800 करोड़ रुपये के निवेश से फ्रोजन आलू उत्पाद इकाई का प्रस्ताव

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने समत्व भवन मुख्यमंत्री निवास में मैकेन फूड्स के रीजनल प्रेसिडेंट श्री पियरे डैनेट एवं प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों से चर्चा करते हुए कहा कि प्रदेश में 'उद्योग और रोज़गार वर्ष : 2025' औद्योगिक विकास की तीव्र संभावनाओं को साकार करने का वर्ष है। राज्य सरकार के प्रयासों से विभिन्न क्षेत्रों में निरंतर निवेश प्रस्ताव मिल रहे हैं। निवेशकों को औद्योगिक इकाइयों की स्थापना के लिए भूमि सहित नीतियों के अंतर्गत सभी आवश्यक सुविधाएं प्रदान की जाएंगी।

मैकेन फूड्स के श्री पियरे डैनेट ने बताया कि मध्यप्रदेश में किसानों को कांट्रेक्ट फार्मिंग के माध्यम से स्थायी बाजार बेहतर मूल्य और उन्नत कृषि तकनीक का लाभ दिलवाने के लिए 3800 करोड़ रुपये निवेश का प्रस्ताव दिया गया है। प्रथम चरण में 1800 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा और इस निवेश के फलस्वरूप 6300 व्यक्तियों को प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से रोज़गार प्राप्त होगा।

पीपुल्स (निजि) औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान

भारत सरकार एवं म.प्र.शासन से मान्यता प्राप्त

✆ 0755-4175062, 9893180813, 9691546821

Email: pitc.bpl@gmail.com

प्रवेश प्रारम्भ

क्र.	विषय	अवधि	शैक्षणिक योग्यता	प्रमाणित
1.	कम्प्युटर ऑपरेटर एण्ड प्रोग्रामिंग असिस्टेंट	एक वर्ष	10वीं पास	एन.सी.वी.टी
2.	लिथो ऑफसेट मशीन माइन्डर	एक वर्ष	10वीं पास	एस.सी.वी.टी
3.	प्लेट मेकर कम इम्पोजिटर	एक वर्ष	10वीं पास	एस.सी.वी.टी

संस्था का पता : पीपुल्स स्टेडियम, पीपुल्स पब्लिक स्कूल परिसर, भानपुर, अयोध्या बायपास रोड, भोपाल (म.प्र.)

सम्पर्क समय : प्रातः 9:00 बजे से 5:00 बजे तक

R-51196/2025

M.P. INDUSTRIAL DEV. CORPN. LTD.

R.O. Chambal, City Center, Gwalior, Website:iidcgwalior.com

निविदा क्रमांक 24 द्वितीय आमंत्रण **ई-टेण्डर नोटिस** दिनांक : 18.03.2025

कार्य का नाम	अनु. लागत/धरोहर राशि
Supply of Multipurpose Fire Tender at I/A Banmore, Distt. Morena.	1,90,00,000.00/ 19,00,000.00

निविदा प्रपत्र दिनांक 07.07.2025 से 19.07.2025 समय 5.30 सायं तक **https://mptenders.gov.in** पोर्टल के द्वारा केवल ऑनलाइन खरीदे एवं अपलोड किये जा सकते हैं। कॉरिजेन्डम (यदि कोई हो) केवल उपरोक्त वेबसाइट पर प्रकाशित किया जाएगा। एमपी आईडीसी क्षेत्रीय कार्यालय चम्बल बिना कोई कारण बताए किसी भी/सभी निविदाओं को स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

म.प्र. माध्यम/120935/2025 R-51200/2025 कार्यपालन यंत्री

संचालनालय आयुष, म.प्र.

(भूतल "डी" विंग, सतपुड़ा भवन, भोपाल-462004)

www.ayush.mp.gov.in, E-mail : sthapna3ayush.mp@mp.gov.in

Office (0755)-2571187, Fax : (0755)-2760225, 2764438

सूचना पत्र

म.प्र. कर्मचारी चयन मण्डल भोपाल द्वारा आयुष विभाग के अधीन रिक्त पदों की पूर्ति हेतु जारी विज्ञापन के अधीन स्टेनो टायपिस्ट पद कोड-066 की सीधी भर्ती हेतु चयन परीक्षा-2023 (समूह-4) के जारी परीक्षा परिणाम दिनांक 26.02.2024 की प्रतीक्षा सूची में चयनित अभ्यर्थियों (संलग्न सूची अनुसार) को अभिलेख सत्यापन हेतु दिनांक 10.07.2025 को प्रातः 10 बजे संचालनालय आयुष, सतपुड़ा भवन भोपाल में अपने समस्त मूल अभिलेख एवं 02 सेट छायाप्रति के साथ अभिलेखों के परीक्षण/सत्यापन हेतु उपस्थित होना सुनिश्चित करें।

इस संबंध में अधिक जानकारी हेतु निम्न दूरभाष नंबर पर संपर्क किया जा सकता है -

डॉ. वंदना बोराना, सहायक संचालक, संचालनालय आयुष, म.प्र.	9098176320

जी-15173/51206/2025 सहायक संचालक संचालनालय आयुष, म.प्र.

महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, चित्रकूट, सतना (म.प्र.)

वाक इन इंटरव्यू

प्रस्तावित ग्रामोदय आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज अंतर्गत संचालित बी.ए.एम.एस. कोर्स हेतु शरीर रचना, शरीर क्रिया तथा संहिता सिद्धांत विषयों में प्रत्येक के लिए एक सहायक प्रोफेसर, एक सह प्रोफेसर तथा एक प्रोफेसर की आवश्यकता है।

योग्यता - NCISM, New Delhi 2024 के अनुसार।

शर्तें एवं विवरण के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट **www.gramodayachitrakoot.ac.in** पर देखें।

दिनांक - 11.07.2025, स्थान - रजत जयंती भवन, समय- प्रात: 10 बजे

R-51197/2025 **कुलसचिव**

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग

क्रमांक 5218/73/2024/चयन इन्दौर, दिनांक : 27 JUN 2025

राज्य वन सेवा परीक्षा-2024
चयन-सूची (मुख्य भाग-87 प्रतिशत)
पदनाम-सहायक वन संरक्षक

आयोग के विज्ञापन क्रमांक 41/2023 दिनांक 30.12.2023 एवं समय-समय पर जारी शुद्धिपत्रादि, सूचनाओं आदि के संदर्भ में म.प्र. शासन, वन विभाग के अंतर्गत विज्ञापित पद-सहायक वन संरक्षक के कुल 14 पद (अनारक्षित-04, अ.जा.-03, अ.ज.जा.-03, अ.पि.वर्ग-03, ई.डब्ल्यू.एस.-01) विज्ञापित किए गए हैं। उक्त पदों की पूर्ति के लिए राज्य वन सेवा परीक्षा-2024 अंतर्गत प्रारंभिक परीक्षा के उपरांत **राज्य वन सेवा मुख्य परीक्षा-2024** दिनांक 06.10.2024 को आयोजित की गई। आयोग द्वारा राज्य वन सेवा मुख्य परीक्षा 2024 का परीक्षा परिणाम **दिनांक 26.11.2024** को घोषित किया गया। उक्त परीक्षा में अर्ह आवेदकों के साक्षात्कार **11.03.2025** को आयोजित किए गए हैं।

2. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के पत्र क्रमांक एफ 07-46/2021/आ.प्र./एक दिनांक 29.09.2022 में दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुपालन में म.प्र. शासन, वन विभाग से प्राप्त रिक्ति विवरण अनुसार आयोग द्वारा जारी विज्ञापन क्रमांक 41/2023 दिनांक 30.12.2023 के बिन्दु क्रमांक एक में वर्णित तालिका अनुसार विज्ञापित कुल पदों का 87 प्रतिशत मुख्य भाग एवं 13 प्रतिशत प्रावधिक भाग की रिक्तियों का पद विभाजन विज्ञापित किया गया है जिसके अनुसार, परीक्षा परिणाम दो भागों में मुख्य भाग एवं प्रावधिक भाग के रूप में घोषित किया जाना प्रावधानित किया गया है। चयन परिणाम केवल 87 प्रतिशत पदों (मुख्य भाग) का घोषित किए जाने के प्रावधान के तहत् मुख्य भाग हेतु पुनरीक्षित रिक्तियों का विवरण निम्नांकित तालिका में अंकित है। उक्त विज्ञापन दिनांक 30.12.2023 में उल्लेखित प्रावधिक भाग का चयन परिणाम अन्य पिछड़ा वर्ग आरक्षण के संबंध में प्रचलित न्यायालयीन प्रकरण के अंतिम न्यायिक निर्णय के पश्चात् घोषित किया जाएगा।

3. राज्य शासन के उक्त पत्र दिनांक 29.09.2022 के संदर्भ में आयोग द्वारा घोषित मुख्य परीक्षा परिणाम दिनांक 26.11.2024 के पैरा 04 के बिन्दु क्रमांक 02 में उल्लेखित बिन्दु के परिपालन में साक्षात्कार में सम्मिलित अभ्यर्थियों द्वारा भरे गए अभिवचन पत्र के अनुसार मुख्य भाग-87 प्रतिशत एवं प्रावधिक भाग-13 प्रतिशत में अर्ह अभ्यर्थी अपने-अपने भाग में बने रहेंगे। चयन के किसी भी स्तर पर ये एक दूसरे से अंतर परिवर्तन (इंटरचेंज) हेतु दावा नहीं कर सकेंगे।

4. अतएव, मुख्य परीक्षा + साक्षात्कार में प्राप्त प्राप्तांकों के योग के गुणानुक्रम के आधार पर निम्नानुसार केवल 87 प्रतिशत पदों (मुख्य भाग) की चयन सूची घोषित की जाती है :-

सहायक वन संरक्षक

पद विवरण तालिका (मुख्य भाग-87 प्रतिशत)

	अनारक्षित	अ.जा.	अ.ज.जा.	अ.पि.व.	ई.डब्ल्यू.एस.	योग
कुल पदों की संख्या	4	3	3	2	1	13

मुख्य सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग	Seat	श्रेणी
1	400248	MOHIT KUMAR SHARMA	M	UNR	UNR
2	400195	DINESH KUMAR	M	SC	SC
3	400061	GARVIT JAIN	M	UNR	UNR
4	400174	VINOD KUMAR ORA	M	UNR	OBC
5	400062	DASHRATH VISHWAKARMA	M	OBC	OBC
6	400116	ANKIT KUMRAWAT	M	OBC	OBC
7	400244	PRABHANSHU KAMAL MISHRA	M	EWS	EWS
8	400023	VEERENDRA PRAJAPATI	M	SC	SC
9	400052	LAKVENDRA KUMAR PRAJAPATI	M	SC	SC
10	400127	RAGHVENDRA THAKUR	M	ST	ST
11	400243	RATNARAJ SINGH THAKUR	M	ST	ST
12	400022	VALSINGH KANESH	M	ST	ST

अनुपूरक सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग	श्रेणी
1	400255	ABHIJEET PANDEY	M	UNR
2	400212	ABHISHEK SINGH	M	OBC
3	400037	PRAHLAD SINGH YADAV	M	OBC
4	400151	VINAY KUMAR PANDEY	M	EWS
5	400259	RAMAN PATHAK	M	UNR
6	400123	SURAJ SINGH MAHUNE	M	SC
7	400234	PRABHANSHU PAWAR	M	SC
8	400180	PUSHKAR GARWAL	M	ST
9	400066	SANJAY CHOUHAN	M	ST

टीप :-

1. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक एफ-7-46/99/आ.प्र./एक भोपाल दिनांक 07 नवम्बर, 2000 में दिए निर्देशों के तहत् अनारक्षित (ओपन) पदों पर चयन हेतु निर्धारित मापदंड के तहत् आरक्षित वर्ग के वे ही आवेदक ऐसे ओपन पदों पर चयनित किए गए हैं जो कि हर प्रकार से सामान्य वर्ग के उम्मीदवार के समान ही बिना किसी रियायत के योग्यता प्राप्त किए हों। किसी प्रकार की रियायत को प्राप्त किए बिना तथा मेरिट में आने पर ही आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों का चयन मेरिट गुणानुक्रम के आधार पर अनारक्षित पदों पर किए जाने का प्रावधान प्रावधानित है।
2. घोषित चयन परिणाम मान. उच्चतम न्यायालय में दायर एस.एल.पी. क्रमांक 8764/2023 एवं मान. उच्च न्यायालय में लंबित याचिका क्रमांक डब्ल्यू.पी. 37402/2024 याचिकाओं के अंतिम निर्णय के अध्यधीन रहेगा।
3. न्यायालयीन प्रकरण वाले अभ्यर्थियों के चयन परिणाम मान. न्यायालय के अंतिम निर्णय के अध्यधीन रखे जाकर रोके गए हैं।
4. चयन परिणाम प्रकाशित होने के बाद यदि कम्प्यूटर त्रुटि/लिपिकीय त्रुटि आयोग के संज्ञान में आती है तो आयोग के पास चयन परिणाम सुधारने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।

सचिव

जी-15013/51189/2025 म.प्र. लोक सेवा आयोग, इन्दौर

कार्यालय प्राचार्य
शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या
स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, भोपाल, मध्यप्रदेश

पिनकोड - 462002, टेलीफोन नंबर : 0755-2660717

ई-मेल : hegmlbgpgchho @mp.gov.in, वेबसाइट : https://highereducation.mp.gov.in/?orgid=85

क्र. 2187/म.ल.ब./स्था./2025 भोपाल, दिनांक : 27.06.2025

विज्ञप्ति

महाविद्यालय में सत्र 2025-26 हेतु Sports Items and Equipments क्रय हेतु निविदा mp-e-tender पोर्टल **www.mptenders.gov.in** के माध्यम से टेन्डर आई.टी.डी. 2025_HED_433467_1 द्वारा किया जाना है। पोर्टल पर निविदा की आरंभ तिथि 26.06.2025 एवं **अंतिम तिथि दिनांक 10.07.2025** है। इच्छुक प्रदायकर्ता फर्म.पी.ई. टेन्डर पोर्टल पर दर्शित नियम एवं शर्तों और क्रय सामग्री की सूची के अनुरूप में सम्मिलित हो सकते हैं। निविदा पत्र का मूल्य रूपए 1000/- (वापिसी योग्य नहीं) है। क्रय प्रक्रिया वर्तमान में म.प्र भंडार क्रय नियम तथा सेवा उपार्जन नियम 2015 (यथा संशोधित-2022) के अनुसार की जावेगी। निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाइन **www.mptender.gov.in** एवं महाविद्यालय की वेबसाइट **https://highereducation.mp.gov.in/?orgid=85** पर ही किया जाएगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जाएगा।

नोट - For clarification please contact at college email id - hegmlbgpgcbho@mp.gov.in

जी-14973/51188/2025 प्र. प्राचार्य

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड जबलपुर

ई-मेल : eephedjab@nic.in, दूरभाष क्रमांक : 0761-2344814

निविदा क्रमांक 12-17/व.ले.लि./का.यं./2025-26 जबलपुर, दिनांक : 25.06.2025

निम्न कार्यों हेतु निविदा का ऑनलाइन वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई हैं। ऑनलाइन निविदा विक्रय करने की **अंतिम तिथि 09.07.2025** सायं 05.30 बजे तथा निविदा खुलने की तिथि 11.07.2025 11.00 बजे है। निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

A. Name of Work - Balance Work of Retrofitting Work of Piped Water Supply Scheme to achieve the target of JJM for supplying water at every doorstep through functional household tap connection (i.e. 100% FHTC's) in various Villages of Districts - JABALPUR.

NIT No.	E-tender No.	PAC Rs. in Lakhs	e-EMD in Rs.	Cost of Tender in Rs.
12	2025_PHED_433184_1	143.37	173370/-	12500/-
13	2025_PHED_433195_1	168.43	168430/-	12500/-
14	2025_PHED_433205_1	92.73	92730/-	10000/-
15	2025_PHED_433209_1	150.32	150320/-	12500/-

B. Name of Work - Removal of (125 No.) Ordinary and Choked Fallen Line i/c arrangement of labour skilled person and arrangement of all tools and plant requied for the jab including all safety measures etc. all Complete in various Block Jabalpur, Panagar, Patan, Shahpura, Sihora, Majholi And Kundam of District Jabalpur.

NIT No.	E-tender No.	PAC Rs. in Lakhs	e-EMD in Rs.	Cost of Tender in Rs.
16	2025_PHED_433211_1	12.68	25360/-	2000/-

C. Name of Work - Removing of unserviceable hand pump along with assembly from existing tube will i/c excavation, cutting of casing pipe etc. Complete in various Block Jabalpur, Panagar, Patan, Shahpura, Sihora, Majholi and Kundam in District Jabalpur.

NIT No.	E-tender No.	PAC Rs. in Lakhs	e-EMD in Rs.	Cost of Tender in Rs.
17	2025_PHED_433213_1	6.94	13880/-	2000/-

जी-14927/51187/2025 कार्यपालन यंत्री

कौशल विकास संचालनालय, मध्यप्रदेश
(मध्यप्रदेश राज्य कौशल विकास एवं रोज़गार निर्माण बोर्ड)

(विज्ञप्ति)

क्रमांक/कौविसं/एससीवीटी/2025/890 भोपाल, दिनांक : 28.06.2025

विषय : शासन द्वारा एससीवीटी के अंतर्गत प्रवेशित वार्षिक पद्धति के अनुत्तीर्ण प्रशिक्षणार्थी (लगभग 325), जो कि कोविड-19 महामारी से उत्पन्न परिस्थितियों के कारण परीक्षा चक्र (01+03) से बाहर हो गये हैं, को लाभांवित करते हुए पूरक परीक्षा हेतु एक अंतिम अवसर (Golden Chance) दिये जाने के संबंध में।

डीजीटी, नई दिल्ली के निर्देशानुसार आईटीआई में प्रवेशित वार्षिक पद्धति के प्रशिक्षणार्थियों को परीक्षा उत्तीर्ण करने हेतु 04 अवसर (01 नियमित एवं 03 भूतपूर्व प्रशिक्षणार्थियों के रूप में) प्रदान किये जाते हैं। दिनांक 17.06.2025 को शासन के अनुमोदन उपरान्त विभाग द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि एससीवीटी के ऐसे समस्त प्रशिक्षणार्थी जो कि कोविड-19 महामारी से उत्पन्न परिस्थितियों के कारण परीक्षा चक्र (01 नियमित एवं 03 भूतपूर्व प्रशिक्षणार्थी) से बाहर हो गये हैं, उनके भविष्य को दृष्टिगत रखते हुए माह जुलाई-अगस्त 2025 में आयोजित होने जा रही एससीवीटी परीक्षा में सम्मिलित होने का एक अंतिम अवसर (Golden Chance) दिया जायेगा।

अत: एससीवीटी के ऐसे समस्त अनुत्तीर्ण प्रशिक्षणार्थी (लगभग 325) जो परीक्षा चक्र (01+03) से बाहर हो चुके हैं, माह जुलाई-अगस्त 2025 में आयोजित की जा रही एससीवीटी परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए पात्र होंगे। परीक्षा फॉर्म **दिनांक 01.07.2025 से 15.07.2025 तक** भरे जायेंगे। समस्त सम्बंधित प्रशिक्षणार्थी अपनी सम्बंधित आईटीआई से संपर्क कर परीक्षा फॉर्म भर सकते हैं।

संचालक

जी-15035/51190/2025 कौशल विकास संचालनालय, म.प्र.

प्रधानमंत्री मोदी जी की बातों से विद्यार्थियों को मिलता है नया उत्साह और प्रेरणा

भोपाल, राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने भोपाल में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में शिक्षकों और विद्यार्थियों के साथ चर्चा में कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की 'मन की बात' ज्ञान की बातों का कार्यक्रम है। इसमें ज्ञान और संस्कार की बातें होती है। देश के कोने-कोने में हो रहे प्रेरक कार्यों और प्रसंगों की जानकारी होती है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की बातों से विद्यार्थियों को नया उत्साह और प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि छोटी-छोटी आदतें बड़े बदलाव का कारण बनती हैं। कार्यक्रम ज्ञान की बातों का खजाना है। इसलिए जरूरी है कि प्रधानमंत्री की मन की बात कार्यक्रम सुनने की आदत बनाई जाए। प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों के सभी छात्र-छात्राओं और एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में कक्षा 9 से लेकर 12वीं तक के सभी विद्यार्थी प्रधानमंत्री की मन की बात कार्यक्रम में शामिल हों। कोई छात्र-छात्रा कार्यक्रम से वंचित नहीं हो। राज्यपाल एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय भोपाल, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को बच्चों के साथ सुनने के लिए पहुंचे थे।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की मन की बातें गागर में सागर के समान होती हैं। उसमें अच्छे जीवन के मंत्र होते हैं। उत्कृष्ट कार्यों का बखूबी जिक्र होता है। नवाचार और सफलता के किस्से होते हैं। विभिन्न विषयों की वृहद जानकारियां अल्प अवधि में उपलब्ध हो जाती हैं, जो हमें जीवन की सही दिशा दिखाती हैं। अनेक चुनौतियों और समस्याओं के समाधान भी हमें कार्यक्रम में मिल जाते हैं।

राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम में ग्रामीण आजीविका, विकास और जन कल्याणकारी कार्यों का विवरण मिलता है। अत्यंत प्रेरणादायी और मार्गदर्शी विकास की नई पहल और सफलता की कहानियों का पता चलता है। उन्होंने प्रदेश की समस्त पेसा ग्राम सभाओं के पदाधिकारियों से अपील की है कि प्रधानमंत्री की मन की बात कार्यक्रम प्रसारण दिवस पर ग्राम सभाओं का आयोजन करने का प्रयास करें। कार्यक्रम में सहभागिता से ग्राम सभा सदस्यों को ग्राम विकास और कल्याण प्रयासों का दिशा का दर्शन होगा। विकास के लिए सामूहिक प्रयासों की प्रेरणा मिलेगी।

डॉ. भीमराव अम्बेडकर के समाज हित में किए गए कार्यों को भुलाया नहीं जा सकता

ग्वालियर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ग्वालियर के जौरासी में निर्माणाधीन डॉ. भीमराव अम्बेडकर धाम का अवलोकन करते हुए कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर द्वारा समाज हित में जो कार्य किए गए हैं उनका हम स्मरण करते हैं। उनके द्वारा किए गए कार्यों को कभी भुलाया नहीं जा सकता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ग्वालियर में बाबा साहब डॉ. अम्बेडकर के नाम से स्मारक बनाने का पुनीत कार्य किया जा रहा है। इसके द्वितीय चरण के विकास कार्यों का भूमिपूजन शीघ्र होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केन्द्र एवं प्रदेश सरकार ने डॉ. भीमराव अम्बेडकर द्वारा समाज में किए गए कार्यों को सदैव याद किया है।

सोलर पम्प के जरिए किसानों को बिजली की चिंता से दिलाएंगे मुक्ति - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भिंड जिले के मेहगांव विधानसभा क्षेत्र में आयोजित किसान एवं रोज़गार सम्मेलन को संबोधित किया

भिंड, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भिंड जिले की मेहगांव विधानसभा क्षेत्र के दंदरौआ सरकार धाम परिसर में आयोजित किसान एवं रोज़गार सम्मेलन को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सबके कल्याण के लिए हमारी सरकार लगातार काम कर रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने हमें गरीब, युवा, महिला और अन्नदाता (किसान) के कल्याण का ज्ञान मंत्र दिया है। हमारी सरकार मिशन मोड पर इनके कल्याण के लिए प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि सबका उदर-पोषण करने वाले अन्नदाता हमारे लिए सदैव पूज्यनीय हैं। किसानों के खेत-खलिहान और घर द्वार में समृद्धि आए इसके लिए सरकार सभी प्रयास कर रही है। किसानों के जीवन में खुशहाली लाने के लिए हम हर जरूरी कदम उठा रहे हैं। इनके खेतों में सिंचाई के लिए पर्याप्त जल, पीएम किसान सम्मान निधि, मौसम की मार और कीट प्रकोप से सुरक्षा कवच देते हुए फसल योजना जैसी सुविधाओं के साथ अब हमारी सरकार किसानों को सोलर पम्प देने जा रही है। किसान अपनी जरूरत के अनुसार सौर ऊर्जा से बिजली पैदा कर अपने खेतों में सिंचाई कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि सोलर पंप के जरिए हम किसानों को बिजली आपूर्ति और बिजली बिल की चिंता से मुक्ति दिला देंगे। मुख्यमंत्री ने इसी पावन धरती से प्रदेश के सभी किसानों के लिए प्रधानमंत्री कृषक मित्र सूर्य योजना के तहत रिमोट का बटन दबाकर राज्यस्तरीय सोलर पॉवर पंप पोर्टल लॉन्च किया।

- **भिंड जिले के किसानों के लिए 2800 करोड़ रुपये से बनाई जाएगी रतनगढ़ माता बहुउद्देशीय सिंचाई परियोजना।**
- **मेहगांव में युवाओं के लिए खेल स्टेडियम और छोटे बच्चों के लिए अमृत-2 योजना से बनाया जाएगा चिल्ड्रन पार्क।**

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने ग्वालियर-चंबल क्षेत्र के किसानों की आय बढ़ाने के लिए पार्वती-कालीसिंध-चंबल परियोजना की सौगात दी है। प्रदेश सरकार ने किसानों के लिए सोलर पंप योजना का शुभारंभ किया है। किसानों को मात्र 90 प्रतिशत अनुदान 5 हार्सपॉवर से लेकर 10 हार्सपॉवर तक के सोलर पंप दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार किसानों को 5 हार्सपॉवर का सोलर पॉवर पंप मात्र 30 हजार रुपये में, 7.5 हार्सपॉवर का पंप 41 हजार रुपये में और 10 हार्सपॉवर को सोलर पॉवर पंप 58 हजार रुपये में मुहैया कराएगी।

समय-सीमा में पूर्ण करें पदपूर्ति की कार्रवाई

भोपाल, उपमुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि मध्यप्रदेश को स्वस्थ, समृद्ध और सक्षम राज्य बनाने की दिशा में हम निरंतर अग्रसर हैं। स्वास्थ्य संस्था में सुचारू सेवा का प्रदाय सुनिश्चित करने हेतु आईपीएचएस मानक अनुसार चिकित्सकीय और सहायक चिकित्सकीय स्टाफ की भर्ती, इसी संकल्प का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उपमुख्यमंत्री ने समय-सीमा में पदपूर्ति की कार्रवाई पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। प्रदेश के समस्त जिला, सिविल, सामुदायिक, प्राथमिक एवं उप स्वास्थ्य केन्द्रों में 168 कम्प्यूटर ऑपरेटर एवं डाटा एंट्री ऑपरेटर एवं 8493 मल्टी स्कील्ड ग्रुप डी आउटसोर्स वर्कर की भर्ती की जा रही है।

वर्ष 2047 में पुनः विश्वमंच पर सिरमौर बनेगा भारत

भोपाल, भारत के हर राज्य, हर क्षेत्र में, अपनी मातृभाषा में शिक्षा दी जाती थी और भारत की अपनी समृद्ध शिक्षा पद्धति थी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 ने पुनः भारत केंद्रित शिक्षा के माध्यम से राष्ट्र के पुनर्निर्माण का सौभाग्यशाली अवसर दिया है। हमें भारत के दर्शन को समझना होगा और गर्व के भाव के साथ भारतीय दृष्टि से हर क्षेत्र, हर विषय में विद्यमान परम्परागत भारतीय ज्ञान को पुनः विश्वमंच पर स्थापित करना होगा। देश की गौरवशाली उपलब्धियों पर जनमानस को गर्व करने की आवश्यकता है। यह बात उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने भोपाल स्थित रवीन्द्र भवन के हंसध्वनि सभागार में, नवप्रयास सांस्कृतिक एवं सामाजिक विकास समिति भोपाल के तत्वावधान में 'प्रतिभा सम्मान समारोह-2025' में कही। श्री परमार ने कहा कि भारत, शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में विश्वमंच पर सिरमौर था, विश्वगुरु की संज्ञा से सुशोभित था। विश्व भर के लोग हमारे यहां शिक्षा एवं स्वास्थ्य लाभ लेने आते थे।

उच्च शिक्षा मंत्री श्री परमार ने कहा कि विद्यार्थियों में मातृभूमि के प्रति श्रद्धा एवं कृतज्ञता का भाव जीवन पर्यंत रहना चाहिए। श्री परमार ने कहा कि स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष 2047 में भारत पुनः विश्वमंच पर सिरमौर बनेगा। भारत वर्ष 2047 तक, खाद्यान्न एवं ऊर्जा के क्षेत्र में न केवल आत्मनिर्भर बल्कि विश्व के अन्य देशों की पूर्ति करने में सामर्थ्यवान बनेगा। इसके लिए हम सभी की संकल्पित सहभागिता एवं पुरुषार्थ की आवश्यकता है। उच्च शिक्षा मंत्री श्री परमार ने भोपाल (दक्षिण-पश्चिम) विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न मेधावी विद्यार्थियों एवं उत्कृष्ट प्रतिभाओं को सम्मानित कर, उन्हें शुभकामनाएं एवं बधाई भी दीं।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों के लिए कॅरियर काउंसलिंग के साथ-साथ, उनकी जिज्ञासाओं के समाधान के लिए विभिन्न विषय विशेषज्ञों द्वारा उनसे संवाद भी किया गया।

निःशुल्क साइकिल वितरण के संबंध में दिशा-निर्देश जारी

भोपाल, स्कूल शिक्षा विभाग ने शासकीय स्कूलों में निःशुल्क साइकिल वितरण के संबंध में दिशा-निर्देश जारी किये हैं। दिशा-निर्देश में बताया गया है कि शैक्षणिक सत्र 2025-26 में ग्रामीण क्षेत्र में निवास करने वाले विद्यार्थी, जो कि शासकीय विद्यालय में कक्षा 6वीं और 9वीं में अध्ययनरत हैं तथा वे जिस ग्राम के निवासी हैं उस ग्राम में शासकीय माध्यमिक विद्यालय हाईस्कूल संचालित नहीं है वे अध्ययन के लिये किसी अन्य ग्राम या शहर के शासकीय स्कूल में जाते हैं उन छात्रों को इस योजना का लाभ कक्षा 6वीं एवं 9वीं में प्रथम प्रवेश पर एक ही बार मिलेगा। इन कक्षाओं में पुनः प्रवेश लेने पर साइकिल की पात्रता नहीं होगी। ग्रामीण क्षेत्र में ऐसे विद्यार्थी जो शासकीय विद्यालयों में कक्षा 6वीं एवं 9वीं में अध्ययनरत हैं उस गांव से उनके निवास की दूरी 2 किलोमीटर की दूरी से अधिक हो उन्हें ही साइकिल की पात्रता होगी। ग्रामीण क्षेत्र में कन्या छात्रावास में अध्ययनरत छात्राएं जिनके माध्यमिक शाला और हाईस्कूल छात्रावास से स्कूल की दूरी 2 किलोमीटर अधिक दूरी पर है यह साइकिलें छात्रावास को आवंटित की जायेंगी और छात्रावास में रहने वाली बालिकाएं इनका प्रयोग कर सकेंगी।

योजना में कक्षा 6वीं के विद्यार्थियों को 18 इंच और कक्षा 9वीं के विद्यार्थियों को 20 इंच की साइकिलें प्रदाय की जायेंगी।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

बुंदेलखंड के हर खेत को पानी और हर हाथ को मिलेगा काम - मुख्यमंत्री

निवाड़ी, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने निवाड़ी जिले के पृथ्वीपुर में देवी अहिल्याबाई नारी शक्ति सम्मेलन को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की मातृशक्ति ने भारत का मान बढ़ाया है। भारत में बहन-बेटियों का सम्मान होता है, दुनिया में कहीं भी रक्षाबंधन नहीं मनाया जाता है। सात जन्मों तक भाई-बहन का प्यार रहता है इस प्यार की किसी से तुलना नहीं हो सकती। इसलिए सरकार ने तय किया है कि लाड़ली बहनों के लिए रक्षाबंधन पर 250 रुपये बढ़ाकर दिये जाएंगे। साथ ही आगामी दीपावली से लाड़ली बहनों को 1500 रुपये दिए जाएंगे और 2028 तक यह राशि बढ़ाकर 3 हजार रुपये कर दी जायेगी। उन्होंने कहा कि दुनिया की कोई

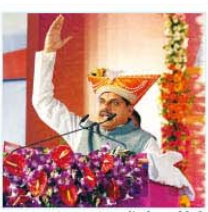

ताकत हमारी लाड़ली बहनों को धन देने से नहीं रोक सकती। मध्यप्रदेश सरकार बहनों के विकास के मामले में कोई कसर बाकी नहीं रखेगी। रेडीमेड गारमेंट में काम करने वाली बहनों को मध्यप्रदेश सरकार 5 हजार रुपये महीना देगी यह सरकार का निर्णय है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस सम्मेलन में शामिल होकर मैं अभिभूत हूं। बुंदेलखंड क्षेत्र में गरीबी को दूर करने के लिए नदी जोड़ो अभियान की कल्पना पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने की थी। बुंदेलखंड क्षेत्र की केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना की शुरुआत हमारी सरकार ने की है जिस पर तेजी से काम किया जा रहा है। समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुंदेलखंड की अक्षरू माता मंदिर के लोक निर्माण के लिए 5 करोड़ रुपये की राशि देने और सिमरा से पृथ्वीपुर मार्ग के दोहरीकरण के लिए 25 करोड़ रुपये की राशि देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि निवाड़ी जिले में किसान हल्दी, अदरक, लहसुन की खेती करते हैं। इसके लिए फूड प्रोसेसिंग यूनिट की स्थापना की जायेगी। निवाड़ी जिले में मछली उत्पादन करने वाले मछुआरों के जीवन में खुशहाली लाने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा की आने वाला समय अब बुंदेलखंड का है। यहां के किसानों के खेतों तक समुचित पानी पहुंचेगा हर हाथ को कम मिलेगा, इसके प्रयास किए जा रहे हैं। प्रदेश में फसलों का उत्पादन ठीक से हो और उसकी अच्छी कीमत भी किसानों को मिले इसके समुचित प्रयास किए जा रहे हैं। राज्य सरकार देश में सबसे ज्यादा 2600 रुपये समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीद रही है।

मध्यप्रदेश में जनभागीदारी से जल गंगा संवर्धन अभियान बना जनआंदोलन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने खण्डवा में आयोजित जल गंगा संवर्धन अभियान के समापन समारोह को संबोधित किया

खण्डवा, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 90 दिवसीय जल गंगा संवर्धन अभियान के समापन समारोह को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और उनकी टीम के जल संवर्धन और संचयन के कार्यों से जल गंगा संवर्धन अभियान को जनआंदोलन बनते देखना सुखद अनुभूति है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने मध्यप्रदेश के लाखों लोगों के परिश्रम, समर्पण और आस्था से संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के समापन अवसर पर प्रेषित अपने संदेश में प्रदेशवासियों, विशेषत: जलदूतों, स्व-सहायता समूह की महिलाओं और किसानों को शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पानी की एक-एक बूंद बचाने के लिये 90 दिन तक चले जल गंगा संवर्धन अभियान में जनभागीदारी से हुए कार्यों को ऐतिहासिक बताते हुए प्रदेशवासियों को उनके योगदान के लिये धन्यवाद दिया। प्रधानमंत्री ने मध्यप्रदेश के लाखों लोगों के परिश्रम, समर्पण और आस्था से संचालित 'जल गंगा संवर्धन अभियान' के समापन अवसर पर जारी अपने संदेश में यह बात कही।

- **भारतीय संस्कृति में नदियों-कुओं-तालाबों और बावड़ियों के संरक्षण की रही है परंपरा।**
- **प्रधानमंत्री के नेतृत्व और दृष्टि ने जल-संरक्षण को राष्ट्रीय चेतना में बदला।**
- **एक बगिया मां के नाम अभियान का हुआ शुभारंभ।**
- **मुख्यमंत्री ने 1568 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया।**

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में गुड़ी पड़वा से आरंभ हुए जल गंगा संवर्धन अभियान का खण्डवा में समारोहपूर्वक समापन हुआ। इस दौरान वाटरशेड सम्मेलन भी आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री ने समारोह में पंचायत एवं ग्रामीण विकास के तहत पंचायतों में हुए 578 करोड़ रुपये लागत के 57207 कार्यों का लोकार्पण भी किया। मुख्यमंत्री ने वाटरशेड विकास घटक के अंतर्गत प्रदेशभर के 888 जल संरक्षण कार्यों का लोकार्पण और खण्डवा जिले की जावर माइक्रो सिंचाई परियोजना एवं 3 अन्य सिंचाई परियोजनाओं का लोकार्पण किया। प्रदेश की जीर्णोद्धार की गई 74 जल संरचनाओं का लोकार्पण भी हुआ।

प्रधानमंत्री श्री मोदी आधुनिक युग के भागीरथ - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने प्रदेश को एक नहीं, तीन राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजनाओं की सौगात दी है, जो भविष्य में जल संरक्षण एवं संवर्धन की नई दिशा तय करेंगी। उन्होंने श्री मोदी को वर्तमान युग का भागीरथ बताया। उनके नेतृत्व और दृष्टि ने जल संरक्षण को राष्ट्रीय चेतना में बदल दिया है।

उत्तरप्रदेश का गेटवे रीवा - मध्यप्रदेश आपके आतिथ्य सत्कार के लिए तैयार

लखनऊ, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन तथा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में अधोसंरचना विकास, संस्कृति का संरक्षण एवं प्रोत्साहन और पर्यटन क्षेत्र में निजी सहभागिता को बढ़ावा देने के सुनियोजित एवं एकीकृत प्रयास किए जा रहे हैं। यह बात उपमुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने वाराणसी के होटल डबल ट्री बाय हिल्टन में पर्यटन रोड-शो में पर्यटन व्यवसायियों, टूर ऑपरेटर्स, ट्रेवल एजेंट्स और होटल व्यवसाय से जुड़े हितधारकों को संबोधित करते हुये कहीं। उपमुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि रीवा उत्तरप्रदेश का गेटवे है। उत्तरप्रदेश से कनेक्टिविटी सुगम है। मध्यप्रदेश सभी आगंतुकों, पर्यटकों के आतिथ्य सत्कार के लिए तैयार है। रीवा में 26 एवं 27 जुलाई 2025 को रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव का आयोजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी इस कॉन्क्लेव में शामिल होंगे। सभी को इस आयोजन में सहभागिता के लिए भी आमंत्रित किया।

प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति तथा प्रबंध संचालक, मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड श्री शिव शेखर शुक्ला ने कहा कि मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश हमारी संस्कृति, विरासतों और धरोहरों को संजोकर पर्यटकों को सुखद और अविस्मरणीय अनुभव प्रदान करें। उत्तरप्रदेश और मध्यप्रदेश के पर्यटन में काफी समानता है। बाबा महाकाल और बाबा काशी विश्वनाथ दुनियाभर के श्रद्धालुओं को अपनी ओर आकर्षित करते हैं।

पर्यटकों को एक समृद्ध और विविध अनुभव मिलेगा साथ ही धार्मिक, सांस्कृतिक, स्वास्थ्य और विरासत से पर्यटन को आकर्षित करने में सहयोग प्राप्त होगा। मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश के पर्यटन व्यवसायियों, टूर ऑपरेटर्स, ट्रेवल एजेंट्स और होटल व्यवसाय से जुड़े हितधारकों के बीच सहयोग और साझेदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा पर्यटन रोड शो का आयोजन किया गया।

मिट्टी से सरोवर तक-वृक्ष से वर्षा तक लोक निर्माण विभाग की नई सोच

भोपाल, हरित मध्यप्रदेश की परिकल्पना को साकार करने के लिए लोक निर्माण विभाग ने मंत्री श्री राकेश सिंह की अगुवाई में ऐतिहासिक पौधरोपण महाअभियान का शुभारंभ किया। इस एक दिन में विभाग द्वारा पूरे प्रदेश में 2 लाख से अधिक पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक प्रेरणादायक कीर्तिमान स्थापित किया है, जो सतत विकास और हरियाली के प्रति विभाग की सशक्त प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

भोपाल में आयोजित मुख्य कार्यक्रम को संबोधित करते हुए लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने कहा कि पौधरोपण सिर्फ औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि यह आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ, सुरक्षित और समृद्ध भविष्य देने का हमारा दृढ़ संकल्प है। उन्होंने कहा कि प्रारंभ में जहां एक लाख पौधों का लक्ष्य रखा गया था, वहीं विभाग के अधिकारियों और इंजीनियरों की प्रतिबद्धता, समर्पण और उत्साह के चलते यह संख्या बढ़कर 2 लाख से अधिक पौधों तक पहुंच गई। यह केवल एक आंकड़ा नहीं बल्कि हरित मध्यप्रदेश की दिशा में एक प्रेरणादायक उपलब्धि है जो सामूहिक प्रयासों की शक्ति को दर्शाती है।

खेल प्रतियोगिताओं में प्रदेश की भागीदारी बढ़ाना है लक्ष्य

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश ओलंपिक संघ की जबलपुर में आयोजित वार्षिक बैठक को मुख्यमंत्री निवास से वर्चुअली संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में मध्यप्रदेश की भागीदारी और उपलब्धियां बढ़ाने के उद्देश्य से राज्य सरकार खिलाड़ियों को हरसंभव सहयोग दे रही है। वर्ष 2028 में लॉस एंजिल्स में होने वाले ओलंपिक सहित सभी अंतर्राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में मध्यप्रदेश के खिलाड़ी अधिक से अधिक संख्या में भाग लें और बड़ी संख्या में पदक लाएं, इस लक्ष्य के साथ प्रदेश में खेल गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।

राज्य सरकार प्रदेश में खेल अधोसंरचना विस्तार के लिए निरंतर कार्य कर रही है, खिलाड़ियों को उत्कृष्ट प्रशिक्षण के साथ-साथ अन्य सहायता तथा प्रोत्साहन उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। राज्य शासन मध्यप्रदेश ओलंपिक संघ को हर संभव सहयोग उपलब्ध कराने के लिए तत्पर है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश ओलंपिक संघ वर्ष 1952 से अर्थात 73 साल से खेल के क्षेत्र में लगातार कार्यरत है। मध्यप्रदेश का 38वें राष्ट्रीय खेल उत्तराखंड में प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा और प्रदेश ने पहली बार तीसरा स्थान प्राप्त किया। मध्यप्रदेश में खेलों का इंफ्रास्ट्रक्चर तेज गति से आगे बढ़ रहा है। मध्यप्रदेश में 22 से ज्यादा हॉकी के एस्ट्रो टर्फ हैं और 15 एथलेटिक ट्रैक हैं, जो कि देश में किसी भी प्रदेश में नहीं है। मध्यप्रदेश में 18 एक्सीलेंस एकेडमी हैं।

राज्यों के सहकारिता मंत्रियों की मंथन बैठक

नई दिल्ली, केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह की अध्यक्षता में नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के उपलक्ष्य में देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के सहकारिता मंत्रियों की 'मंथन बैठक' हुई। बैठक में सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने मध्यप्रदेश की सहकारिता से जुड़ी उपलब्धियों, नवाचारों और सहकारिता के क्षेत्र में भविष्य की दिशा पर केंद्र सरकार को सुझाव दिये।

मध्यप्रदेश में बहुद्देशीय पैक्स के सफल क्रियान्वयन की जानकारी

श्री सारंग ने बताया कि मध्यप्रदेश में प्राथमिक कृषि साख समितियों (पैक्स) को बहुउद्देशीय इकाइयों के रूप में विकसित करने की दिशा में राज्य सरकार को उल्लेखनीय सफलता मिली है। इस पहल के अंतर्गत प्रदेश में प्रत्येक पैक्स को उनके संचालन के लिये वार्षिक 3 लाख 24 हजार रुपये की वित्तीय सहायता तथा जनजातीय क्षेत्रों में 3 लाख 48 हजार रुपये की सहायता प्रदान की जा रही है। उन्होंने सुझाव दिया कि नई पैक्स की स्थापना और उनके आधारभूत ढांचे को मजबूत करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा अनुदान प्रदान किया जाए।

श्री सारंग ने सहकारिता संस्थाओं में पदों की भर्ती प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और एकरूप बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने सुझाव दिया कि जिस प्रकार बैंकिंग क्षेत्र में आईबीपीएस जैसी संस्था के माध्यम से भर्ती होती है, उसी प्रकार पंचायत एवं ग्रामीण स्तर की सहकारी संस्थाओं के लिए एक केंद्रीयकृत भर्ती बोर्ड/एजेंसी का गठन किया जाए, जिससे सहकारी आंदोलन को दक्ष मानव संसाधन मिल सके।

श्री सारंग ने सुझाव दिया कि केंद्र सरकार द्वारा राज्य सरकारों को सहकारिता संबंधी योजनाओं के लिए उपलब्ध कराई जाने वाली निधि को जिला सहकारी बैंकों के माध्यम से डिपॉजिट किया जाए, जिससे इन बैंकों की क्रेडिट क्षमता और बिजनेस वॉल्यूम बढ़ सके, इससे सहकारी बैंकिंग तंत्र और अधिक मजबूत होगा।

राशन वितरण के लिये हितग्राहियों की ई-केवाईसी प्रक्रिया जारी

भोपाल, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम अंतर्गत सम्मिलित पात्र हितग्राहियों की पहचान सुनिश्चित कर वास्तविक हितग्राहियों को राशन वितरण करने के लिये हितग्राहियों की ई-केवायसी करने की प्रक्रिया जारी है। उन्होंने बताया है कि शेष हितग्राहियों की ई-केवायसी कराने तथा मृत तथा अपात्र एवं अस्तित्वहीन हितग्राहियों का मौके पर सत्यापन के बाद उनका नाम हटाने के लिये 1 से 15 जुलाई तक विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिये गये हैं।

लाखों भक्तों की आस्था का प्रतीक है श्री धूनी वाले दादा का मंदिर

खण्डवा, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने खण्डवा में आयोजित श्री दादाजी दरबार भूमिपूजन महोत्सव में पहुंचकर समाधि का दर्शन और पूजन-अर्चन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री धूनी वाले दादाजी मंदिर जिलेवासियों सहित निमाड़ क्षेत्र के भक्तों की आस्था का प्रमुख केंद्र है। यह केवल एक मंदिर नहीं लाखों भक्तों की आस्था एवं उनकी श्रद्धा का प्रतीक है। मंदिर निर्माण की कई बरसों पूर्व की कामना शिलान्यास के साथ पूर्ण हुई, जो एक नए आध्यात्मिक युग का प्रारंभ है। उन्होंने भव्य मंदिर निर्माण के लिए भूमिपूजन स्थल पर पुष्प अर्पित किए।

श्री धूनी वाले दादाजी मंदिर के भव्य निर्माण के लिए भूमिपूजन वेद-ऋचाओं के उच्चारण के साथ संतों, जनप्रतिनिधियों,

अधिकारियों एवं स्थानीय लोगों की उपस्थिति में हुआ।

मुख्यमंत्री ने श्री दादाजी दरबार में श्री बड़े और छोटे दादाजी महाराज की समाधियों के दर्शन कर पूजन-अर्चन किया और धूनीमाई में आहुति अर्पित कर प्रार्थना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समाधी स्थल पर संतों की उपस्थिति में पुष्प अर्पित किये।

श्री धूनी वाले दादाजी मंदिर का निर्माण 22 एकड़ भूमि पर 100 करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ट्रस्ट द्वारा जितना संभव हो उतना मंदिर का निर्माण कार्य किया जाए, उसके बाद शेष रहे कार्य का निर्माण शासन द्वारा किया जाएगा। मंदिर का निर्माण शिर्डी एवं अक्षरधाम मंदिर की तर्ज पर विभिन्न चरणों में किया जाएगा। मंदिर निर्माण में संगमरमर का उपयोग होगा। निर्माण कार्य का प्रारंभ गुरु पूर्णिमा के बाद किया जाएगा। भव्य मंदिर निर्माण में आधुनिक गौशाला, सेवाधारी निवास, पार्किंग व्यवस्था, भक्त निवास, भोजनशाला एवं नर्मदा परिक्रमावासी विश्रामस्थल का निर्माण किया जाएगा। श्री दादा गुरु महाराज ने कहा कि यह मंदिर निर्माण नहीं, बल्कि एक युग का प्रारंभ होगा।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

गांवों को आत्मनिर्भर बनाने मुख्यमंत्री वृन्दावन ग्राम योजना का अनुमोदन

- प्रत्येक विधानसभा में एक गांव का होगा चयन।
- क्षतिग्रस्त पुलों के पुनर्निर्माण योजना के क्रियान्वयन के लिए 4 हजार 572 करोड़ रुपये की सैद्धांतिक स्वीकृति।
- राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय भोपाल में स्थापित किए जाने पर सैंद्धातिक स्वीकृति।

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की बैठक मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रिपरिषद द्वारा प्रदेश के ग्रामों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए मुख्यमंत्री वृन्दावन ग्राम योजना का अनुमोदन किया गया। इस योजना के अंतर्गत प्रत्येक विधानसभा के एक ऐसे ग्राम का चयन किया जाएगा, जिसकी वर्तमान जनसंख्या न्यूनतम 2000 हो एवं गौ-वंश की न्यूनतम संख्या 500 हो। ऐसे ग्रामों को मुख्यमंत्री वृन्दावन ग्राम के रूप में विकसित कर आत्मनिर्भर बनाया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की बैठक सम्पन्न हुई

वृन्दावन ग्राम योजना से अन्य ग्रामों के समक्ष प्रस्तुत करेंगे विकास का आदर्श

वृन्दावन ग्राम आत्मनिर्भर होकर प्रदेश के अन्य ग्रामों के समक्ष विकास का आदर्श प्रस्तुत करेंगे। इस योजना के अंतर्गत गौ-पालन एवं डेयरी विकास, पर्यावरण संरक्षण, जैविक कृषि, जल संरक्षण, सौर ऊर्जा, चारागाह विकास, अधोसंरचना विकास, स्वरोज़गार सहित ग्रामीण विकास के विषयगत दृष्टिकोणों से संबंधित विभिन्न कार्यक्रमों का क्रियान्वयन किये जाने का निर्णय लिया गया।

चयनित वृन्दावन ग्राम में विभिन्न विभागों के माध्यम से जो सुविधाएं उपलब्ध कराई जाना है, वे 6 श्रेणियों में होंगी। चयनित वृन्दावन ग्राम में अधोसरंचना के लिए गौशाला, ग्राम पंचायत भवन, सामुदायिक भवन, आंगनवाड़ी भवन, स्वास्थ्य केन्द्र, स्कूल भवन, यात्री प्रतीक्षालय, सोलर स्ट्रीट लाइट, पुस्तकालय आदि सर्वसुविधायुक्त होगी। आजीविका संबंधी गतिविधियों में नंदन फलोद्यान, पोषण वाटिका, दुग्ध कलेक्शन सेंटर, लघु वनोपज आधारित लघु उद्योग, कृषि एवं फल उपज आधारित उद्योग और ग्राम में उपलब्ध कौशल आधारित सेवाओं के विकास की सुविधा उपलब्ध कराई जायेगी।

पंचायत सशक्तिकरण के लिए विकसित करेंगे स्वयं की आय के स्रोत

वाटर कन्जर्वेशन संबंधी जल संचयन संरचनाएं, रूफ वाटर हार्वेस्टिंग, नलकूप रिचार्ज, डगवेल रिचार्ज, स्टॉप डैम एवं चेकडैम, तालाबों का संरक्षण इसी प्रकार पंचायत सशक्तिकरण की आय के स्रोत का विकास तथा ई-पंचायत तथा सामुदायिक सेवा केन्द्र (सीएससी) की सुविधा उपलब्ध कराई जायेगी।

क्षतिग्रस्त पुलों के पुनर्निर्माण योजना के क्रियान्वयन की सैद्धांतिक स्वीकृति

मंत्रिपरिषद द्वारा राज्य मद अंतर्गत क्षतिग्रस्त पुलों के पुनर्निर्माण की योजना अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 से 2029-30 तक 1766 पुलों के पुनर्निर्माण के लिए 4 हजार 572 करोड़ रुपये की सैद्धांतिक स्वीकृति दी गयी।

मंत्रिपरिषद द्वारा राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय, गांधीनगर के परिसर की स्थापना भोपाल में किए जाने के लिए सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान की गई है। स्वीकृति अनुसार भोपाल में राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय (आरआरयू) की स्थापना के लिए तीन वर्षों के लिए प्रति वर्ष एक करोड़ 5 लाख रुपये की राशि प्रदान की जायेगी।

मंत्रिपरिषद द्वारा पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के विभागीय छात्रावासों में निवासरत विद्यार्थियों के लिए मेस संचालन की सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान की गई है।

मध्यप्रदेश न्यायालयिक विज्ञान प्रयोगशालाओं में 202 वैज्ञानिक अधिकारी को सम्मिलित कर कुल 1266 पदों की स्वीकृति दी गयी।

जनजातीय कार्य विभाग के अंतर्गत तीन नवगठित जिलों में जिला संयोजक जनजातीय तथा अनुसूचित जाति जिला कार्यालयों की स्थापना की स्वीकृति दी गई। इसमें मऊगंज के लिए 16 पद, मैहर के लिए 18 पद तथा पांढुर्णा के लिए 14 पद कुल 48 नवीन पदों का सृजन और 381.30 लाख रुपये वार्षिक अतिरिक्त वित्तीय व्यय की स्वीकृति प्रदान की गई है।

जल गंगा संवर्धन अभियान में बने 85 हजार से अधिक खेत तालाब

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत खेत का पानी खेत में संचित करने के उद्देश्य से प्रदेश में 85 हजार से अधिक खेत तालाबों का निर्माण किया गया। भूजल संवर्धन के लिए 1 लाख से अधिक कुओं का पुनर्भरण किया गया। पानी की अमृत बूंद को सहेजने के लिए अमृत सरोवर 2.0 के तहत 1000 से अधिक नए अमृत सरोवरों का निर्माण प्रारंभ हुआ। नर्मदा योजना के तहत 5600 हेक्टेयर क्षेत्र में पौधरोपण की योजना स्वीकृत कराकर कार्य आरंभ किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि केन्द्र सरकार द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर मूंग उपार्जन के लिए 3.51 लाख मीट्रिक टन और उड़द उपार्जन के लिए 1.23 लाख मीट्रिक टन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। मूंग उपार्जन के लिए 30 जून तक 2 लाख 94 हजार किसानों ने तथा उड़द के लिए 11 हजार 495 किसानों का पंजीयन हो चुका है। पंजीयन के लिए 6 जुलाई तक अंतिम तिथि निर्धारित है।

1 जुलाई से 15 सितंबर तक चलेगा 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश की लगभग 100 नदियों के उद्गम स्थलों पर 10-10 एकड़ भूमि पर 42 करोड़ रुपये की लागत से पौधरोपण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 1 जुलाई से 15 सितंबर तक 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान आयोजित होगा, जिसे पंचायत एवं ग्रामीण विकास, नगरीय विकास, वन, उद्यानिकी सहित सभी विभाग जनसहभागिता से संचालित करेंगे।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

फैक्ट फाइल

प्रदेश की विविधतापूर्ण संस्कृति की विशेषता से आकर्षित हो रहे हैं पर्यटक

नवाचार, नीतियों और नागरिकों की भागीदारी से प्रदेश बना अतुल्य मध्यप्रदेश

मध्यप्रदेश सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक धरोहरों, प्राकृतिक सौंदर्य और वन संपदा से समृद्ध है, प्रदेश की विविधतापूर्ण संस्कृति अपने आप में विशेष है। प्रदेश की यही विशेषता पर्यटकों को आकर्षित करती है। वर्ष 2024 में 13.41 करोड़ पर्यटकों के प्रदेश में आने के साथ प्रदेश ने वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर अपना खास स्थान बनाया है। मध्यप्रदेश अतुल्य मध्यप्रदेश के रूप में पर्यटकों की पहली पंसद बन रहा है। प्रदेश का यह स्थान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में शासन की नीतियों नवाचारों और नागरिकों की भागीदारी से संभव हुआ है।

विदेशी पर्यटक

वर्ष 2024 में 1.67 लाख विदेशी पर्यटकों का मध्यप्रदेश में सैर के लिए आगमन हुआ। खजुराहो में 33 हजार 131, ग्वालियर में 10 हजार 823 और ओरछा में 13 हजार 960 विदेशी पर्यटक पहुंचे। शहरी पर्यटन में इंदौर में 9 हजार 964 और भोपाल में 1 हजार 522 विदेशी पर्यटक शामिल हैं। बांधवगढ़ में 29 हजार 192, कान्हा में 19 हजार 148, पन्ना में 12 हजार 762 और पेंच में 11 हजार 272 विदेशी पर्यटक आए।

धार्मिक पर्यटन

प्रदेश के धार्मिक स्थलों में वर्ष 2024 में 10.7 करोड़ पर्यटक आए। प्रदेश के 10 मुख्य पर्यटन स्थलों में 6 धार्मिक स्थल शामिल हैं। उज्जैन 7.32 करोड़ पर्यटकों के साथ इस सूची में सबसे आगे रहा। चित्रकूट में 1 करोड़ से अधिक पर्यटक आए। मैहर में 1.33 करोड़, अमरकंटक में 40 लाख, सलकनपुर में 26 लाख और ओंकारेश्वर में 24 लाख पर्यटक पहुंचे।

विरासत पर्यटन

मध्यप्रदेश की समृद्ध विरासत ने वर्ष 2024 में 80 लाख से अधिक पर्यटकों को आकर्षित किया। ग्वालियर में 9 लाख से अधिक पर्यटक पहुंचे। खजुराहो में 4.89 लाख, भोजपुर में 35.91 लाख और महेश्वर में 13.53 लाख पर्यटक इन समृद्ध विरासतों से रूबरू हुए।

मुख्य बिन्दु

- प्रदेश अतुल्य मध्यप्रदेश के रूप में पर्यटकों की पहली पंसद बना।
- प्रदेश में वर्ष 2024 में 13 करोड़ 41 लाख पर्यटक आए।
- मध्यप्रदेश में 3 स्थाई और 15 टेंटेटिव सूची में कुल 18 यूनेस्को में शामिल धरोहरें हैं।
- यूनेस्को की स्थाई सूची में खजुराहो के मंदिर समूह, भीम बेटका की गुफाएं और सांची स्तूप शामिल हैं।
- मध्यप्रदेश टाइगर स्टेट, लेपर्ड स्टेट, घड़ियाल स्टेट, चीता स्टेट और वल्चर स्टेट के रूप में ख्यात है।
- प्रदेश में 470 से अधिक होमस्टे का निर्माण हुआ। 24 हजार से अधिक अतिथियों ने स्थानीय संस्कृति और खानपान का अनुभव लिया।
- चंदेरी में भारत के पहले हैंडलूम गांव प्राणपुर ने स्थानीय शिल्पकारों को वैश्विक पहचान दिलाई।

- जनजातीय कला गोंड, भील पेंटिग और मांडना आर्ट पर्यटकों के बीच लोकप्रिय।
- महाकाल लोक, ओंकारेश्वर महालोक, श्रीराम वनगमन पथ, देवी लोक, राजा राम लोक, आदि परियोजनाओं ने धार्मिक पर्यटन को आध्यात्मिक और आर्थिक रूप से सशक्त बनाया।
- ग्रामीण पर्यटन के लिए 63 पर्यटन ग्राम विकसित।

यूनेस्को की टेंटेटिव सूची में शामिल भारतीय विरासत

यूनेस्को ने हाल ही में भोजपुर को अपनी टेंटेटिव सूची में शामिल किया है और ग्वालियर को 'क्रिएटिव सिटी ऑफ म्यूजिक' के रूप में मान्यता दी है। सम्राट अशोक के शिलालेख, चौसठ योगिनी मंदिर, गुप्तकालीन मंदिर, बुंदेला शासकों के महल और किले, ग्वालियर का किला, बुराहनपुर का खूनी भंडारा, चंबल घाटी के शैल कला स्थल, भोजपुर का भोजेश्वर महादेव मंदिर, मंडला स्थित राम नगर के गोंड स्मारक, धमनार का ऐतिहासिक समूह, मांडू के स्मारकों का समूह, ओरछा का ऐतिहासिक समूह, नर्मदा घाटी में भेड़ाघाट–लमेटाघाट, सतपुड़ा टाइगर रिज़र्व और चंदेरी टेंटेटिव लिस्ट में हैं।

वन्यजीव पर्यटन

प्रदेश में देश का सबसे अधिक वन क्षेत्र है। राज्य में 12 राष्ट्रीय उद्यान, 25 वन्यजीव अभयारण्य और 9 टाइगर रिजर्व हैं। कान्हा (2.48 लाख), पेंच (1.92 लाख), बांधवगढ़ (1.94 लाख), पन्ना (3.85 लाख) और मढ़ई (4.34 लाख) जैसे प्रमुख वन्यजीव स्थलों पर पर्यटकों का आगमन हुआ। कूनो पालपुर राष्ट्रीय उद्यान में अफ्रीकी चीतों की पुनर्स्थापना परियोजना ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पर्यटकों को आकर्षित किया है।

प्राकृतिक पर्यटन

मध्यप्रदेश के प्राकृतिक सौंदर्य में पचमढ़ी, अमरकंटक, भेड़ाघाट, हनुवंतिया, गांधीसागर, तामिया, सैलानी आइलैंड और सरसी आइलैंड जैसे स्थल प्राकृतिक पर्यटन के प्रमुख केंद्र हैं। वर्ष 2024 में पचमढ़ी में 2.87 लाख पर्यटक और भेड़ाघाट में 2.34 लाख पर्यटक पहुंचे। यहां रिसॉर्ट्स, एडवेंचर, स्पोर्ट्स, ट्रेकिंग ट्रेल्स और कैंपिंग सुविधाओं ने पर्यटकों को नया अनुभव दिया। गांधीसागर डैम, सैलानी आइलैंड, तामिया की पातालकोट घाटी और सरसी आइलैंड में प्राकृतिक सौंदर्य ने पर्यटकों को प्रकृति के और करीब लाया।

शहरी पर्यटन

भोपाल, इंदौर और जबलपुर जैसे शहर अपनी आधुनिकता, स्वच्छता और सांस्कृतिक समृद्धि के लिए जाने जाते हैं। वर्ष 2024 में इंदौर में 1.02 करोड़, भोपाल में 22 लाख और जबलपुर में 23 लाख पर्यटक पहुंचे। इंदौर ने 7वीं बार स्वच्छ भारत सर्वेक्षण में पहला स्थान हासिल किया है। यह एक स्वच्छ और स्मार्ट पर्यटन स्थल है।

- शशांक मणि पांडे

(लेखक, सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

चीन ने बनाया

मच्छर के आकार का माइक्रो ड्रोन

चीन ने मिलिट्री ऑपरेशंस के लिए एक बेहद छोटा और घातक माइक्रो ड्रोन तैयार किया है। यह माइक्रो ड्रोन मच्छर के आकार का है, जिसे पकड़ पाना बेहद मुश्किल है। 1.3 सेंटीमीटर लंबे इस माइक्रो ड्रोन का उपयोग चीन की सेना अपने गुप्त अभियानों में कर सकती है। इस माइक्रो ड्रोन को सेंट्रल चीन के हुनान प्रांत स्थित नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ डिफेंस टेक्नोलॉजी की रोबोटिक्स प्रयोगशाला में बनाया गया है। इस ड्रोन के अंदर कैमरा, सेंसर, पॉवर डिवाइस, कंट्रोल सर्किट और अन्य एलिमेंट्स को शामिल किया गया है। शोधकर्ताओं के अनुसार यह माइक्रो ड्रोन युद्ध के दौरान अहम जानकारियां एकत्र करने में मदद कर सकता है। इस ड्रोन में दो छोटे पंख लगे हैं, ये दोनों पंख सीधे मशीन से कनेक्ट हैं।

महेंद्र सिंह धोनी

कैप्टन कूल ट्रेडमार्क रजिस्टर करने के लिए किया आवेदन

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी मैदान पर अपने शांत व्यवहार के लिए मशहूर हैं। उन्हें प्रशंसकों की तरफ से 'कैप्टन कूल' नाम दिया गया है। अब धोनी ने 'कैप्टन कूल' उपनाम के लिए ट्रेडमार्क आवेदन किया है। ट्रेड मार्क्स रजिस्ट्री पोर्टल के अनुसार धोनी के आवेदन की स्थिति 'स्वीकृत और विज्ञापित' है। यह आवेदन 5 जून 2025 को दायर किया गया, इसे 16 जून को आधिकारिक ट्रेडमार्क जर्नल में प्रकाशित किया गया था। प्रस्तावित ट्रेडमार्क खेल प्रशिक्षण, खेल प्रशिक्षण सुविधाएं, खेल कोचिंग और सेवाएं प्रदान करने की श्रेणी के तहत पंजीकृत है। कैप्टन कूल धोनी भारत के सबसे सफल कप्तान में से एक हैं। धोनी ने भारत को अपनी कप्तानी में वर्ष 2007 में ट्वेंटी-20 विश्वकप, वर्ष 2011 में वन-डे विश्व कप और वर्ष 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब दिलाया था

पराग जैन

रिसर्च एंड एनालिसिस विंग के प्रमुख बने

भारत की खुफिया एजेंसी रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) को अब नया प्रमुख मिल गया है। केंद्र सरकार ने वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी पराग जैन को रॉ का नया चीफ नियुक्त किया है। वे वर्ष 1989 बैच के पंजाब कैडर के भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी हैं। पराग जैन ने निवृत्तमान रॉ प्रमुख रवि सिन्हा की जगह ली है, जिनका कार्यकाल 30 जून को समाप्त हो गया है। पराग जैन का कार्यकाल दो वर्षों के लिए निर्धारित किया गया है। पराग जैन इससे पहले एविएशन रिसर्च सेंटर (एआरसी) के निदेशक के रूप में काम कर रहे हैं। खुफिया जगत में उन्हें पाकिस्तान मामलों के विशेषज्ञ के रूप में जाना जाता है। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ हुए एक अहम ऑपरेशन 'सिंदूर' में निर्णायक भूमिका निभाई थी। इस ऑपरेशन के तहत उन्होंने पाकिस्तान की सेना से जुड़ी गोपनीय जानकारियां जुटाई थीं।

शरद अग्रवाल

मिजोरम के पुलिस महानिदेशक नियुक्त

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने भारतीय पुलिस सेवा के वरिष्ठ अधिकारी शरद अग्रवाल (आईपीएस) को मिजोरम का नया पुलिस महानिदेशक नियुक्त किया है। शरद अरुणाचल प्रदेश-गोवा-मिजोरम और केंद्र शासित प्रदेश (एजीएमयूटी) कैडर के वर्ष 1997 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। उन्होंने आईपीएस अधिकारी अनिल शुक्ला की जगह ली, जिनका स्थानांतरण दिल्ली कर दिया गया है। गृह मंत्रालय ने शरद अग्रवाल और अनिल शुक्ला के तबादले के आदेश जारी कर दिए हैं। शरद अग्रवाल इससे पहले दिल्ली पुलिस में आर्थिक अपराध शाखा में विशेष आयुक्त के पद पर नियुक्त थे।

पैटोंगटार्न शिनावात्रा

संवैधानिक अदालत ने प्रधानमंत्री पद से किया निलंबित

थाईलैंड की संवैधानिक अदालत ने देश की प्रधानमंत्री पेटोंगटार्न शिनावात्रा को निलंबित कर दिया है। संवैधानिक अदालत ने कहा कि प्रधानमंत्री पैटोंगटार्न शिनावात्रा को एक विवादित फोन कॉल के लीक होने और नैतिकता के उल्लंघन की जांच लंबित रहने तक पद से निलंबित किया गया है। पैटोंगटार्न के नाम थाईलैंड की सबसे युवा प्रधानमंत्री होने का रिकॉर्ड दर्ज है। वह तीन वर्ष पहले राजनीति में आई थीं और वर्ष 2024 में देश की प्रधानमंत्री बनी। पैटोंगटार्न के पिता थाकसिन शिनावात्रा भी थाईलैंड के प्रधानमंत्री रह चुके हैं। पेटोंगटार्न के निलंबित होने के बाद उप प्रधानमंत्री सूरिया जुआंगरूंगकिट को देश का कार्यवाहक प्रधानमंत्री बनाया गया है।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो

सऊदी अरब के क्लब अल नासर से करार बढ़ाया

पुर्तगाल के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने सऊदी अरब के फुटबॉल क्लब अल नासर के साथ अनुबंध विस्तार पर हस्ताक्षर करके अपने क्लब के भविष्य को लेकर चल रही अटकलों को खत्म कर दिया है, जिसके तहत वह वर्ष 2027 तक सऊदी अरब के क्लब में बने रहेंगे। रोनाल्डो ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के साथ आधिकारिक तौर पर घोषणा की, जिसमें उन्होंने कहा कि एक नया अध्याय शुरू हो रहा है। वही जुनून, वही सपना। आइए साथ मिलकर इतिहास बनाएं। उल्लेखनीय है कि पुर्तगाल के स्ट्राइकर रोनाल्डो ने वर्ष 2023 में अल नासर क्लब के साथ पहली बार करार किया था।

अंबरीश वेमुरी

प्रधानमंत्री कार्यालय में उप सचिव नियुक्त

भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी अंबरीश वेमुरी को प्रधानमंत्री कार्यालय में उप सचिव नियुक्त किया गया है। कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग द्वारा जारी एक आदेश के अनुसार केंद्रीय मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने अंबरीश वेमुरी की नियुक्ति की मंजूरी दी। वह वर्ष 2016 बैच के आईएफएस अधिकारी हैं। उनकी नियुक्ति पदभार ग्रहण करने की तिथि से तीन वर्ष या अगले आदेश तक के लिए की गई है। इस पदस्थापना के साथ ही अंबरीश वेमुरी वर्तमान में प्रधानमंत्री कार्यालय में पदस्थ होने वाले छठवें आईएफएस अधिकारी बन गए हैं।

शुभांशु शुक्ला

अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन जाने वाले पहले भारतीय बने

भारतीय अंतरिक्ष यात्री और वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने नया इतिहास रच दिया है। शुभांशु अंतरिक्ष में जाने वाले दूसरे भारतीय बन गए हैं, उनसे पहले राकेश शर्मा वर्ष 1984 में अंतरिक्ष में गए थे। हालांकि शुभांशु उनसे एक कदम आगे निकल गए हैं और अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर पहुंचने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। एक्सिओम-4 मिशन के तहत शुभांशु सहित चार अंतरिक्ष यात्री आईएसएस पर पहुंचे। शुभांशु का यह मिशन भारत के महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष मिशन गगनयान की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

तेगबीर सिंह

छह वर्ष की आयु में यूरोप की सबसे ऊंची पर्वत चोटी की फतह

भारत के छह वर्षीय बालक तेगबीर सिंह ने यूरोप की सबसे ऊंची पर्वत चोटी माउंट एल्ब्रस फतह कर नया विश्व रिकॉर्ड बनाया है। तेगबीर ने 18,510 फुट से ज्यादा ऊंची चोटी माउंट एल्ब्रस पर 20 जून को चढ़ाई शुरू की और 28 जून को चोटी पर तिरंगा लहरा दिया। छह वर्ष और नौ महीने के तेगबीर माउंट एल्ब्रस फतह करने वाले दुनिया के सबसे कम उम्र के पर्वतारोही बन गए हैं। माउंट एल्ब्रस कम ऑक्सीजन वाला क्षेत्र है। वहां का सामान्य तापमान शून्य से 10 डिग्री सेल्सियस तक रहता है। इसके अलावा चढ़ाई के दौरान कई तरह की मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। तेगबीर ने महाराष्ट्र के कुशाग्र का रिकॉर्ड तोड़ा है। कुशाग्र वर्ष 2024 में सात साल और तीन महीने की उम्र में माउंट एल्ब्रस की चोटी पर पहुंचे थे।

रवि अग्रवाल

सीबीडीटी के अध्यक्ष के रूप में एक साल बढ़ा कार्यकाल

केंद्र सरकार ने केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के अध्यक्ष रवि अग्रवाल के कार्यकाल को एक वर्ष के लिए बढ़ाने का फैसला किया है। वर्ष 1988 बैच के भारतीय राजस्व सेवा के अधिकारी रवि अग्रवाल वर्ष 2024 में सीबीडीटी के अध्यक्ष नियुक्त हुए थे। वह 30 जून 2025 को अपने पद से सेवानिवृत्त होने वाले थे, लेकिन केंद्र सरकार ने उनका कार्यकाल 30 जून 2026 तक बढ़ा दिया है। केंद्र सरकार द्वारा जारी एक अधिसूचना के अनुसार रवि अग्रवाल के अनुभव और विशेषज्ञता को देखते हुए सीबीडीटी अध्यक्ष के तौर पर उनका कार्यकाल बढ़ाया गया है।

जाह्नवी डांगेती

वर्ष 2029 में अंतरिक्ष यात्रा पर जायेंगी

भारत की 23 वर्षीय जाह्नवी डांगेती वर्ष 2029 में अंतरिक्ष की यात्रा पर जाने वाली हैं। जाह्नवी को अमेरिका के टाइटन्स स्पेस मिशन के लिए चुना गया है। इस मिशन के तहत वे 2 बार धरती की परिक्रमा करेंगी और जीरो ग्रेविटी में करीब 3 घंटे तक रहेंगी। यह उड़ान वर्ष 2029 में अमेरिका से शुरू होगी और ऑर्बिटल पोर्ट स्पेस स्टेशन तक जाएगी। मिशन के तहत अंतरिक्ष यात्रियों को 2 बार सूर्योदय और 2 बार सूर्यास्त देखने को मिलेगा। जाह्नवी ने पंजाब के एक निजी विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग की पढ़ाई की है। पढ़ाई के दौरान जाह्नवी ने नासा के 10 दिवसीय छात्र कार्यक्रम में भाग लिया। जाह्नवी पहले भी नासा के अंतर्राष्ट्रीय वायु और अंतरिक्ष कार्यक्रम का हिस्सा रह चुकी हैं।

जेम्स वेब टेलीस्कोप ने

पहली बार बाहरी ग्रह की प्रत्यक्ष तस्वीर खींची

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के जेम्स वेब टेलीस्कोप ने पहली बार सौरमंडल से बाहर स्थित एक बाह्यग्रह (एक्सोप्लैनेट) की प्रत्यक्ष तस्वीर ली है। इस बाह्यग्रह को टीडब्ल्यूए7बी नाम दिया गया है। यह ग्रह एक युवा लाल क्षुद्र तारे की परिक्रमा कर रहा है, जो पृथ्वी से लगभग 110 प्रकाश वर्ष दूर स्थित है। वैज्ञानिकों के अनुसार यह बाह्यग्रह शनि के बराबर है और इसका द्रव्यमान पृथ्वी से लगभग 100 गुना अधिक है। यह अब तक प्रत्यक्ष रूप से देखा गया सबसे छोटा बाह्यग्रह (एक्सोप्लैनेट) है। वैज्ञानिकों के अनुसार बाह्यग्रह को देखना सामान्यतः बहुत कठिन होता है।

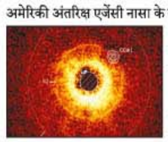

स्मृति शेष

पर्वतारोही कैप्टन मोहन सिंह कोहली का निधन

भारतीय नौसेना के पूर्व अधिकारी और पर्वतारोही कैप्टन मोहन सिंह कोहली का 93 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। कैप्टन कोहली ने वर्ष 1965 में विश्व की सबसे ऊंची पर्वत चोटी माउंट एवरेस्ट पर भारत के पहले सफल अभियान का नेतृत्व किया था। कैप्टन कोहली के नेतृत्व में चलाए गए इस अभियान में पर्वतारोहियों की टीम में से 9 सदस्यों ने माउंट एवरेस्ट की चोटी पर विजय प्राप्त की थी। कैप्टन कोहली का यह रिकॉर्ड 17 वर्ष तक रहा।

हास्य कवि पद्मश्री सुरेंद्र दुबे का निधन

देश के विख्यात हास्य कवि एवं व्यंग्यकार पद्मश्री डॉ. सुरेंद्र दुबे का रायपुर में हृदयगति रुकने से निधन हो गया। अचानक तबीयत खराब होने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। डॉ. दुबे का जन्म 8 जनवरी 1953 को छत्तीसगढ़ के बेमेतरा (तत्कालीन दुर्ग) में हुआ था। वे मूलतः एक आयुर्वेदिक चिकित्सक थे, लेकिन हास्य और व्यंग्य कविता के माध्यम से उन्होंने अलग पहचान बनाई। उनके योगदान को देखते हुए वर्ष 2010 में भारत सरकार ने उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया था। वे छत्तीसगढ़ी हास्य साहित्य के अग्रणी स्तंभ थे, जिन्होंने पांच पुस्तकें लिखीं और देश-विदेश में मंचों और टेलिविज़न शो पर अपनी कविताओं से लोगों को हंसाया। साथ ही उन्हें वर्ष 2008 में 'हास्य रत्न' पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था।

पद्मश्री नृत्यांगना सूर्यमुखी देवी का निधन

प्रसिद्ध मणिपुरी शास्त्रीय नृत्यांगना और पद्मश्री से सम्मानित थियाम सूर्यमुखी देवी का लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया है। उन्होंने इम्फाल पश्चिम जिले के कैशमपट स्थित अपने आवास पर अंतिम सांस ली। सूर्यमुखी देवी 85 वर्ष की थीं और अविवाहित थीं। सूर्यमुखी देवी को वर्ष 2025 में पद्मश्री सम्मान दिया गया था। खराब स्वास्थ्य की वजह से यह सम्मान प्राप्त करने के लिए राष्ट्रपति भवन में आयोजित कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सकी थीं। थियाम सूर्यमुखी देवी का जन्म वर्ष 1940 में हुआ था। उनकी सांस्कृतिक यात्रा पद्मा मेइशनम अमुबी जैसे गुरुओं के संरक्षण में शुरू हुई थी।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

कार्यालय मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं अधिष्ठाता श्रीमंत राजमाता विजयाराजे सिंधिया चिकित्सा महाविद्यालय, शिवपुरी (म.प्र.)

ई-मेल : deanshivpuri@gmail.com , वेबसाइट : http://shivpurimedicalcollege.com

क्रमांक 8405/स्था/अराज/2025 शिवपुरी, दिनांक : 01.07.2025

सूचना

कर्मचारी चयन मण्डल मध्यप्रदेश, भोपाल द्वारा आयोजित समूह-5 के अंतर्गत सह-चिकित्सकीय संवर्ग के रिक्त पदों की पूर्ति हेतु संयुक्त भर्ती परीक्षा-2024 में दिनांक 29.04.2025 को जारी परीक्षा परिणाम में उपलब्ध कराई गई मेरिट सूची में श्रीमंत राजमाता विजयाराजे सिंधिया चिकित्सा महाविद्यालय शिवपुरी में चयनित अभ्यर्थियों के मूल दस्तावेजों के सत्यापन हेतु **दिनांक 08.07.2025 को प्रातः 11:00 बजे (मंगलवार)** को आमंत्रित किया जाता है।

उम्मीदवार का निम्नलिखित दस्तावेजों के साथ उपस्थित होना अनिवार्य है।

(1) परीक्षा प्रवेश पत्र। (2) स्वयं की दो फोटो जैसा कि प्रवेश पत्र में लगाया गया है। (3) हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी परीक्षा परिणाम (4) मूल निवासी प्रमाण-पत्र। (5) सक्षम अधिकारी द्वारा प्रदत्त जाति प्रमाण पत्र। (6) कर्मचारी चयन मंडल द्वारा संबंधित पद हेतु निर्धारित योग्यता का प्रमाण-पत्र एवं अंकसूची। (7) विधवा/परित्यक्ता/तलाकशुदा की स्थिति में नोटरी द्वारा अभिप्रमाणित तत्संबंधी शपथ पत्र। (8) दिनांक 26.01.2001 के बाद दो से अधिक संतान न होने का नोटरी द्वारा अभिप्रमाणित शपथ पत्र। (9) शासकीय सेवा में कार्यरत उम्मीदवार द्वारा नियोक्ता का अनापत्ति प्रमाण-पत्र। (10) भूतपूर्व सैनिक होने की स्थिति में सक्षम अधिकारी द्वारा प्रदत्त प्रमाण-पत्र (11) कर्मचारी चयन मंडल द्वारा जारी परीक्षा परिणाम की छायाप्रति।

स. क्र.	पद का नाम	श्रेणी	रिक्त पद	आमंत्रित उम्मीदवार	पिता/पति का नाम
1.	PHARMACIST GRADE-2	UR/NIL/ OPEN	01	MOHIT SING TOMAR	KRISHN PAL
2.	TECHNICIAN ASSISTANT	ST/NIL/ FEMALE	01	BAYSU SOLANKI	KUNWAR SINGH SOLANKI
3.	TECHNICIAN ASSISTANT	ST/NIL/ OPEN	01	LUKESH MUNIYA	AMRA MUNIYA

नोट :- समस्त अभ्यर्थियों को सूचित किया जाता है कि भर्ती से संबंधित समस्त अद्यतन जानकारी हेतु चिकित्सा महाविद्यालय शिवपुरी की आधिकारिक वेबसाइट **https://shivpurimedicalcollege.com** पर समय-समय पर विजिट करते रहें।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं अधिष्ठाता
श्रीमंत राजमाता विजयाराजे सिंधिया
चिकित्सा महाविद्यालय, शिवपुरी (म.प्र.)

जी-15085/51192/2025

कार्यालय मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं अधिष्ठाता कार्यालय मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं अधिष्ठाता शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, दतिया (म.प्र.)

पता - 29 बटालियन के पास, एन.एच. 44, जिला दतिया, म.प्र. पिनकोड 475661, टेलीफोन नं. : 07522-234001

E-mail Id : datiamedicalcollege@gmail.com & Website : www.datiamedicalcollege.com

क्रमांक- 5586/स्था. राज/द.चि.म./2025 दतिया, दिनांक : 02.07.2025

विज्ञप्ति सूचना

मध्यप्रदेश शासन चिकित्सा शिक्षा विभाग, मंत्रालय भोपाल के पत्र क्रमांक एफ 2-53/2017/1/55, दिनांक 12.01.2018 द्वारा मध्यप्रदेश स्वशासी चिकित्सा महाविद्यालय शैक्षणिक आदर्श सेवा भर्ती नियम 2018 के अंतर्गत एवं मध्यप्रदेश शासन चिकित्सा शिक्षा विभाग मंत्रालय के आदेश क्रमांक 1105 एफ 2–45/2010/1/55, भोपाल दिनांक 24.07.2024 द्वारा दिये गये निर्देशों के परिपालन में एन.एम.सी./एम.सी.आई. के मापदण्ड अनुसार Recognition की प्रतिपूर्ति के क्रम में शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, दतिया में शैक्षणिक संवर्ग के अंतर्गत कार्यालय आयुक्त चिकित्सा शिक्षा भोपाल द्वारा सहायक प्राध्यापक पद की सीधी भर्ती के पदों हेतु जारी की गई शैक्षणिक संवर्ग की नवीन अनुसूची दिनांक 11.04.2022 अनुसार स्वीकृत एवं वर्तमान में रिक्त सीधी भर्ती के सहायक प्राध्यापक के पदों की पूर्ति करने हेतु सीधी भर्ती के माध्यम से विज्ञप्ति जारी कर इच्छुक एवं शासन/एन.एम.सी. द्वारा निर्धारित अद्यतन टी.ई.क्यू. फरवरी 2022 एवं यू.जी.एम.एस.आर.-2020/2023 विनियमावली अनुसार पात्र चिकित्सा शिक्षकों के आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं।

आवेदन पत्र निर्धारित प्रारूप में **दिनांक 18.07.2025 सायं 6:00 तक** अधिष्ठाता कार्यालय में आमंत्रित किये जाते हैं। उपरोक्त जानकारी शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय दतिया की वेबसाइट **www.datiamedicalcollege.com** पर उपलब्ध है। आवेदन पत्र डाक द्वारा अथवा व्यक्तिगत रूप से कार्यालय अधिष्ठाता शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय दतिया, म.प्र. में जमा कराये जा सकते हैं।

आवेदन पत्र के लिफाफे पर स्पष्ट रूप से शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय दतिया म.प्र. में "शैक्षणिक संवर्ग हेतु" आवेदन एवं विषय ....तथा आवेदित पद का नाम....................................और अनारक्षित/आरक्षित श्रेणी................. का उल्लेख किया जाना अनिवार्य है। किसी भी परिस्थिति में निर्धारित तिथि एवं समय उपरांत प्राप्त होने वाले आवेदनों पर विचार नहीं किया जावेगा।

आवेदन शुल्क रुपये 1000/- (अनारक्षित श्रेणी के उम्मीदवार हेतु) रुपये 750/- (आरक्षित श्रेणी के उम्मीदवार हेतु) आवेदन शुल्क डिमांड ड्राफ्ट Government Medical College Autonomous Society Datia के नाम से देय होगा अथवा ऑनलाइन पेमेंट NEFT के माध्यम से भुगतान कर भुगतान की पावती/डिमांड ड्राफ्ट आवेदन पत्र के साथ संलग्न किया जाना अनिवार्य होगा।

संस्था का खाता क्रमांक - 0638001700062928, IFSC Code - PUNB0063800.

अंतिम तिथि तक प्राप्त होने वाले अभ्यर्थियों के आवेदन पत्र में से पात्र अभ्यर्थियों के मूल दस्तावेजों के परीक्षण की तिथि एवं साक्षात्कार की तिथि पृथक से महाविद्यालय के नोटिस बोर्ड एवं अधिकृत वेबसाइट के माध्यम से प्रकाशित की जावेगी।

अधिष्ठाता एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी
शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, दतिया मध्यप्रदेश

जी-15123/51195/2025

कार्यालय मुख्य अभियंता, लो.नि.वि. सागर परिक्षेत्र सागर

फोन नं. : 07582-220840, ईमेल आईडी. : cepwdsagar@mp.nic.in

एनआईटी नं.-12/2025-26/केन्द्रीयकृत निविदा आमंत्रण सागर, दिनांक : 02.07.2025

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा नवीन एकीकृत पंजीयन प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से आमंत्रण की जाती है :-

क्र. एवं कार्य का नाम :– उपसंभाग लवकुश नगर के अंतर्गत विभिन्न मार्गों का निर्माण कार्य विद्युत कार्य सहित (अनुमानित लागत रु. 513.66 लाख)

1. रामपुरा से रेखा तक मार्ग लं 3.10 कि.मी.
2. मुख्य सड़क संजय नगर से झिन्ना तक लंबाई 0.50 कि.मी. कुल लंबाई 3.60 कि.मी. का निर्माण कार्य।

पोर्टल टेंडर क्र.	जिला	ठेके की अनु. राशि (पीएसी) लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)	आमंत्रण
2025_PWDRB_434396_1	छतरपुर	513.66	513660/-	20000/-	06 माह	प्रथम
क्र. एवं कार्य का नाम :– उपसंभाग लवकुश नगर के अंतर्गत विभिन्न मार्गों का निर्माण कार्य अनुमानित लागत रु. 722.83 लाख विद्युतीकरण कार्य सहित। 1. चौबर से जमुनिया तक मार्ग लं. 2.50 कि.मी का निर्माण कार्य। 2. विक्रमपुर मेन रोड से स्टेशन पुरवा तक मार्ग लं. 2.80 कि.मी. का निर्माण कार्य विद्युत कार्य सहित।						
2025_PWDRB_434397_1	छतरपुर	722.83	722830/-	20000/-	08 माह	प्रथम
योग		1236.49				

1. निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट बेवसाइट **http://mptenders.gov.in/** पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे।
2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा।
3. निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाइन दिनांक 02.07.2025 समय 17.30 बजे से **दिनांक 18.07.2025 समय 17:30 तक** खरीदा जा सकेगा।
4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाइट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

मुख्य अभियंता
लो.नि.वि. सागर परिक्षेत्र सागर

जी-15115/51194/2025

क्रमांक 2715001/2014/ई.डी.पी./ई-टेंडरिंग/406/1556
कार्यालय प्रमुख अभियंता
जल संसाधन विभाग, जल संसाधन भवन, तुलसी नगर, भोपाल

ई-मेल : mpwrdetenders@gmail.com, edpcell.encwrd.bpl@mp.gov.in

फोन : 0755-2553402, फैक्स : 0755-2552406

निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा सूचना क्रमांक- 609/2715001/ई.डी.पी./2021-22/ प्र.अ./ई-टेंडरिंग **भोपाल, दिनांक : 01.07.2025**

निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र वेबसाइट पर **दिनांक 18.07.2025 को 17:30 बजे तक** क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स. क्र.	निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	जिला	राशि रु. लाख में
1	2025_WRD_418439	राजीव सागर परियोजना कुड़वा जिला बालाघाट के लेफ्ट बैंक कैनाल के एच.आर./सी.आर./स्केप गेट का मरम्मत कार्य।	नरसिंहपुर	3.79
2	2025_WRD_422297	खरगोन संभाग के 07 तालाबों के 13 नग जलद्वारों का सुधार एवं रखरखाव का कार्य।	धार	1.83
3	2025_WRD_423273	आर.एण्ड.आर. कॉलोनी कल्याणपुरा में बोर, मोटर इन्स्टालेशन एवं पाइप लाइन डाले जाने का कार्य।	दमोह	8.47
4	2025_WRD_426680	लाइट मशीनरी एवं वि./यां. उपसंभाग क्र. 2, पिपरिया हेतु कुशल एवं अकुशल श्रमिक का प्रदाय।	नर्मदापुरम्	6.94
5	2025_WRD_426681	तवा बांध के रेडियल गेट, बांयी तट मुख्य नहर के इंटेक गेट, गेन्ट्री क्रेन एवं अन्य उपकरणों का वर्षापूर्व आईलिंग, ग्रीसिंग एवं वायर रोप कम्पाउडिंग कार्य।	नर्मदापुरम्	3.17
6	2025_WRD_426683	तवा बांध के 500 के.व्ही.ए. सबस्टेशन का वर्षा पूर्व सुधार एवं मरम्मत कार्य।	नर्मदापुरम्	1.54
7	2025_WRD_426684	बारना बांध के 8 नग रेडियल, 3 नग सर्विस एवं 1 नग इमरजेंसी गेटों का वर्षा पूर्व आईलिंग, ग्रीसिंग एवं कम्पाउंडिंग कार्य।	नर्मदापुरम्	1.95
8	2025_WRD_426685	उपसंभाग मुलताई के 22 नग मध्यम एवं लघु जलाशय के 31 गेटों वर्षा पूर्व सुधार एवं मरम्मत कार्य।	नर्मदापुरम्	1.63
9	2025_WRD_426686	उपसंभाग मुलताई के 13 नग लघु जलाशय के 21 गेटों एवं 1 नग मध्यम जलाशय के गेटों का वर्षा पूर्व सुधार एवं मरम्मत कार्य।	नर्मदापुरम्	1.94
10	2025_WRD_426687	सापना मध्यम जलाशय के 2 नग स्लूस गेटों का वर्षा पूर्व सुधार एवं मरम्मत कार्य।	नर्मदापुरम्	0.68
11	2025_WRD_427128	इटारसी उपनहर अनुविभाग के एच.आर. एवं बांईखेड़ी माइनर नं. 1, रोहना माइनर नं. 3 सांवलखेड़ा माइनर नं. 1 व 3, तथा जैतपुर माइनर की मरम्मत कार्य। (तृतीय आमंत्रण)	नर्मदापुरम्	7.26
12.	2025_WRD_428925	पार्वती वृहद सिंचाई परियोजना पर 01 नग 33/0.4 के.वी., 3 फेज, आउटडोर ट्रांसफार्मर का सप्लाई, इंस्टालेशन एवं कमीशनिंग का कार्य।	भोपाल	14.07
13	2025_WRD_428940	मोहनपुरा वृहद बांध, राजगढ़ के 17 नग रेडियल गेट्स का सुधार एवं मरम्मत का कार्य।	भोपाल	19.27
14	2025_WRD_428960	ला.म. एवं वि./यॉ. उपसंभाग, राजगढ़ हेतु निरीक्षण वाहन किराये पर लेना।	भोपाल	3.42
15	2025_WRD_429640	उपसंभाग बैतूल के 13 लघु जलाशयों के 19 नग स्लूस गेटों का वर्षा पूर्व मरम्मत एवं सुधार कार्य।	नर्मदापुरम्	1.24
16	2025_WRD_429641	उपसंभाग आमला एवं आठनेर के 11 लघु जलाशयों के 27 नग गेटों का एवं 1 नग मध्यम जलाशय के 1 गेट वर्षा पूर्व सुधार एवं आईलिंग, ग्रीसिंग का कार्य।	नर्मदापुरम्	1.90
17	2025_WRD_429642	उपसंभाग घोड़ाडोंगरी के 14 लघु जलाशयों के 19 नग स्लूस गेटों का वर्षा पूर्व मरम्मत एवं सुधार कार्य।	नर्मदापुरम्	1.40
18	2025_WRD_429643	उपसंभाग बैतूल के 08 लघु जलाशयों के 17 नग स्लूस गेटों का वर्षा पूर्व मरम्मत एवं सुधार कार्य।	नर्मदापुरम्	1.55
19	2025_WRD_430829	तवा बांध पर स्थापित 100 टन गेन्ट्री क्रेन का सुधार एवं मरम्मत कार्य।	नर्मदापुरम्	0.83
20	2025_WRD_430830	तवा बांध पर स्थापित साईन बोर्ड एवं रेडियल गेटों तथा डायल गेजों की सफाई, पुताई एवं लिखाई का कार्य।	नर्मदापुरम्	0.83
21	2025_WRD_431325	तुला ताल तालाब का सुधार एवं मरम्मत कार्य।	छतरपुर	6.07
22	2025_WRD_431758	सिंचाई अनुसंधान संभाग, भोपाल हेतु वाहन किराये पर लेना। (द्वितीय आमंत्रण)	भोपाल	3.42
23	2025_WRD_432965	ला.म. एवं वि./यॉ. उपसंभाग चौरई एवं मंडला हेतु निरीक्षण वाहन किराये पर लेना।	नरसिंहपुर	4.04
			कुल योग	97.24

जी-15070/51191/2025 मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)

कार्यालय मुख्य अभियंता (भवन)
लोक निर्माण विभाग ओल्ड पलासिया इंदौर (म.प्र.)

ईमेल : apdpiuindore@gmail.com, फैक्स : 0731-4989768

क्र.एफ-3/सामान्य/निविदा प्रकाशन/मु.अ. (भवन) इंदौर/2025/एनआईटी-10/1867 इंदौर, दिनांक : 02.07.2025

विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 10/2025

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से लोक निर्माण विभाग, परिक्षेत्र इंदौर के अंतर्गत निम्नांकित निर्माण कार्यों हेतु केन्द्रीयकृत ई-पंजीयन व्यवस्था अंतर्गत सिविल श्रेणी में पंजीयन ठेकेदार से लोक निर्माण विभाग, म.प्र. द्वारा दिनांक 01.01.2024 से प्रभावशील एस.ओ.आर. एवं निविदा सूचना प्रकाशन तिथि संशोधित निर्धारित तिथि (Key-Date) अनुसार के आधार पर ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है। आमंत्रित निविदा शासन के पोर्टल **http://mptenders.gov.in** पर देखी जा सकती है, जिसका विवरण निम्नानुसार है -

क्र. एवं कार्य का नाम :– 1. 50 बिस्तरीय सिविल अस्पताल भवन मल्हारगढ़ जिला मंदसौर का निर्माण कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)

पोर्टल टेंडर क्र.	जिला	ठेके की अनु. राशि (पीएसी) (रु. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)
2025_PWPIU_434161_1	मंदसौर	907.31	9,07,310	20,000	18

क्र. एवं कार्य का नाम :– 2. केन्द्रीय जेल उज्जैन में ई-टाइप (1 यूनिट), एफ-टाइप (2 यूनिट), जी-टाइप (10 यूनिट) एवं एच-टाइप (68 यूनिट) कुल 81 आवास गृहों का निर्माण कार्य (द्वितीय आमंत्रण)

2025_PWPIU_434132_1	उज्जैन	1534.16	10,00,000	30,000	24

क्र. एवं कार्य का नाम :– 3. उज्जैन में 32 न्यायिक आवास गृहों के शेष 13 नं. एफ टाइप क्वाटरों को निर्माण बाउण्ड्रीवॉल एवं विद्युतीकरण कार्य के निर्माण कार्य।

2025_PWPIU_432352_1	उज्जैन	380.64	3,80,640	15,000	18

क्र. एवं कार्य का नाम :– 4. बड़ी जिला खरगोन में सी.एम. साइज योजनांतर्गत उ.मा.वि. भवन में पहुंच मार्ग (720 रनिंग मीटर) का निर्माण कार्य।

2025_PWPIU_433990_1	खरगोन	123.70	1,23,700	12,500	12

क्र. एवं कार्य का नाम :– 5. बिस्टान जिला खरगोन में सी.एम. साइज योजनांतर्गत उ.मा.वि. भवन में पहुंच मार्ग (2120 रनिंग मीटर) का निर्माण कार्य।

2025_PWPIU_434006_1	खरगोन	359.61	3,59,610	15,000	18

क्र. एवं कार्य का नाम :– 6. झिरन्या जिला खरगोन में 100 सीटर केजीबीव्ही टाइप-III छात्रावास भवन का निर्माण कार्य।

2025_PWPIU_434027_1	खरगोन	217.86	2,17,860	15,000	18

क्र. एवं कार्य का नाम :– 7. ओंकारेश्वर जिला खण्डवा में भोजशाला भवन (प्रसादालय) का प्रथम एवं द्वितीय तल पर (जी+2) भवन का निर्माण कार्य।

2025_PWPIU_433816_1	खण्डवा	452.09	4,52,090	15,000	18

निविदा संबंधित तिथियां (Key-Date) :-

1. प्रपत्र क्रय करने की प्रारंभिक तिथि - 30.06.2025
2. बिड प्रस्तुत करने की प्रारंभिक तिथि - 01.07.2025
3. बिड प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि - **15.07.2025**
4. बिड खोलने की तिथि - 17.07.2025

मुख्य अभियंता (भवन)
लो.नि.वि. परिक्षेत्र इंदौर

जी-15112/51193/2025

कार्यालय मुख्य अभियंता
लोक निर्माण विभाग जबलपुर परिक्षेत्र जबलपुर

(AN ISO 9001: 2015 CERTIFIED OFFICE)

इंदिरा गांधी मार्ग, साउथ सिविल लाइन, जबलपुर (म.प्र.) पिन - 482001

Phone No. 0761-2621541 E-mail:- cepwdcentral@mp.nic.in

निविदा सूचना क्रमांक- 06/सा/2025-26 **जबलपुर, दिनांक : 02.07.2025**

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के द्वारा निविदा आमंत्रित की जाती है। यह निविदा वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर देखी जा सकती है

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– **01**. आयोजन मद अंतर्गत सिंघोड़ी हिवरखेडी मानेगांव पिपरिया गुमानी अकलमा खुर्सीपार खिरेटी मार्ग लं. 28.30 कि.मी. का निर्माण कार्य विद्युतीकरण सहित।

टेण्डर आई.डी.	जिला/लो.नि. वि. संभाग	आमंत्रण	ठेके की अनु. राशि रु. (लाख में)	अमानत राशि रु.	निविदा प्रपत्र राशि रु.	समयावधि
2025_PWDRB_434553_1	छिंदवाड़ा	प्रथम	6634.31 लाख	33,17,200/-	50,000/-	24 माह वर्षाऋतु सहित

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 02. लोटिया अनखावाड़ी चाखला बम्हनी मार्ग लं. 18.60 कि.मी. का मजबूतीकरण कार्य विद्युतीकरण सहित।

2025_PWDRB_434554_1	छिंदवाड़ा	प्रथम	1908.74 लाख	10,00,000/-	30,000/-	16 माह वर्षाऋतु सहित

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 03. गोटेगांव उपसंभाग के अंतर्गत गोटेगांव से धूमा (एम.डी.आर.) मार्ग लं. 18.60 कि.मी. का निर्माण कार्य विद्युतीकरण सहित।

2025_PWDRB_434555_1	नरसिंहपुर	प्रथम	5445.94 लाख	27,23,000/-	50,000/-	22 माह वर्षाऋतु सहित

टीप :- निविदा का विस्तृत विवरण म.प्र. शासन की निविदा पोर्टल **http://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है। निविदा प्रपत्र उक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन भुगतान करने पर प्राप्त हो सकेंगे। निविदा प्रपत्र ऑनलाइन क्रय करने की **अंतिम तिथि 21.07.2025 समय 5:30 PM तक** है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर ही किया जावेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

मुख्य अभियंता, लो.नि.वि.
जबलपुर परिक्षेत्र जबलपुर

जी-15157/51205/2025

मध्यप्रदेश राज्य उद्यानिकी मिशन

(संचालनालय उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण)

छठवीं मंजिल, विंध्याचल भवन, मध्यप्रदेश, भोपाल, E-mail : midhhorti@mp.gov.in

विज्ञप्ति प्रारूप

संचालनालय उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण अंतर्गत संचालित एकीकृत बागवानी विकास मिशन (MIDH) योजना के तहत निजी क्षेत्र में परियोजना आधारित घटकों वित्तीय वर्ष 2025-26 की अनुमोदित वार्षिक कार्य योजना अनुसार विभिन्न घटकों की स्थापना हेतु अनुदान सहायता दिये जाने का प्रावधान है। घटकों का विवरण निम्नानुसार है:-

(राशि लाख में)

क्र.	नाम घटक	अधिकतम अनुमानित लागत	अनुदान सहायता
1.	Large Nursery (1 to 2 ha)	Rs. 30.00 lakh/ha	40%
2.	Setting up of new TC Units.	Project based upto Rs. 250 lakh per project for a capacity of 25 lakh plants or on pro-rata basis for minimum 10 lakh plants.	40% on pror -rata basis
3.	**Mushrooms (Private Sector)**		
3.1	Production unit.	Rs. 30 lakh/unit Subsidy	40%
3.2	Spawn making unit.	Rs. 20.00 lakh/unit	40%
3.3	Compost making unit.	Rs. 30 lakh/unit	40%
3.4	(d) Low Cost/Small Scale mushroom production unit.	Rs. 2.00 Lakhs per unit for a structure of size of 200 sqft	40%
4.	Production of bee colonies by bee breeder.	Rs. 10.00 lakh	50%

उपरोक्त सभी घटक परियोजना आधारित हैं। हितग्राही को बैंक से ऋण स्वीकृत होने पर ही ऋण संबद्ध बैंक एंडेड सब्सिडी देय होगी। सरल बिंदु क्रमांक 1 से 3 तक के घटकों हेतु MIDH (Mission for Intigrated Horticulture Development) एवं सरल बिंदु क्रमांक 4 हेतु NBHM (National Beekeeping & Honey Mission) की गाइडलाइन का पालन आवश्यक होगा। इच्छुक पात्र हितग्राही **दिनांक 31 अगस्त 2025 तक** संबंधित जिले के उप संचालक/सहायक संचालक, उद्यानिकी कार्यालय में निर्धारित प्रपत्रों में आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। शर्तें :- इच्छुक कृषकों/उद्यमियों को आवेदन के साथ (1) विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (DPR), (2) बैंक एप्राइजल रिपोर्ट, (3) बैंक ऋण स्वीकृत पत्र, (4) भूमि संबंधित दस्तावेज जहां इकाई स्थापित होना है, (5) केन्द्र एवं राज्य सरकार से पूर्व में अनुदान सहायता प्राप्त न करने का राशि रुपये 100 के स्टाम्प पर घोषणा पत्र, (6) उपरोक्त के अतिरिक्त भवन निर्माण अनुज्ञा प्रमाण पत्र (कोल्ड स्टोरेज, रायपेनिंग चेम्बर, मशरूम एवं टिश्यू कल्चर लैब के प्रकरणों में), (7) NCCD की ड्राइंग डिजाइन अनुसार निर्माण कराने की राशि रुपये 100 के स्टाम्प पर घोषणा पत्र (कोल्ड स्टोरेज एवं रायपेनिंग चेम्बर के प्रकरणों में), (8) भारत सरकार द्वारा स्वीकृत मानकों और मापदण्ड अनुसार निर्माण कराने की राशि रुपये 100 के स्टाम्प पर घोषणा पत्र, (9) चार्टर्ड इंजीनियर द्वारा बेसिक डाटाशीट/डिजाइन या तकनीकी डाटा इत्यादि दस्तावेज विभागीय पोर्टल **www.mpfsts.mp.gov.in** पर अपलोड करना अनिवार्य है। अपूर्ण एवं निर्धारित दस्तावेज अपलोड न करने वाले आवेदकों के आवेदनों/प्रकरणों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

जी-15143/51203/2025 **सहायक संचालक उद्यान, म.प्र. राज्य उद्यानिकी मिशन**

NOTICE INVITING TENDER (NIT)
REQUEST FOR PROPOSALS (RFP) FOR PROCUREMENT OF MOBILE CUG SIM CARDS FOR REVENUE OFFICERS IN MADHYA PRADESH

RFP No.: MPCLR/2025/CUG SIM/003 **Date : 02.07.2025**

Commissioner Land Records, Madhya Pradesh (MPCLR) invites proposals from agencies, for Procurement of Mobile CUG SIM Cards for Revenue Officers in Madhya Pradesh.

Interested firms/agencies who qualify as per the criteria mentioned in the RFP document may submit their proposals online latest by **28.07.2025 till 3:00 pm** on **https://mptenders.gov.in**. The proposal must accompany a non-refundable amount of Rs. 5,000/- (Rupees five Thousand only) towards RFP Document Fees at the time of online submission of the proposal on MP Tender portal.

Some important dates are as mentioned below :

Tender Purchase Start Date	**03.07.2025, 15:00 Hrs.**
Pre-Bid Meeting	**14.07.2025, 15:00 Hrs.**
Bid Query Submission End Date	**14.07.2025**
Bid Submission Closing Date	**28.07.2025, 15:00 Hrs.**
Date of Opening of Technical Bid	**29.07.2025, 15:00 Hrs.**
Date of Opening of Financial Bid	**To be intimated**

EMD of the amount INR 36,60,000/-(INR Thirty Six lakhs, Sixty thousand only) to be paid online through **www.mptenders.gov.in** portal

The detailed RFP document can be downloaded from our website: **https://mptenders.gov.in**

Commissioner, Land Records Madhya Pradesh
O/o Commissioner Land Records, Madhya Pradesh,
Naka Chandrabadni, Needam Road, Gwalior (M.P.)-474009
e-mail. clrgwa@nic.in
MP eProcurement Portal: https://mptenders.gov.in

G-15142/51202/2025

SANT SHIROMANI RAVIDAS GLOBAL SKILLS PARK, BHOPAL

RE-ADVERTISEMENT

This position was previously advertised with a deadline of 18.05.2025. Candidates who have already applied earlier need not apply again.

Opportunity to transform Madhya Pradesh into the Skill Capital of India

Inviting applications for the position of Senior Director (COSA-1)

Global Skills Park, a flagship initiative of Department of Technical Education, Skills Development & Employment, GoMP, with financial assistance of Asian Development Bank and technical support of ITEES Singapore is looking for experienced, dynamic, talented and skilled leader for the position of Senior Director COSA-1 at Bhopal, Madhya Pradesh.

Global Skills Park, the first multi-skills park in India, has introduced technology-oriented skill courses and impart advanced job-ready skills training of international standards. Global Skills Park consists of core advanced training institutes - Center for Occupational Skills Acquisition (COSA) and TVET support services such as entrepreneurship development, training of trainers and skill-related research.

SENIOR DIRECTOR (COSA-1)

Role : The Senior Director, Center for Occupational Skills Acquisition-1 (COSA-1), which is the core center of Global Skills Park (GSP) to impart advanced training, will have the overall strategic and operational responsibility for the development and delivery of advanced levels of skills training courses at COSA-1 and Centre of Advanced Agricultural Training (CAAT) that meet global standards and ensure trainees acquire industry-ready skills. The Senior Director will be responsible for institutionalizing the strategic, academic/ technical and operational framework developed in collaboration with the ITE' Education Services (ITEES), Singapore, to establish and uphold the international standards of GSP training in course content, quality of trainers and management staff, and assessment and certification procedures.

Qualification, Experience & Essential Knowledge

- Minimum 20 years of total work experience, with substantive experience at a leadership level in large skills-related education or advanced vocational training institutes, with proven records in managing various technical programs, and a good understanding of them, including curriculum design, pedagogy and assessments.
- Industry experience will be given an advantage.
- The incumbent must be an Engineering graduate with Post-Graduate in Engineering or Management from a recognized university.
- Excellent command in written and spoken English and Hindi is a must.

Salary : Attractive salary & benefits. For detailed information and application process **please visit : https://globalskillspark.in** Last date for applications to reach us is **17.07.2025.**

For Qualification, salary for above posts, detailed information and application process, **please visit : https://globalskillspark.in**

How to Apply :- Candidates interested in this position are requested to apply using the link **https://lims.globalskillspark.in/Career/Frm_CI_JS_RecruimentDtls.aspx** by or **before 17.07.2025.** Only applications received through this link will be considered.

(ROMA BAJPAI)
Director Administration & Finance
SSR Global Skills Park, Bhopal Government of Madhya Pradesh

G-15146/51204/2025

ड्रोन टेक्नोलॉजी में बहुआयामी कॅरियर का नया दौर

'रोज़गार और निर्माण' के पाठकों के लिये 'कॅरियर की राहें' नाम से उपयोगी स्तंभ लगातार प्रकाशित किया जा रहा है। अच्छे कॅरियर के लिये जरूरी है कि युवा कॅरियर की विभिन्न विधाओं से परिचित हों और अपनी रुचि, योग्यता और क्षमताओं के अनुरूप अपने लिये उपयुक्त कॅरियर का निर्धारण करें। पिछले 40 वर्षों से नई पीढ़ी के लिये कॅरियर संबंधी विषयों पर नियमित लेखन कर रहे, डॉ. जयंतीलाल भंडारी युवाओं को कॅरियर के विभिन्न अवसरों से परिचित कराते हुये आगे बढ़ने का मार्गदर्शन दे रहे हैं।

इस समय ड्रोन टेक्नोलॉजी में कॅरियर के अवसर लगातार बढ़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। ड्रोन आमतौर पर किसी भी अनपायलटेड एयरक्राफ्ट यानी मानव रहित विमान को कहा जाता है, जो बिना पायलट के उड़ाया जा सकता है। यह पायलट से दूरस्थ से आदेश प्राप्त करता है या यह स्वचालित तरीके से उड़ सकता है। इसका आकार कई बार किसी हवाई जहाज जितना बड़ा भी हो सकता है और अपनी हथेली जितना छोटा भी। ड्रोन आसान और मुश्किल दोनों कार्य कर सकते हैं।

ड्रोन की बढ़ती हुई उपयोगिता और कॅरियर अहमियत

चाहे युद्ध के मैदान हों, शहर हों या फिर देश के दूरदराज के गांव, खेत के मैदान हों या फिर खेल के मैदान, सेवा से जुड़े कार्य हों या फिर विपदा प्रबंधन, हर जगह ड्रोन का इस्तेमाल बढ़ रहा है। ड्रोन की बहुआयामी उपयोगिता बढ़ती जा रही है। मई 2025 में ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत की सैन्य कार्रवाई में हमलों के लिए ड्रोन का बखूबी उपयोग देखा गया। ड्रोन की मदद से आज सीमापार अपने दुश्मनों पर हवाई हमले कर सकते हैं। कृषि के कार्यों में दवाओं और कीटनाशकों के छिड़काव के लिए इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। किसी क्षेत्र विशेष की मॉनिटरिंग, एरियल सर्वे, एरियल फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी, प्राकृतिक आपदा के दौरान सुदूर स्थानों पर सहायता पहुंचाने जैसे कई ऐसे कार्य ड्रोन की मदद से आजकल बड़ी आसानी से हो जा रहे हैं।

उद्योग-कारोबार का अंग बनी ड्रोन टेक्नोलॉजी

इसमें कोई दोमत नहीं है कि दुनिया के कई देशों में ड्रोन जीवन और उद्योग-कारोबार का अभिन्न अंग बनते हुए दिखाई दे रहे हैं। वर्तमान समय में ड्रोन केवल फोटोग्राफी तथा खिलौनों के रूप में ही प्रयोग नहीं किए जाते हैं, ड्रोन रेस्टोरेंट में खाना सर्व करने, खाने की प्लेट उठाने तक का काम कर रहे हैं। थर्मल तथा न्यूक्लियर पॉवर स्टेशनों में खतरनाक एवं जोखिम वाले तत्वों की साज-संभाल तथा उन्हें एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाने में भी इंसानों के बजाय ड्रोन्स का प्रयोग हो रहा है। ड्रोन को न्यूक्लियर साइंस, सी-एक्सप्लोरेशन, इलेक्ट्रिकल सिग्नल्स की ट्रांसमिशन सर्विस आदि के लिए भी उपयोग में लाया जाने लगा है। शहरी योजना, पुलिस और ट्रैफिक प्रबंधन, स्वास्थ्य सेवाओं में ड्रोन के उपयोग की संभावनाएं लगातार बढ़ रही हैं। स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट, थ्री डी मैपिंग, ट्रैफिक कंट्रोल, मेडिकल डिलीवर, वनों की निगरानी, रेल और सड़क निरीक्षण जैसे क्षेत्रों में ड्रोन की भूमिका बढ़ने लगी है।

तेजी से बढ़ते ड्रोन बाजार में बढ़ते कॅरियर के अवसर

नि:संदेह ड्रोन तकनीक की सहायता से कार्यों की लागत, समय और संसाधन बचाने में मदद मिल रही है। ऐसे में ड्रोन का बाजार तेजी से बढ़ रहा है। इस वर्ष 2025 में देश में ड्रोन इंडस्ट्री का बाजार आकार करीब 12,000 करोड़ रुपये का है, जो वर्ष 2026 तक 15000 करोड़ तक पहुंच सकता है। सोलर इंडस्ट्रीज के चेयरमैन गोला-बारूद और ड्रोन बनाने वाले सत्यनारायण नुवाल की सम्पत्ति वर्ष 2025 की पहली छह माही में सबसे ज्यादा 78 फीसदी बढ़ी हैं। देश में ड्रोन को बढ़ावा देने के लिए बनी गैर लाभकारी संस्था ड्रोन फेडरेशन ऑफ इंडिया का अनुमान है कि वर्ष 2025-26 तक इस क्षेत्र में एक लाख से ज्यादा रोज़गार के अवसर निर्मित होंगे। ये अवसर खासतौर से कृषि, सेना, लॉजिस्टिक्स, मैन्युफैक्चरिंग, ऊर्जा, इन्फ्रास्ट्रक्चर, खनन, मीडिया एवं एंटरटेनमेंट, बीमा आदि क्षेत्रों में होंगे। सरकार की भी एक रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2025-26 के अंत तक ड्रोन सेक्टर में करीब एक लाख से अधिक नौकरियों का सृजन होने की उम्मीद है। ये नौकरियां विभिन्न सरकारी एजेंसियों, प्राइवेट कंपनियां स्टार्टअप्स और आरएंडडी संस्थानों में होंगी। ड्रोन सेक्टर में प्रशिक्षण के बाद युवाओं को कई प्रकार के जॉब प्रोफाइल मिल सकते हैं, जो तकनीकी, संचालन और एनालिसिस से जुड़े होते हैं। इस क्षेत्र में नौकरी के साथ-साथ स्वरोज़गार और स्टार्टअप की भी काफी संभावनाएं हैं। भारत सरकार की ओर से ड्रोन मैन्युफैक्चरिंग और ड्रोन सर्विस सेक्टर को बढ़ावा देने से इस क्षेत्र में स्किल्ड प्रोफेशनल्स की भारी मांग देखी जा रही है। इस क्षेत्र में पढ़ाई और कुशलता हासिल करने के बाद ड्रोन पायलट, ड्रोन डिजाइनर, सॉफ्टवेयर डेवलपर, मेंटेनेंस इंजीनियर, डाटा एनालिस्ट, ट्रेनर जैसे कई प्रोफाइल के तहत नौकरियां पा सकते हैं। ड्रोन के क्षेत्र में कुशलता बढ़ाकर कई प्रोफाइल के तहत कार्य कर सकते हैं, जैसे कि ड्रोन पायलट के तहत सर्वे, फोटोग्राफी, निगरानी, कृषि से संबंधित छिड़काव। ड्रोन डिजाइन इंजीनियर के तहत नए ड्रोन मॉडल का निर्माण और विकास। ड्रोन सॉफ्टवेयर डेवलपर के तहत फ्लाइट कंट्रोल, नेविगेशन, एआई बेस्ड सिस्टम निर्माण। मेंटेनेंस टेक्निशियन ड्रोन रिपेयर के तहत कैलिब्रेशन और हार्डवेयर सपोर्ट। निश्चित रूप से ड्रोन के बहुआयामी उपयोग होने से इसके लिए बड़ी संख्या में प्रशिक्षित ड्रोन इंजीनियर, ड्रोन डिजाइनर, ड्रोन सॉफ्टवेयर डेवलपर, ड्रोन एशियन एवं ड्रोन पायलट की भी जरूरत बढ़ती जा रही है। कुछ समय पहले तक पूरी तरह से आयात पर निर्भर भारत में अब ढाई सौ से ज्यादा कंपनियां ड्रोन बनाने में लगी हैं।

यह बात महत्वपूर्ण है कि सरकारी क्षेत्र में रक्षा विभाग, पुलिस नगर निगम, वन विभाग, इसरो आर्कोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया जैसी जगहों पर नौकरी पा सकते हैं। यदि हम प्राइवेट सेक्टर की ओर देखें तो पाते हैं कि रिलायंस, टाटा एडवांस्ड सिस्टम, जोमैटो, अमेजन, ड्रोन आचार्य, आइडियाफोर्ज जैसी निजी क्षेत्र की कंपनियों में भी ड्रोन की जरूरत बढ़ती जा रही है। ड्रोन तकनीक में स्किल हासिल करके माइनिंग, निर्माण, कृषि लॉजिस्टिक्स और हेल्थ केयर आधारित स्टार्टअप भी शुरू कर सकते हैं। स्वरोज़गार के रूप में आप ड्रोन आधारित फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी सर्विस, कृषि

ड्रोन सर्वे और कीटनाशक छिड़काव सेवाएं, मैपिंग और जमीन सर्वे सर्विसेज, ड्रोन रिपेयर और ट्रेनिंग जैसे कार्य भी कर सकते हैं। यदि हम ड्रोन सेक्टर में मिलने वाली सैलरी को देखें तो पाते हैं कि ड्रोन सेक्टर में ड्रोन पायलट के रूप में ऑपरेशन एवं मेंटिनेंस टेक्निशियन को 25 से 30 हजार रुपये प्रतिमाह तक तथा सर्टिफाइड पायलट को 30 हजार से 50 हजार रुपये प्रति माह तक, अनुभवी प्रोफेशनल्स को 50 हजार रुपये से लेकर एक लाख या इससे अधिक सैलरी हर माह मिल रही है।

भारत सरकार की उदार ड्रोन नीति से ड्रोन टेक्नोलॉजी में कॅरियर

केंद्र सरकार ने जुलाई 2021 में उदार ड्रोन नीति जारी की है। भारत में ड्रोन्स को उनके भार और आकार के आधार पर प्रमुख 05 केटेगरीज में इस प्रकार विभाजित किया गया है- नैनो 250 ग्राम से कम या उसके बराबर। सूक्ष्म 250 ग्राम से अधिक और 02 किग्रा से कम या उसके बराबर। छोटा 02 किलो से बड़ा और 25 किलो से कम या उसके बराबर। मध्यम 25 किलो से अधिक और 150 किलो से कम या उसके बराबर। बड़ा 150 किलो से अधिक। अब, भारत सरकार ने कृषि, स्वास्थ्य सेवा और कुछ अन्य क्षेत्रों में ड्रोन का उपयोग करने की अनुमति दी है। ड्रोन कवरेज को 300 किलोग्राम से बढ़ाकर 500 किलोग्राम कर दिया गया है।

सरकार ने प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) स्कीम की घोषणा की जिसमें ड्रोन से जुड़े नियमों को आसान बनाया गया है। ड्रोन टेक्नोलॉजी के प्रोत्साहन से यह क्षेत्र नए कॅरियर का क्षेत्र बन गया है। हाल के वर्षों में सरकार की ओर से ड्रोन नीतियों में कई बदलाव किए गए हैं। ड्रोन के फलने-फूलने और इसके निर्माण को बढ़ावा देने के लिए सब्सिडी प्रदान की जा रही है। सरकार ड्रोन शक्ति, डिजिटल स्काई प्लेटफार्म और किसान ड्रोन योजना जैसे प्रयासों के माध्यम से इसे व्यापक रूप से बढ़ावा दे रही है। नमो ड्रोन दीदी योजना भी ऐसी ही एक पहल है, जिसमें महिलाओं को कृषि कार्यों के लिए ड्रोन को उड़ाने का प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

मध्यप्रदेश की ड्रोन नीति 2025 से मध्यप्रदेश में ड्रोन क्षेत्र में कॅरियर को बढ़ावा

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश को ड्रोन निर्माण और प्रौद्योगिकी के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए एक व्यापक कार्ययोजना प्रस्तुत की है। इस पहल का समर्थन करने के लिए, राज्य सरकार ने ड्रोन क्षेत्र में निवेश आकर्षित करने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश ड्रोन संवर्धन और उपयोग नीति-2025 को मंजूरी दी है। नीति ड्रोन के सुरक्षित और कुशल उपयोग के माध्यम से नवाचार, आर्थिक समृद्धि को बढ़ावा देने और रोज़गार के अवसर पैदा करने पर केंद्रित है। नीति के हिस्से के रूप में, राज्य भर में ड्रोन प्रौद्योगिकी के उपयोग को बढ़ाने के लिए जल्द ही एक ड्रोन डेटा रिपोजिटरी बनाई जाएगी। यह रिपोजिटरी सरकार के ड्रोन डेटा और इमेजरी के प्रबंधन के लिए एक केंद्रीकृत मंच के रूप में काम करेगी, जो प्रधानमंत्री की गति योजना के अनुरूप है। ये प्रयास मध्यप्रदेश को तकनीकी रूप से उन्नत और आर्थिक रूप से समृद्ध बनाने में योगदान देंगे।

ड्रोन टेक्नोलॉजी में कॅरियर की स्किल्स

ड्रोन टेक्नोलॉजी में कॅरियर बनाने की इच्छा रखने वाले छात्र गणित में बहुत

अच्छे होने चाहिए। ड्रोन टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में कॅरियर भौतिक एवं गणित विषय होना नितांत आवश्यक है। इसके साथ ही साथ उच्चतम प्रतियोगी तथा तकनीकी क्षेत्र में आविष्कार तथा कुछ नया करने के लिए सृजनात्मक योग्यता भी बेहद जरूरी है। उद्यमशील सोच रखने वाले छात्र, जो भविष्य में स्टार्टअप शुरू करना चाहते हैं और जो इनोवेशन और प्रयोग करने की रुचि है, वे इस क्षेत्र में अच्छे कॅरियर की संभावना रखते हैं। ड्रोन तकनीक, डिजाइनिंग, निर्माण, मेंटिनेंस आदि में कुशल बनने के लिए युवाओं को कई तरह की तकनीकी और व्यावसायिक स्किल्स की जरूरत पड़ती है, क्योंकि यह बहु-विषयक (मल्टी डिसिप्लिनरी) क्षेत्र है, जिसमें इलेक्ट्रॉनिक्स, मैकेनिकल, डिजाइन, कोडिंग, एयरोनाटिक्स और एआई जैसी कई शाखाएं जुड़ी होती हैं।

ड्रोन टेक्नोलॉजी क्षेत्र में कॅरियर के लिए शैक्षणिक जरूरतें

12वीं के बाद छात्र ड्रोन ऑपरेशन, यूएवी मेंटेनेंस, जियोस्पेशियल एनालिसिस, रोबोटिक्स जैसे क्षेत्रों में डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट कोर्स करके इस क्षेत्र में प्रवेश कर सकते हैं। पीसीएस विषयों से 12वीं उत्तीर्ण जो छात्र इस क्षेत्र में उच्च शिक्षा हासिल करना चाहते हैं, वे बीटेक (रोबोटिक्स, एयरोनॉटिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स) के बाद स्पेशलाइजेशन कर सकते हैं। चूंकि ड्रोन एक फ्लाइंग रोबोट होता है इसलिए ड्रोन का अध्ययन रोबोटिक्स इंजीनियरिंग के अन्तर्गत ही किया जाता है। रोबोटिक्स इंजीनियरिंग के अंतर्गत ड्रोन की डिजाइनिंग, उनका अनुरक्षण, नए एप्लिकेशन का विकास और अनुसंधान जैसे काम सम्मिलित किए जाते हैं। ड्रोन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए कम्प्यूटर का उपयोग किया जाता है। इंजीनियरिंग की रोबोटिक्स शाखा में ड्रोन का विकास तथा उपयोग करने के लिए तकनीकी दक्षता सिखाई जाती है। इसमें डिजाइन इंस्ट्रक्शन, ऑपरेशन टेस्टिंग, सिस्टम मेंटिनेंस तथा रिपेयरिंग आदि शामिल हैं। इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने के लिए, कई शॉर्ट टर्म कोर्सेज भी संचालित हो रहे हैं, जैसे कि सर्टिफिकेट कोर्स (तीन से छह महीने)- डीजीसीए अप्रूव्ड ड्रोन पायलट ट्रेनिंग, डिप्लोमा इन यूएवी टेक्नोलॉजी, इस क्षेत्र की जरूरत के अनुसार कई विशेष कोर्सेज भी संचालित हो रहे हैं, जैसे कि ड्रोन रिपेयर टेक्निशियन, जीआईएस मैपिंग विद ड्रोन डाटा एनालिसिस आदि। एनआईआईटी समेत कुछ निजी संस्थान इन दिनों ड्रोन स्किल डेवलपमेंट ट्रेनिंग भी प्रदान कर रहे हैं। इसके अलावा, ऑनलाइन प्लेटफार्म जैसे कोर्सेरा, फिज रोबोटिक, साल्यूशंस तथा स्किल इंडिया पोर्टल के माध्यम से भी ड्रोन से संबंधित कोर्स किए जा सकते हैं।

ड्रोन टेक्नोलॉजी में कॅरियर के लिए बढ़ाएं कदम

ड्रोन टेक्नोलॉजी से संबंधित पाठ्यक्रम देश के विभिन्न भागों में स्थित टेक्नोलॉजी इंजीनियरिंग इंस्टीट्यूट तथा विभिन्न निजी ड्रोन प्रशिक्षण इंस्टिट्यूट्स में ड्रोन टेक्नोलॉजी के कोर्स संचालित किए जा रहे हैं। ऐसे में उपयुक्तता और गुणवत्ता के आधार पर किसी उपयुक्त संस्थान का चयन कर ड्रोन टेक्नोलॉजी में अच्छे कॅरियर की डगर पर आगे बढ़ा जा सकता है।

- डॉ. जयंतीलाल भंडारी

(लेखक, कॅरियर मार्गदर्शन के लिए लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में प्रतिष्ठित हैं।)

योजना

शहरों के विकास में महत्वपूर्ण कदम साबित हुई अमृत योजना

अटल मिशन फॉर रिजुवेनेशन एंड अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन (एएमआरयूटी)। इस अमृत योजना के 10 वर्ष पूरे हो गए हैं। यह शहरों में जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने की एक बड़ी पहल है। 25 जून 2015 को शुरू किए गए इस मिशन का उद्देश्य शहरी क्षेत्रों में जल आपूर्ति, सीवरेज, शहरी परिवहन और पार्क जैसी बुनियादी सेवाएं प्रदान करना है। अमृत योजना का एक दशक पूरा हो चुका है। यह समावेशी नियोजन, कुशल सेवा वितरण और सतत विकास पर केंद्रित भारत के शहरी विकास दृष्टिकोण में एक महत्वपूर्ण बदलाव का प्रतीक है। मिशन ने स्थानीय निकायों को मजबूत करके पानी, स्वच्छता तथा हरित क्षेत्रों जैसी मुख्य सेवाओं में सुधार किया है। इस योजना ने देशभर में भविष्य की दृष्टि से विकसित शहरों के लिए एक मजबूत नींव रखी है। इसमें बुनियादी ढांचे का निर्माण करने के साथ गरीबों को बेहतर सेवाएं प्रदान करना शामिल है। इसके तहत जल आपूर्ति और सीवरेज को सर्वोच्च प्राथमिकता है। बच्चों और बुजुर्गों के लिए सुविधाओं से लैस पार्कों के लिए परियोजना लागत के 2.5 प्रतिशत प्रदान किया गया। मिशन में 500 चयनित शहर और कस्बे शामिल हैं। यह एक केन्द्र प्रयोजित योजना है।

अटल मिशन (एएमआरयूटी) का उद्देश्य

प्रत्येक घर में जल, नल और सीवरेज कनेक्शन की उपलब्धता सुनिश्चित करना।

हरियाली और अच्छी तरह से बनाए गए खुले स्थानों पार्क आदि का विकास करके शहरों की सुविधाओं में वृद्धि करना। सार्वजनिक परिवहन अपनाना, बिजली चलित परिवहन का उपयोग करना, पैदल चलना तथा साइकिल चलाने के लिए सुविधाओं का निर्माण करके प्रदूषण को कम करना।

क्या शामिल है योजना में

अमृत के घटकों में क्षमता निर्माण, सुधार कार्यान्वयन, जल आपूर्ति, सीवरेज और सैप्टेज प्रबंधन, वर्षा के जल की निकासी, शहरी परिवहन और हरित क्षेत्रों और पार्कों का विकास शामिल है। पिछले 10 वर्षों में, शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) ने नियोजन और कार्यान्वयन प्रक्रिया के दौरान भौतिक अधोसंरचना घटकों में स्मार्ट सुविधाओं को एकीकृत करने का प्रयास किया है ।

मिशन के घटक

जलापूर्ति

- जल आपूर्ति प्रणालियों में मौजूदा जल आपूर्ति का संवर्धन, जल उपचार संयंत्र और सार्वभौमिक मीटरिंग शामिल हैं।
- उपचार संयंत्रों सहित पुरानी जल आपूर्ति प्रणालियों को पुनःस्थापित करना।
- विशेष रूप से पेयजल आपूर्ति और भूजल पुनर्भरण के लिए जल निकायों का पुनरुद्धार।

सीवरेज

- विकेन्द्रीकृत, नेटवर्कयुक्त भूमिगत सीवरेज प्रणालियां, इनमें मौजूदा सीवरेज प्रणालियों और सीवेज उपचार संयंत्रों का संवर्धन किया जाता है।
- पुरानी सीवरेज प्रणाली और उपचार संयंत्रों का पुनर्वास।
- लाभकारी उद्देश्यों के लिए जल का पुनर्चक्रण तथा अपशिष्ट जल का पुनः उपयोग।

सैप्टेज

- मल-गाद प्रबंधन प्रभावी तरीके से सफाई, परिवहन और उपचार।
- सीवरों और सैप्टिक टैंकों की यांत्रिक और जैविक सफाई तथा परिचालन लागत की पूर्ण वसूली।

शहरी परिवहन

- बस और अंतर्देशीय जलमार्गों (बंदरगाह, खाड़ी अवसंरचना को छोड़कर) के लिए नौका और बड़ी नौका।
- फुटपाथ, पथ, पटरी, फुट ओवर ब्रिज और गैर-मोटर चलित परिवहन जैसे साइकिल आदि के लिए सुविधाएं।
- बस रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (बीआरटीएस)।

हरित स्थान और पार्क

बच्चों के अनुकूल घटकों के लिए विशेष प्रावधान के साथ हरित स्थान और पार्कों का विकास।

क्षमता निर्माण

- इसके दो घटक हैं- व्यक्तिगत और संस्थागत क्षमता निर्माण।
- क्षमता निर्माण केवल शहरों तक ही सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसे अन्य शहरी स्थानीय निकायों तक भी विस्तारित किया जाएगा।
- नए मिशनों के प्रति पुनर्गठन के बाद व्यापक क्षमता निर्माण कार्यक्रम (सीसीबीपी) को जारी रखना।

अमृत के अंतर्गत उपलब्धियां

अमृत 2.0

अमृत 2.0 को 1 अक्टूबर 2021 को शुरू किया गया था। यह सभी शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) को कवर करता है और इसका उद्देश्य शहरों को जल सुरक्षित और आत्मनिर्भर बनाना है। इसका प्रमुख लक्ष्य मूलरूप से 500 अमृत शहरों में सीवरेज और सेप्टेज प्रबंधन की सार्वभौमिक कवरेज प्रदान करना है। अमृत 2.0 के लिए कुल सांकेतिक परिव्यय 2 लाख 99 हजार करोड़ रुपये है इसमें पांच वर्षों के लिए 76 हजार 760 करोड़ रुपये केंद्र का हिस्सा है।

आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय ने अमृत 2.0 के अंतर्गत "जल ही अमृत" पहल भी शुरू की है। यह राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को सीवेज संयंत्रों का कुशलता पूर्वक प्रबंधन करने के लिए प्रोत्साहित करती है। इसका उद्देश्य जल की उपलब्धता में सुधार करने और जल सुरक्षा का समर्थन करने के लिए जल का सुरक्षित तरीके से उपचार और पुनः उपयोग करना है।

अमृत 2.0 के अंतर्गत उपलब्धियां

जल आपूर्ति

- 1 लाख 14 हजार 220.62 करोड़ रुपये लागत की 3 हजार 568 जलापूर्ति परियोजनाओं को मंजूरी दी गई।
- 181 लाख नये नल कनेक्शन स्वीकृत किये गये।
- 10 हजार 647 एमएलडी जल उपचार संयंत्र क्षमता को मंजूरी दी गई।
- एससीएडीए प्रौद्योगिकी के साथ 1 हजार 487 जल आपूर्ति परियोजनाओं को मंजूरी दी गई।

सीवरेज और सैप्टेज प्रबंधन

- 67 हजार 607.67 करोड़ रुपये लागत की 592 सीवरेज/सैप्टेज प्रबंधन परियोजनाएं स्वीकृत (ओ एंड एम लागत शामिल)।
- 67.11 लाख नये सीवर कनेक्शन स्वीकृत।
- 6 हजार 739 एमएलडी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) क्षमता को मंजूरी दी गई।

अमृत एवं अमृत 2.0 की समग्र 10 वर्षों में उपलब्धियां

वास्तविक प्रगति

- अमृत और अमृत 2.0 के तहत 2 लाख 73 हजार 649 करोड़ रुपये की लागत वाली 14 हजार 828 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई।
- कुल मिलाकर लगभग 1 लाख 12 हजार 368 करोड़ रुपये मूल्य के कार्य भौतिक रूप से पूरे हो चुके हैं।

प्रमुख प्राप्त परिणाम

- 2.03 करोड़ नल कनेक्शन और 1.50 करोड़ सीवर कनेक्शन प्रदान किये गये।
- 9 हजार 511 एकड़ क्षेत्र में 544 जल निकायों का पुनरुद्धार किया गया।

- हितेश शर्मा

(लेखक सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

मध्यप्रदेश में औद्योगिक विकास और रोज़गार सृजन मुख्यमंत्री की पहल

मध्यप्रदेश में औद्योगिक विकास और रोज़गार सृजन के क्षेत्र में नई गति देखने को मिल रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश न केवल देश के साथ कदम मिला रहा है, बल्कि नवाचार और निवेश के मामले में भी अग्रणी बन रहा है। रतलाम में आयोजित रीजनल इंडस्ट्री, स्किल एंड एम्प्लॉयमेंट (राइज) कॉन्क्लेव इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस कॉन्क्लेव में 30 हजार 402 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिससे 35 हजार 520 रोज़गार के अवसर सृजित होंगे। यह लेख मध्यप्रदेश के औद्योगिक परिदृश्य, मुख्यमंत्री की घोषणाओं और राइज कॉन्क्लेव के प्रभाव को विस्तार से प्रस्तुत करता है।

मध्यप्रदेश का बदलता परिदृश्य

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का कहना है कि मध्यप्रदेश अब बदल रहा है। पहले रतलाम को सेव, साड़ियों और सोने के लिए जाना जाता था, लेकिन अब यह स्किल, स्केल और स्टार्टअप्स का केंद्र बन रहा है। प्रदेश में हर क्षेत्र में नवाचार हो रहे हैं, और निवेश के लिए अनुकूल माहौल बनाया गया है। मध्यप्रदेश का औद्योगिक विकास का कारवां रुकेगा नहीं, बल्कि और तेज गति से आगे बढ़ेगा। रतलाम की भौगोलिक स्थिति इसे विशेष बनाती है, और जल्द ही प्रदेश में एयर कार्गो सुविधा शुरू होने से माल परिवहन में और सुगमता आएगी।

राइज कॉन्क्लेव-निवेश और रोज़गार का नया दौर

रतलाम में आयोजित राइज कॉन्क्लेव में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए। मुख्यमंत्री ने 4 लाख से अधिक हितग्राहियों को 3,861 करोड़ रुपये का ऋण सिंगल क्लिक के माध्यम से वितरित किया। इसके अलावा, 6,000 करोड़ रुपये से अधिक निवेश करने वाली 35 औद्योगिक इकाइयों को भूमि आवंटन पत्र प्रदान किए गए, जो 17,600 से अधिक रोज़गार के अवसर सृजित करेंगी। साथ ही 2,012 करोड़ रुपये की लागत वाली 94 औद्योगिक इकाइयों और क्लस्टर्स का लोकार्पण और भूमिपूजन किया गया।

मुख्यमंत्री ने 288 एमएसएमई इकाइयों को 270 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि और 140 वृहद औद्योगिक इकाइयों को 425 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता भी प्रदान की। इसके अतिरिक्त, 538 एमएसएमई इकाइयों को भू-खंड आवंटन पत्र दिए गए। ये कदम छोटे और मध्यम उद्यमियों को प्रोत्साहित करने और प्रदेश में उद्योग-फ्रेंडली माहौल बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण है।

मुख्यमंत्री की प्रमुख घोषणाएं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कॉन्क्लेव में कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं, जो मध्यप्रदेश के औद्योगिक और सामाजिक विकास को गति प्रदान करेंगी :

1. **ग्रीन एनर्जी को प्रोत्साहन :** पर्यावरण संरक्षण के लिए ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने के लिए, पूर्व स्थापित एमएसएमई इकाइयों को नवकरणीय ऊर्जा संयंत्र स्थापना के लिए निवेश पर उद्योग विकास अनुदान दिया जाएगा।
2. **ग्रामीण विकास :** मेगा इन्वेस्टमेंट रीजन के आसपास के 6 ग्रामों (बिबड़ौद, पलसोड़ी, रामपुरिया, सरवनीखुर्द, जामथुन, और जुलवानिया) में मार्ग निर्माण, सामुदायिक भवन, और अधोसंरचना विकास के लिए प्रति ग्राम पंचायत 50 लाख रुपये की स्वीकृति।
3. **विद्युत अधोसंरचना :** रतलाम के औद्योगिक क्षेत्रों में 220 किलोवॉट विद्युत लाइन की व्यवस्था।
4. **खेल और पर्यटन विकास :** रतलाम के पोलो ग्राउंड में अंतर्राष्ट्रीय मानकों का हॉकी एस्ट्रो टर्फ और कालिका माता परिसर के लिए सैटेलाइट टाउन का निर्माण।
5. **हवाई पट्टी :** रतलाम में बड़ी हवाई पट्टी का निर्माण।

प्रमुख निवेश और रोज़गार सृजन

राइज कॉन्क्लेव में कई प्रमुख कंपनियों ने निवेश प्रस्ताव पेश किए, जिनका कुल निवेश 30,402 करोड़ रुपये है और इससे 35,520 रोज़गार के अवसर सृजित होंगे। एसआरएफ ने रतलाम में 9,200 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित किया, जिससे 7,000 रोज़गार सृजित होंगे। जैक्सन ग्रुप (सौर) ने मक्सी, शाजापुर में 6,000 करोड़ रुपये के निवेश से 7,500 रोज़गार, ओरियाना पावर ने रतलाम/मोहासा बाबई में 5,000 करोड़ रुपये के निवेश से 6,500 रोज़गार, और ओस्टवाल समूह ने झाबुआ में 5,000 करोड़ रुपये के निवेश से 5,000 रोज़गार के अवसर प्रस्तावित किए। शक्ति पंप ने धार में 1,500 करोड़ रुपये के निवेश से 2,250 रोज़गार, श्री तिरुपति बालाजी ने रतलाम/मोहासा बाबई में 1,500 करोड़ रुपये के निवेश से 2,300 रोज़गार, और एकेटी गियर्स ने इंदौर/देवास/उज्जैन में 500 करोड़ रुपये के निवेश से 700 रोज़गार का प्रस्ताव रखा। इसके अतिरिक्त, अमीटेक्स एग्रो ने आगर मालवा में 250 करोड़ रुपये से 400 रोज़गार, कृष्णा फोस्केम ने झाबुआ में 217 करोड़ रुपये से 500 रोज़गार, मेसर्स दुर्गा खांडसारी चीनी मिल ने कुक्षी धार में 175 करोड़ रुपये से 400 रोज़गार, टेक्नोप्लास्ट पैकेजिंग ने ग्वालियर में 150 करोड़ रुपये से 250 रोज़गार, डायसिन फार्मास्यूटिकल्स ने पीथमपुर, धार में 100 करोड़ रुपये से 300 रोज़गार, स्काईलार्क प्रोटीन्स ने उज्जैन में 100 करोड़ रुपये से 220 रोज़गार, मितल सोया प्रोटीन ने नीमच/देवास में 50 करोड़ रुपये से 200 रोज़गार, और बीबा फैशन ने धार में 50 करोड़ रुपये से 2,000 रोज़गार सृजित करने की योजना बनाई। अन्य एमएसएमई प्रस्तावों से 610 करोड़ रुपये का निवेश प्राप्त हुआ।

मुख्यमंत्री ने बताया कि मध्यप्रदेश में निवेशकों को आकर्षित करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। 29 जून को सूरत में रोड-शो आयोजित किया जाएगा, और अन्य शहरों में भी इसी तरह के कार्यक्रम होंगे। फरवरी में लागू की गई 18 नई औद्योगिक नीतियों ने निवेशकों का भरोसा बढ़ाया है। प्रदेश में 340 से अधिक औद्योगिक क्षेत्र, 10 फूड पार्क, 5 एसईजेड, और 2 स्पाइस पार्क संचालित हैं। पर्याप्त लैंड बैंक और सरप्लस बिजली की उपलब्धता भी निवेशकों के लिए आकर्षण का केंद्र है।

उद्योगपतियों की भागीदारी और विचार

कॉन्क्लेव में देश के प्रमुख उद्योगपतियों ने हिस्सा लिया और अपने विचार साझा किए। एसआरएफ लिमिटेड के प्रेसिडेंट श्री प्रशांत मेहरा ने कहा कि मध्यप्रदेश निवेश के लिए एक बेहतरीन गंतव्य है। उनकी कंपनी 9,500 करोड़ रुपये का निवेश करेगी, जिससे 4,000 लोगों को रोज़गार मिलेगा। इप्का लैबोरेटरीज के एमडी श्री अजीत जैन ने बताया कि मध्यप्रदेश में उनकी कंपनी ने 2,500 करोड़ का निवेश किया है, और जल्द ही 1,000 करोड़ का अतिरिक्त निवेश होगा। जील एंटरप्राइजेस के श्री दीनबंधु त्रिवेदी ने कहा कि उनकी कंपनी ने 20,000 युवाओं को प्रशिक्षण दिया है, और रतलाम में भी नई यूनिट स्थापित की जाएगी।

सेक्टोरल सत्र और समझौते

कॉन्क्लेव में तीन समानांतर सेक्टोरल सत्र आयोजित किए गए, जिनमें निवेश नीतियों, एमएसएमई विकास, और कौशल विकास पर चर्चा हुई। इसके अलावा, एमएसएमई विभाग और वॉलमार्ट के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए, जिससे छोटे उद्यमियों को बेहतर मार्केट कनेक्टिविटी मिलेगी।

निष्कर्ष

मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में औद्योगिक विकास और रोज़गार सृजन की दिशा में अभूतपूर्व प्रगति हो रही है। राइज कॉन्क्लेव जैसे आयोजनों ने न केवल निवेश को आकर्षित किया है, बल्कि प्रदेश को एक वैश्विक निवेश केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। ग्रीन एनर्जी, अधोसंरचना विकास, और कौशल विकास जैसे कदम मध्यप्रदेश को देश का अग्रणी प्रदेश बनाने की दिशा में सकारात्मक संकेत हैं।

- निशांत शर्मा

(लेखक, सममायिक विषयों पर लेखन करते हैं)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण प्रश्नोत्तर

सामान्य हिन्दी

1. **ब्रज भाषा क्या है?**
अ. पश्चिमी हिन्दी
ब. बिहारी हिन्दी
स. पहाड़ी हिन्दी
द. पूर्वी हिन्दी
उत्तर- अ. पश्चिमी हिन्दी

2. **'मगही' किस भाषा की बोली है?**
अ. पश्चिमी हिन्दी
ब. पूर्वी हिन्दी
स. बिहारी हिन्दी
द. राजस्थानी हिन्दी
उत्तर- स. बिहारी हिन्दी

3. **हिन्दी की आदि जननी है?**
अ. प्राकृत ब. पाली
स. अपभ्रंश द. संस्कृत
उत्तर- द. संस्कृत

4. **हिन्दी की विशिष्ट बोली ब्रजभाषा किस रूप में सबसे अधिक प्रसिद्ध है?**
अ. तकनीकी भाषा
ब. राष्ट्रभाषा
स. काव्य भाषा
द. राज भाषा
उत्तर- स. काव्य भाषा

5. **हिन्दी किस परिवार की भाषा है?**
अ. द्रविड़ ब. आस्ट्रिक
स. चीनी-तिब्बती द. भारोपीय
उत्तर- द. भारोपीय

6. **हिन्दी वर्णमाला में 'अयोगवाह' वर्ण कौन से हैं?**
अ. इ, ई ब. उ, ऊ
स. अं, अः द. अ, आ
उत्तर- स. अं, अः

7. **हिन्दी भाषा के विकास का सही क्रम कौनसा है?**
अ. प्राकृत - अपभ्रंश - हिन्दी - पाली
ब. पाली -प्राकृत - अपभ्रंश - हिन्दी
स. हिन्दी - पाली - अपभ्रंश - प्राकृत
द. अपभ्रंश - पाली - प्राकृत - हिन्दी
उत्तर- ब. पाली-प्राकृत - अपभ्रंश - हिन्दी

8. **किस भारतीय राज्य ने सबसे पहले हिन्दी को अपनी राजभाषा के रूप में अपनाया?**
अ. उत्तरप्रदेश ब. बिहार
स. असम द. मध्यप्रदेश
उत्तर- ब. बिहार

9. **हिन्दी के बाद कौनसी भाषा वैश्विक मंच पर भारत में सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है?**
अ. तमिल ब. बंगाली
स. उर्दू द. तेलुगू
उत्तर- ब. बंगाली

10. **भारतीय संविधान की किस अनुसूची में भाषाओं का जिक्र किया गया है?**
अ. 5वीं ब. 6वीं
स. 7वीं द. 8वीं
उत्तर- द. 8वीं अनुसूची

11. **'प' वर्ग का उच्चारण स्थान है?**
अ. दन्त ब. कण्ठ
स. ओष्ठ द. मूर्द्धा
उत्तर- स. ओष्ठ

12. **'झूठ मत बोलो' इस वाक्य में 'मत' कौन सा निपात है?**
अ. सीमा बोधक
ब. अवधारण बोधक
स. तुलना बोधक
द. निषेध बोधक
उत्तर- द. निषेध बोधक

13. **'च' वर्ग का उच्चारण स्थान है?**
अ. कण्ठ
ब. तालु
स. ओष्ठ
द. इनमें से कोई नहीं
उत्तर- ब. तालु

14. **'तुम अपने काम में सफल रहो' कौन सा वाक्य है?**
अ. सन्देहवाचक वाक्य
ब. विधिवाचक वाक्य
स. इच्छावाचक वाक्य
द. निषेधवाचक वाक्य
उत्तर- स. इच्छावाचक वाक्य

15. **क्ष और त्र में कौन सा व्यंजन है?**
अ. संयुक्त व्यंजन
ब. ऊष्म व्यंजन
स. 'त' वर्गीय व्यंजन
द. इनमें से कोई नहीं
उत्तर- अ. संयुक्त व्यंजन

16. **"माँ ने बच्चे को सुलाया' इस वाक्य में 'को' किस प्रकार की विभक्ति है?**
अ. सम्बद्ध ब. कर्म
स. करण द. अपादान
उत्तर- ब. कर्म विभक्ति

17. **भारत में हिन्दी दिवस कब मनाया जाता है?**
अ. 14 सितंबर ब. 15 सितंबर
स. 16 सितंबर द. 20 सितंबर
उत्तर- अ. 14 सितंबर

18. **5वां विश्व हिन्दी सम्मेलन कहां आयोजित किया गया था?**
अ. त्रिनिदाद - टोबेगो 1996
ब. पोर्टलुई - मारीशस 1976
स. भोपाल - भारत 2015
द. नई दिल्ली - भारत 1983
उत्तर- अ. त्रिनिदाद - टोबेगो 1996

19. **देवनागरी लिपि के विषय में क्या सत्य नहीं है?**
अ. यह दायें से बायें लिखी जाती है
ब. इसकी उत्पत्ति नागर ब्राह्मणों से मानी जाती है
स. यह वर्णनात्मक लिपि है
द. इसमें शिरोरेखा का प्रयोग किया जाता है
उत्तर- अ. यह दायें से बायें लिखी जाती है

20. **'अवधी' किस उपभाषा की बोली मानी जाती है?**
अ. पूर्वी हिन्दी
ब. पश्चिमी हिन्दी
स. राजस्थानी
द. पहाड़ी हिन्दी
उत्तर- अ. पूर्वी हिन्दी

21. **हिन्दी उपभाषाओं को .... वर्गों में विभाजित किया गया है?**
अ. चार ब. पांच
स. छः द. तीन
उत्तर- ब. पांच

22. **अनुच्छेद 351 में हिन्दी के लिए क्या प्रावधान है?**
अ. हिन्दी राष्ट्र भाषा है
ब. हिन्दी भारत की राज भाषा है
स. हिन्दी भाषा के प्रचार एवं प्रसार की व्यवस्था
द. इनमें से कोई नहीं
उत्तर- स. हिन्दी भाषा के प्रचार एवं प्रसार की व्यवस्था

23. **'संघ की राज भाषा हिन्दी और लिपि देवनागरी होगी' यह भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में लिखा गया है?**
अ. 343 ब. 344
स. 345 द. 347
उत्तर- अ. 343

24. **'ज्ञ' अक्षर क्या है?**
अ. दीर्घ व्यंजन ब. लघु स्वर
स. संयुक्त व्यंजन द. दीर्घ स्वर
उत्तर- स. संयुक्त व्यंजन

25. **हिन्दी शब्द की उत्पत्ति किस भाषा से मानी जाती है?**
अ. मराठी ब. फारसी
स. संस्कृत द. गुजराती
उत्तर- ब. फारसी

26. **विश्व हिन्दी दिवस का आयोजन कब किया जाता है?**
अ. 10 जनवरी ब. 10 फरवरी
स. 14 मार्च द. 14 सितंबर
उत्तर- अ. 10 जनवरी

27. **हिन्दी भाषा भारत की .... है?**
अ. औपचारिक भाषा
ब. राजभाषा
स. राष्ट्रभाषा
द. भाषा तकनीक
उत्तर- ब. राजभाषा

28. **आधुनिक भारतीय आर्यभाषा का काल क्रम कब से कब तक का है?**
अ. 1 से 500 ई. तक
ब. 500 ई. से 1000 ई. तक
स. 1000 ई. से अब तक
द. 1500 ई. पूर्व से 800 ई. पूर्व तक
उत्तर- स. 1000 ई. से अब तक

29. **1964 में किस हिंदी प्रचार सभा को राष्ट्रीय महत्व की संस्था' घोषित किया गया?**
अ. हिन्दी प्रचार सभा
ब. दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा
स. राष्ट्र भाषा प्रचार समिति
द. नागरी प्रचारिणी सभा
उत्तर- ब. दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा

30. **पश्चिमी और पूर्वी हिंदी में अंतर का आधार है?**
अ. क्षेत्र
ब. व्युत्पत्ति
स. भाषा शास्त्रीय अर्थ
द. उपरोक्त सभी
उत्तर- द. उपरोक्त सभी

31. **स्वर संधि कितने प्रकार की होती है?**
अ. 2 ब. 3
स. 4 द. 5
उत्तर- द. 5 प्रकार

32. **वर्तमान में भारतीय संविधान में कितनी राज भाषाएं वर्णित हैं?**
अ. 24 ब. 22
स. 14 द. 25
उत्तर- ब. 22

33. **'डोगरी' भाषा भारत के किस राज्य क्षेत्र में बोली जाती है?**
अ. जम्मू और कश्मीर
ब. पुदुचेरी
स. अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह
द. नागालैंड
उत्तर- अ. जम्मू और कश्मीर

34. **प्रत्यय कितने प्रकार के होते हैं?**
अ. दो ब. तीन
स. पांच द. सात
उत्तर- अ. दो

35. **उषा सुनहरे तीर बरसती जय लक्ष्मी-सी उदित हुई। उपरोक्त पंक्तियों में कौन सा अलंकार है?**
अ. रूपक ब. उत्प्रेक्षा
स. मानवीकरण द. उपमा
उत्तर- स. मानवीकरण

36. **जहां उपमेय और उपमान की समानता के कारण उपमेय में उपमान की संभावना या कल्पना की जाए तो कौन सा अलंकार होता है?**
अ. रूपक ब. उत्प्रेक्षा
स. श्लेष द. उपमा
उत्तर- ब. उत्प्रेक्षा अलंकार

37. **उपमा अलंकार के कितने अंग होते हैं?**
अ. तीन ब. पांच
स. दो द. चार
उत्तर- द. चार

38. **जगदीश ! आप चाहें कुछ भी कहें, मैं तो इसे जगदीश की ही कृपा मानता हूं। इस वाक्य में कौन सा अलंकार है?**
अ. उपमा ब. उत्प्रेक्षा
स. श्लेष द. मानवीकरण
उत्तर- स. श्लेष अलंकार

39. **जहां एक शब्द बार-बार आए किंतु उसका अर्थ बदल जाए, वहां कौन सा अलंकार होता है?**
अ. अनुप्रास ब. यमक
स. रूपक द. उपमा
उत्तर- ब. यमक

40. **कुटिल, कुचाल, कुकर्म छोड़ दे पंक्ति में कौन सा अलंकार है?**
अ. अनुप्रास ब. मानवीकरण
स. उपमा द. रूपक
उत्तर- अ. अनुप्रास अलंकार

41. **हर्ष, शोक, आश्चर्य, प्रशंसा, घृणा आदि भावों को प्रकट करने वाले अविकारी शब्द कहलाते हैं?**
अ. समुच्चयबोधक
ब. विस्मयादिबोधक
स. संबंधबोधक
द. क्रिया विशेषण
उत्तर- ब. विस्मयादिबोधक

42. **खुशी के मारे वह पागल हो गया। वाक्य में कौन सा अविकारी शब्द है?**
अ. क्रिया विशेषण
ब. समुच्चय बोधक
स. संबंध बोधक
द. निपात
उत्तर- स. संबंध बोधक

43. **शिकारी ने लकड़हारे से पेड़ कटवाए। वाक्य में कौन सी क्रिया है?**
अ. सकर्मक क्रिया
ब. द्विकर्मक क्रिया
स. प्रेरणार्थक क्रिया
द. इनमें से कोई नहीं क्रिया
उत्तर- स. प्रेरणार्थक क्रिया

44. **एक से अधिक वर्णों के मेल को क्या कहा जाता है?**
अ. शब्द ब. स्वर
स. व्यंजन द. अनुस्वार
उत्तर- अ. शब्द

45. **इ, च, छ, ज, झ, आदि का उच्चारण किससे होता है?**
अ. कंठ से ब. मूर्धन्य से
स. तालु से द. ओष्ठ से
उत्तर- स. तालु से

46. **य, र, ल, व, को कौन सा व्यंजन कहते हैं?**
अ. स्पर्श
ब. अंतस्थ
स. ऊष्म
द. इनमें से कोई नहीं
उत्तर- ब. अंतस्थ व्यंजन

47. **जो सर्वनाम आदि शब्दों से जुड़कर नए शब्दों की रचना करते हैं, उन प्रत्यय को क्या कहते हैं?**
अ. तद्धित प्रत्यय
ब. कृदन्त प्रत्यय
स. संस्कृत प्रत्यय
द. अनिय प्रत्यय
उत्तर- अ. तद्धित प्रत्यय

48. **क्रिया के जिस रूप से क्रिया निष्पादन के समय का ज्ञान हो उसे क्या कहते हैं?**
अ. पक्ष ब. काल
स. भूतकाल द. वाच्य
उत्तर- ब. काल

- डॉ. राम मनोहर उपाध्याय
(लेखक, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल के जनसंचार विभाग में अतिथि शिक्षक हैं।)

प्रदेश में बाढ़ नियंत्रण के सभी एहतियाती उपाय किए जाएं

भोपाल, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने कहा कि विभागीय अधिकारी प्रदेश में बांधों एवं जलाशयों में जल भराव की स्थिति की निरंतर निगरानी करें और बाढ़ नियंत्रण के सभी एहतियाती उपाय करें। संबंधित विभागों के साथ निरंतर समन्वय स्थापित कर आपदा प्रबंधन और नियंत्रण के सभी प्रयास करें। प्रदेश में कहीं से भी अतिवृष्टि अथवा बाढ़ की स्थिति की सूचना मिलने पर तत्परता के साथ कार्रवाई करें।

जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट ने मुख्य अभियंता, बोधी कार्यालय स्थित राज्य बाढ़ नियंत्रण कक्ष में विभागीय अधिकारियों की बैठक में प्रदेश में वर्षा एवं जल संरचनाओं में जल भराव की स्थिति की समीक्षा की एवं आवश्यक निर्देश दिए।

बैठक में बताया गया कि रिजवॉयर लेवल मॉनिटरिंग सिस्टम में चिह्नित प्रदेश के 286 प्रमुख बांधों में से आज की स्थिति में 6 जलाशयों में 90 प्रतिशत से अधिक, 07 में 75 प्रतिशत से 90 प्रतिशत तक, 22 जलाशयों में 50 प्रतिशत से 75 प्रतिशत तक, 43 जलाशयों में 25 प्रतिशत से 50 प्रतिशत तक, 52 जलाशयों में 10 प्रतिशत से 25 प्रतिशत तक तथा 156 जलाशयों में 10 प्रतिशत से कम जल भराव है। विगत वर्ष में आज दिनांक की स्थिति में प्रदेश के प्रमुख बांधो में लगभग 25.76 प्रतिशत औसत जलभराव था, जबकि इस वर्षाकाल में अच्छे मानसून के आगमन से प्रदेश के प्रमुख बांधों में जलभराव की स्थिति लगभग 35.34 प्रतिशत से अधिक है। इस प्रकार विगत वर्ष की तुलना में जल भराव की स्थिति 10.25 प्रतिशत अधिक है।

मानसून 2025 में मध्यप्रदेश में आज दिनांक तक 230.8 मिलीमीटर वास्तविक वर्षा दर्ज की गई है, जो प्रदेश की औसत वर्षा से 48 प्रतिशत अधिक है।

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद

पद का नाम - वैज्ञानिक 'बी'
पदों की संख्या - 25
योग्यता - एमएससी/बीई/बीटेक
अंतिम तिथि - 15 जुलाई, 2025
वेबसाइट - https://icfre.gov.in/recruitment

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन

पद का नाम - वैज्ञानिक/अभियंता (सिविल, वैद्युत, प्रशीतन एवं वातानुकूलन, वास्तुकला, पीएलआर)
पदों की संख्या - 39
योग्यता - किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम 65 प्रतिशत अंकों के साथ इंजीनियरिंग की डिग्री।
अंतिम तिथि - 14 जुलाई 2025
वेबसाइट - https://www.isro.gov.in

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, गुवाहाटी

पद का नाम - प्रोफेसर, एडिशनल प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर
पदों की संख्या - 64
योग्यता - भारतीय चिकित्सा परिषद अधिनियम के तहत मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय में चिकित्सा शिक्षा में एमएस/एमडी की डिग्री।
अंतिम तिथि - 15 जुलाई 2025
वेब. - https://aiimsguwahati.in

कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा)

पद का नाम - सहायक महाप्रबंधक (कृषि, व्यवसाय संवर्धन, वित्त, सूचना प्रौद्योगिकी), सहायक प्रबंधक (कृषि), कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक
पदों की संख्या - 18
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 14 जुलाई, 2025
वेबसाइट - https://apeda.gov.in

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रोपड़

पद का नाम - उप लाइब्रेरियन, चिकित्सा अधिकारी, सहायक रजिस्ट्रार (प्लेसमेंट), तकनीकी अधिकारी, सुरक्षा अधिकारी, काउंसलर, कनिष्ठ अधीक्षक, कनिष्ठ लेखा अधिकारी, सहायक खेल अधिकारी, शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशक, कनिष्ठ सहायक, कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
पदों की संख्या - 31
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 15 जुलाई, 2025
वेबसाइट - https://www.iitrpr.ac.in

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय

पद का नाम - असिस्टेंट प्रोफेसर
पदों की संख्या - 13
योग्यता - संबंधित विषय में स्नातकोत्तर डिग्री तथा यूजीसी नेट परीक्षा क्वालिफाई होना अनिवार्य
अंतिम तिथि - 15 जुलाई, 2025
वेबसाइट - https://www.curaj.ac.in

भारतीय स्टेट बैंक

पद का नाम - परिवीक्षाधीन अधिकारी
पदों की संख्या - 541
योग्यता - किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री।
अंतिम तिथि - 14 जुलाई, 2025
वेबसाइट - https://sbi.co.in

झारखंड कर्मचारी चयन आयोग

पद का नाम - माध्यमिक आचार्य संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा
पदों की संख्या - 1373
योग्यता - किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से संबंधित विषय में स्नातकोत्तर डिग्री तथा राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद से मान्यता प्राप्त संस्थान से शिक्षा में स्नातक (बी.एड.)
अंतिम तिथि - 17 जुलाई, 2025
वेब. - https://jssc.jharkhand.gov.in

संघ लोक सेवा आयोग

पद का नाम - क्षेत्रीय निदेशक, वैज्ञानिक अधिकारी, प्रशासनिक अधिकारी, कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, प्रबंधक ग्रेड-I, वरिष्ठ डिजाइन अधिकारी, वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (वैमानिकी, रसायन, कम्प्यूटर इंजीनियर, विद्युत, इलेक्ट्रॉनिकी, यांत्रिक, धातु विज्ञान, वस्त्र), वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी ग्रेड-I, वैज्ञानिक-बी, विधि अधिकारी, दंत चिकित्सक, डायलिसिस चिकित्सा अधिकारी, सहायक प्रोफेसर ग्रेड-III, सहायक केंद्रीय आसूचना अधिकारी ग्रेड-I, कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, सहायक निदेशक, उप निदेशक, सहायक विधायी परामर्शी, सहायक शिपिंग मास्टर, समुद्री सर्वेक्षक, सहायक पशु चिकित्सा सर्जन, विशेषज्ञ ग्रेड-II, कार्यकारी अभियंता
पदों की संख्या - 236
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 17 जुलाई, 2025
वेबसाइट - https://upsc.gov.in

जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज

पद का नाम - सहायक प्रोफेसर
पदों की संख्या - 28
योग्यता - न्यूनतम 55 प्रतिशत अंकों के साथ स्नातकोत्तर डिग्री।
अंतिम तिथि - 11 जुलाई, 2025
वेबसाइट - https://www.zakirhusaindelhicollege.ac.in

इंडिया ऑप्टेल लिमिटेड

पद का नाम - प्रोजेक्ट तकनीशियन (फिटर इंस्ट्रूमेंट, फिटर इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑप्टिकल वर्कर)
पदों की संख्या - 48
योग्यता - कक्षा 10वीं उत्तीर्ण हो तथा संबंधित ट्रेड में अप्रेंटिसशिप अधिनियम 1961 के अनुसार आईटीआई से पूर्णकालिक नियमित राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप प्रमाणपत्र (एनएसी)/राष्ट्रीय ट्रेड प्रमाणपत्र (एनटीसी) पाठ्यक्रम किया हो।
अंतिम तिथि - 18 जुलाई, 2025
वेब. - http://www.indiaoptel.in

एडमिशन अलर्ट

इंडो डेनिश टूल रूम

पाठ्यक्रम का नाम - डिप्लोमा इन टूल एवं डाई अंडर मैकेनिकल इंजीनियरिंग, डिप्लोमा इन एडवांस मेकाट्रॉनिक्स एंड इंडस्ट्रीयल ऑटोमेशन
योग्यता - किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड से कक्षा दसवीं के साथ आईटीआई उत्तीर्ण हो या भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित विषय के साथ कक्षा बारहवीं उत्तीर्ण हो।
आवेदन की अंतिम तिथि - 24 जुलाई, 2025
प्रवेश परीक्षा तिथि - 29 जुलाई, 2025
वेबसाइट - https://nild.nic.in

मध्यप्रदेश की नदियां

पौराणिक और आध्यात्मिक महत्व की नदी मध्यप्रदेश की मंदाकिनी

मध्यप्रदेश की धरती को प्रकृति ने नदियों की विपुलता से समृद्ध किया है। इसलिए प्रदेश को नदियों का मायका कहा जाता है। नदियां जीवन और प्रकृति संवर्धन का आधार हैं। नदी तट पर कई संस्कृतियों का निर्माण और विकास हुआ है। जल, जीवन की इस विरासत से आपको परिचित करवाने के लिए रोज़गार और निर्माण में मध्यप्रदेश की नदियां स्तम्भ शुरू किया है। इस अंक में प्रस्तुत है मध्यप्रदेश की मंदाकिनी नदी का परिचय

पवित्र पावनी मंदाकिनी नदी का उद्गम जिला सतना की मझगवां पहाड़ी से हुआ। यह नदी यमुना नदी का अपवाह क्षेत्र बनाती है इसकी लम्बाई 62 किलोमीटर है। मंदाकिनी नदी का आध्यात्मिक महत्व के साथ विशेष लोक महत्व है। विंध्याचल क्षेत्र से होकर बहने वाली यह नदी मात्र जल धारा नहीं है। इसमें संस्कृति और साधना समाहित है। मंदाकिनी नदी का प्रवाह चित्रकूट में मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश दो राज्यों में होकर बहता है। चित्रकूट से बहते हुए मंदाकिनी उत्तर प्रदेश के बांदा जिले में प्रवेश करती है आगे चलकर यमुना में विलीन हो जाती है।

उद्गम कथा

पौराणिक मान्यता है कि माता सती अनुसुइया के तप से मंदाकिनी गंगा का उद्गम हुआ है। पौराणिक कथा के अनुसार अत्रि ऋषि की तपस्या उपरांत समाधि टूटने पर उन्होंने देवी अनुसुइया से जल मांगा। संकट यह था कि वह स्थान निर्जन वन क्षेत्र था। अब पानी कहां से लेकर आएं। माता अनुसुइया ने मां गंगा का आह्वान किया। मां गंगा ने कहा आपके संकट को मैं समझती हूँ। मेरा इस धरती पर अवतरित होना संभव नहीं है। जल

प्राप्ति का एक उपाय है। इसी तपस्थली के पास की मिट्टी हटाने पर आपको जल मिल जायेगा। माता अनुसुइया ने तुरंत मिट्टी हटाई। मिट्टी हटाते ही जल स्रोत प्राप्त हुआ। मंद-मंद गति से उद्गम होने वाले इस गंगा प्रवाह को मंदाकिनी नदी नाम दिया गया।

मंदाकिनी नदी को लेकर पौराणिक मान्यताएं

मान्यतानुसार गंगा का स्वरूप होने से मंदाकिनी का नाम पयस्विनी भी हुआ जो स्थानीय बोली में पैसुनी हो गया। बघेली जन इसे पोहकानी नदी भी कहते हैं। इसकी महिमा में गाये जाने वाले गीतों में लोक मान्यता यह भी है कि मंदाकिनी का जल कई मानसिक और शारीरिक रोगों को दूर कर सकता है। श्रीराम चरित मानस में गोस्वामी तुलसीदास जी ने पयस्विनी नदी के माहात्म्य का उल्लेख किया है। जनश्रुति यह भी है कि भगवान श्रीराम ने अपने पिता का श्राद्ध पिण्ड जब इस नदी में अर्पित किया था तब समस्त देवता इस स्थल पर आ गए थे और वे यहीं रह गये, क्योंकि कुलगुरु ऋषि वशिष्ट पिण्ड दान के बाद विसर्जन मंत्र बोलना भूल गये।

चित्रकूट में पवित्र मंदाकिनी

चित्रकूट, मध्यप्रदेश के सतना जिले में स्थित है, यह प्रसिद्ध तीर्थ स्थल है।

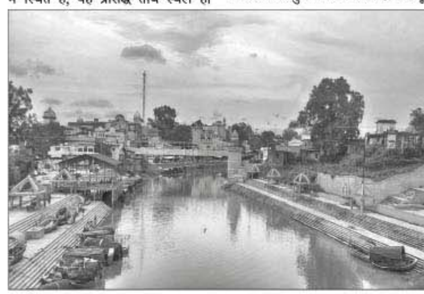

इसका धार्मिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और पुरातात्विक महत्व है। मंदाकिनी नदी मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश की सीमा पर स्थित है। यहां भगवान श्रीराम ने माता सीता और भाई लक्ष्मण के साथ लगभग 11 वर्ष बिताए थे। चित्रकूट में मंदाकिनी ऋषि-मुनियों के जप, तप, ध्यान, साधना और संस्कृति निर्माण की साक्षी रही है। यहां कंदराएं और सघन वन क्षेत्र, नैसर्गिक सौंदर्य प्रदान करते हैं वहीं यहां आध्यात्मिक चेतना का प्रवाह भी है।

रामकथा के प्रसंगों में मंदाकिनी का उल्लेख है मान्यता है कि भगवान श्रीराम ने माता सीता और भाई लक्ष्मण सहित वनवास काल के 11 वर्ष चित्रकूट में बिताये और यह चित्रकूट धाम बन गया। प्रसंगों में व्याप्त उल्लेख के अनुसार उन्होंने कामदगिरि पर्वत की परिक्रमा की थी। कामदगिरि की परिक्रमा से विशेष पुण्य प्राप्त होता है। इसी उत्साह के साथ चित्रकूट जाने वाले लोग कामदगिरि पर्वत की परिक्रमा करते हैं।

चित्रकूट में भगवान श्रीराम और माता सीता को महर्षि अत्रि और सति अनुसुइया का सानिध्य प्राप्त हुआ। मंदाकिनी के पवित्र जल में स्नान, शुद्धि और तर्पण का उपक्रम रहा। भगवान श्रीराम का मंदाकिनी के जल में स्नान, मानव जीवन का लौकिक और आध्यात्मिक संगम है। मंदाकिनी तट पर अलौकिक सौंदर्य के साथ उन्होंने कुछ समय बिताया है। भगवान राम, माता सीता और लक्ष्मण जी के अनुभवों की साक्षी हैं मंदाकिनी। रामकथा को तुलसीदास जी ने यहीं वाणी दी थी। रामायण में मंदाकिनी के स्वच्छ निर्मल जल, नदी का प्रवाह, प्राकृतिक सौंदर्य और शांति के अनुभव का उल्लेख है। रामकथा में घाटों पर होने वाले दर्शन, संवाद और पूजन की व्याख्या भी है। मंदाकिनी के जल से तन, मन की शुद्धता और रोगों से मुक्ति का भी वर्णन है। चित्रकूट का रामघाट मंदाकिनी तट पर बना भव्य घाट है। यहां प्रतिदिन संध्या आरती होती है और दीपदान किया जाता है। इस समय तट पर भक्तों का मेला लग जाता है।

मंदाकिनी नदी पर नौकाविहार अद्भुत आनंद की अनुभूति देता है। यहां शिकारा में बैठकर रात्रि को नौकायान करना विशेष अनुभव है। मंदाकिनी तट पर चित्रकूट में कई तीर्थ स्थल हैं सती अनुसुइया आश्रम में माता अनुसुइया ने त्रिदेवों को बालरूप में धारण कर मातृत्व प्रदान किया था। गुप्त गोदावरी मंदाकिनी की गोपनीयता का विस्तार है। कामदगिरि की परिक्रमा करते हुए मंदाकिनी के दर्शन होते है। पौराणिक मान्यता अनुसार मंदाकिनी मात्र नदी रूप नहीं है। वह देवी स्वरूप है। मंदाकिनी नदी की आध्यात्मिक चेतना पृथ्वी को आकाश से जोड़ती है। इसमें जल के औषधिक गुणों के कारण इसका उपयोग उपचार के लिए किया जाता था। ग्रामीण अंचलों में लोग इसे माई- मंदाकिनी कहते थे। मंदाकिनी अपने बच्चों का पूरा ध्यान भी रखती है। बुंदेलखण्ड की लोककथाओं, लोकगीत और परम्पराओं को मंदाकिनी को मां के रूप में पूजा जाता है। मां मंदाकिनी उन्हें आशीर्वाद भी देती है। मान्यता है कि दीप प्रवाहित करते समय जो कामना की जाए वह मनोकामना मां पूर्ण करती है। इस तरह चित्रकूट में प्रवाहमान मंदाकिनी नदी एक पूर्ण जीवन संस्कृति है। जहां भगवान श्री राम के पदचिह्न है। माता अनुसूइया की शक्ति है। महर्षि बाल्मिकी की वाणी और संत तुलसीदास जी की रामकथा है। यहां की जल धारा में प्रकृति पुरुष का संगम है। यह भारतीय दर्शन और सांस्कृतिक चेतना का प्रवाह है।

- देवेन्द्र गोरे
(लेखक, सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

खेल चर्चा

नीरज चोपड़ा बने विश्व के नंबर वन भालाफेंक खिलाड़ी

नई दिल्ली, भारत के स्टार भालाफेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने 9 महीने बाद अपनी नंबर वन की कुर्सी हासिल कर ली है। वह फिर से दुनिया के नंबर वन भालाफेंक खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स को पछाड़कर नंबर वन पोजिशन हासिल की है। वर्ल्ड एथलेटिक्स ने भालाफेंक रैंकिंग को अपडेट किया है, जिसमें नीरज का फायदा हुआ। पाकिस्तान के मौजूदा ओलंपिक चैम्पियन अरशद नदीम भालाफेंक रैंकिंग में चौथे स्थान पर लुढ़क गए हैं। रैंकिंग में नीरज चोपड़ा के 1445 अंक हो गए हैं, जबकि एंडरसन पीटर्स के 1431 अंक रह गए हैं। इसके अलावा पाकिस्तान के अरशद नदीम 1370 अंकों के साथ चौथे स्थान पर हैं। दोहा डायमंड लीग में 91.06 मीटर के प्रयास के साथ शीर्ष पर रहने वाले जूलियन वेबर रैंकिंग में तीसरे स्थान पर हैं। टोक्यो ओलंपिक के रजत पदक विजेता जैकब वडलेज शीर्ष पांच में शामिल हैं।

राष्ट्रीय खेल नीति-2025 को मिली स्वीकृति

भारत को वैश्विक खेल महाशक्ति बनाने की दिशा में कदम

नई दिल्ली, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने देश में राष्ट्रीय खेल नीति (एनएसपी)-2025 को मंजूरी प्रदान की है। नई राष्ट्रीय खेल नीति मौजूदा राष्ट्रीय खेल नीति-2001 का स्थान लेगी। एनएसपी-2025 का लक्ष्य भारत को एक वैश्विक खेल महाशक्ति के रूप में स्थापित करना है।

केंद्रीय मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने राष्ट्रीय खेल नीति-2025 को लागू करने की जानकारी देते हुए बताया कि नई राष्ट्रीय खेल नीति का उद्देश्य वर्ष 2047 तक भारत को शीर्ष पांच खेल राष्ट्रों में से एक बनाना है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा खेलों पर खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में खेल प्रतिभाओं को आगे लाने के लिए ध्यान केंद्रित किया गया है, नई राष्ट्रीय खेल नीति इसी प्रयास का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि यह देश के खेल परिदृश्य को नया आकार देने और खेलों के माध्यम से नागरिकों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से एक ऐतिहासिक पहल है। नई खेल नीति भारत को एक वैश्विक खेल महाशक्ति के रूप में स्थापित करने तथा वर्ष 2036 के ओलंपिक खेलों सहित अंतर्राष्ट्रीय खेल आयोजनों में उत्कृष्टता के लिए एक मजबूत दावेदार के रूप में स्थापित करने के लिए एक दूरदर्शी और रणनीतिक रोडमैप प्रस्तुत करेगी। उन्होंने कहा कि इसका दूसरा मुख्य उद्देश्य खेल को जन आंदोलन बनाना है। एनएसपी-2025 को केंद्रीय मंत्रालयों, नीति आयोग, राज्य सरकारों, राष्ट्रीय खेल महासंघों, खिलाड़ियों, खेल विशेषज्ञों और सार्वजनिक हितधारकों के साथ व्यापक परामर्श के बाद तैयार किया गया है।

पांच स्तंभों पर आधारित है नई खेल नीति - प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 'खेलो भारत नीति' को अपनी सरकार की ओर से मंजूरी दिए जाने के बाद कहा कि यह भारत के प्रतिभावान खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने और देश को खेलों का केंद्र बनाने के प्रयासों के लिए एक ऐतिहासिक दिन है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि यह नीति पांच स्तंभों पर आधारित है- वैश्विक मंच पर उत्कृष्टता, आर्थिक विकास के लिए खेल, सामाजिक विकास के लिए खेल, लोगों के आंदोलन के रूप में खेल और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से शिक्षा के साथ एकीकरण।

मध्यप्रदेश के अद्वैत ने राष्ट्रीय तैराकी में जीता रजत पदक

भुवनेश्वर, मध्यप्रदेश के युवा तैराक अद्वैत पागे ने भुवनेश्वर में आयोजित आठवीं सीनियर राष्ट्रीय तैराकी प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अपने नाम किया है। प्रतियोगिता में अद्वैत ने पुरुषों की 400 मीटर व्यक्तिगत मेडले स्पर्धा में 4 मिनट 26.90 सेकेंड का समय निकालकर दूसरा स्थान हासिल किया। इस स्पर्धा में कर्नाटक के शॉन गांगुली ने 4 मिनट 24.64 सेकेंड के साथ स्वर्ण पदक जीता, वहीं गुजरात के आर्यन नेहरा ने कांस्य पदक अपने नाम किया।

लैंडो नॉरिस ने जीती ऑस्ट्रियन ग्रांप्री रेस

स्पीलबर्ग, ब्रिटेन के युवा कार रेसर लैंडो नॉरिस ने एक बार फिर फॉर्मूला-वन में अपनी रफ्तार का जलवा दिखाया। टीम मैक्लेरन के लिए रेसिंग करने वाले नॉरिस ने ऑस्ट्रियन ग्रांप्री रेस जीत ली है। नॉरिस ने अपने ही टीम साथी ऑस्कर पिएस्त्री को हराकर यह रेस जीती है। 70 लैप की इस रेस को नॉरिस ने एक घंटा 23 मिनट और 47.693 सेकेंड में खत्म किया। रेस में ऑस्कर पिएस्त्री दूसरे, चार्ल्स लेक्लर्क तीसरे, लुईस हैमिल्टन चौथे और जॉर्ज रसेल पांचवें स्थान पर रहे। मौजूदा फॉर्मूला-वन सत्र में नॉरिस की यह तीसरी जीत है, इससे पहले वह ऑस्ट्रेलियन ग्रांप्री और मोनाको ग्रांप्री रेस जीत चुके हैं।

भारत के आर. प्रगाननंदा ने जीता उज चेस कप मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट

ताशकंद, भारत के युवा शतरंज खिलाड़ी आर. प्रगाननंदा ने वर्ष की अपनी शानदार जीत का सिलसिला जारी रखते हुए उज चेस कप मास्टर्स-2025 शतरंज खिताब जीता, जो इस वर्ष उनकी तीसरी प्रमुख क्लासिकल टूर्नामेंट जीत है। 19 वर्षीय ग्रैंडमास्टर ने असाधारण खेल और संयम का प्रदर्शन करते हुए यह खिताब हासिल किया। उन्होंने टूर्नामेंट के नौवें और अंतिम दौर में काले मोहरों के साथ स्थानीय जीएम नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव के खिलाफ महत्वपूर्ण जीत दर्ज की।

इस जीत से यह सुनिश्चित हो गया कि आर. प्रगाननंदा दो अन्य खिलाड़ियों, जावोखिर सिंडारोव और अब्दुसत्तोरोव के साथ शीर्ष स्थान पर बराबरी पर हैं, उन्होंने अपने सभी नौ गेम के अंत में 5.5 अंक हासिल किए। भारतीय ग्रैंडमास्टर ने टाईब्रेक मैचों के दो राउंड के बाद शीर्ष स्थान हासिल किया, वे 3.5 अंकों के साथ अपने दो उज्बेकिस्तान प्रतिद्वंद्वियों से आगे रहे। सिंडारोव 3.0 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहे, जबकि अब्दुसत्तोरोव टाईब्रेक राउंड

में 2.5 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

इस वर्ष की शुरुआत में नीदरलैंड में टाटा स्टील शतरंज टूर्नामेंट और रोमानिया में ग्रैंड शतरंज टूर सुपरबेट क्लासिक जीतने वाले आर. प्रगाननंदा ने इस सीजन का अपना तीसरा क्लासिकल खिताब जीता। इस जीत के साथ, आर. प्रगाननंदा ने न केवल वैश्विक एलीट वर्ग के बीच अपनी स्थिति मजबूत की, बल्कि लाइव रेटिंग में सर्वोच्च रेटिंग वाले भारतीय शतरंज खिलाड़ी बनकर एक ऐतिहासिक उपलब्धि भी हासिल की, जो शतरंज की दुनिया में उनके बढ़ते प्रभुत्व का प्रमाण है।

कार्लोस अलकराज ने जीता क्वींस क्लब खिताब

लंदन, स्पेन के कार्लोस अलकराज ने विम्बलडन से ठीक पहले लंदन में ग्रास कोर्ट पर खेले गए टेनिस टूर्नामेंट क्वींस क्लब चैंपियनशिप जीत लिया है। टूर्नामेंट के फाइनल में अलकराज ने चेक रिपब्लिक के जिरी लहेका को 7-5, 6-7, 6-2 से हराया। अलकराज ने दूसरी बार यह खिताब जीता है। इस खिताबी जीत के साथ ही अलकराज की जीत का सिलसिला 18 मैचों तक पहुंच गया, जो उनके कॅरियर का सबसे लंबा विजयी क्रम है। यह उनका चौथा ग्रास कोर्ट खिताब है। अब केवल सर्बिया के नोवाक जोकोविच ही उनसे ज्यादा ग्रास कोर्ट खिताब (आठ) जीतने वाले एक्टिव पुरुष खिलाड़ी हैं। अलकराज चार या उससे ज्यादा ग्रास कोर्ट खिताब जीतने वाले पांचवें सक्रिय पुरुष खिलाड़ी हैं। स्पेन के केवल तीन खिलाड़ियों राफेल नडाल, फेलिसियानो लोपेज और कार्लोस अलकराज ने चार-चार ग्रास कोर्ट खिताब जीते हैं। लेकिन अलकराज ने यह उपलब्धि 22 वर्ष की उम्र में हासिल की, जबकि नडाल 29 और लोपेज 37 वर्ष के थे।

यूएस ओपन सुपर 300

आयुष शेट्टी ने जीता अपना पहला बीडब्ल्यूएफ टूर खिताब

आयोवा, भारत के उभरते युवा बैडमिंटन खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने यूएस ओपन सुपर-300 टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया है। 20 वर्षीय आयुष ने टूर्नामेंट में पुरुष एकल वर्ग के फाइनल में कनाडा के ब्रायन यांग पर सीधे गेम में जीत दर्ज की। यह आयुष का पहला बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर खिताब है। आयुष ने तीसरी वरीयता प्राप्त यांग को 47 मिनट तक चले मुकाबले में 21-18, 21-13 से हराया। आयुष की यांग पर यह तीसरी जीत रही। उन्होंने इस वर्ष की शुरुआत में मलेशिया ओपन और ताइपे ओपन में भी उन्हें हराया था। आयुष ने इस पूरे टूर्नामेंट में प्रभावशाली प्रदर्शन किया। इससे पहले उन्होंने सेमीफाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त चाउ टिएन चेन के खिलाफ पिछड़ने के बावजूद जीत हासिल की थी।

पुरुष एकल फाइनल की शुरुआत में स्कोर 6-6 से बराबर रहा था, लेकिन आयुष ने कई विनर्स लगाकर यांग पर 11-6 की बढ़त बना ली। यांग ने अंतर को 13-11 तक कम कर दिया और 16-16 से बराबरी हासिल कर ली, लेकिन आयुष ने अच्छी तरह से लगाए गए शॉट्स के साथ नियंत्रण हासिल कर लिया और निर्णायक जंप स्मैश के साथ शुरुआती गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में भारत के स्टार शटलर ने 7-2 की बढ़त बना ली, लेकिन यांग ने कुछ समय बाद स्कोर फिर से बराबर कर दिया। हालांकि, भारतीय खिलाड़ी ने संयम बनाए रखा और अटैक-डिफेंस का सही तरीके से उपयोग करते हुए अपने प्रतिद्वंद्वी को मैच से दूर रखा और खिताब जीता।

आईसीसी ने किए

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के नियमों में बदलाव

दुबई, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के नियमों में अहम बदलाव किए हैं। आईसीसी ने क्रिकेट के तीनों प्रारूपों में नए नियमों में बदलाव को मंजूरी प्रदान की है, इनमें टेस्ट क्रिकेट में स्टॉप क्लॉक नियम का उपयोग, शॉर्ट रन पर जुर्माना, 35 ओवरों तक एक ही गेंद का इस्तेमाल और नो बॉल पर कैच की समीक्षा आदि शामिल है। आईसीसी ने कहा कि इन नियमों को आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के 2025-2027 चक्र की शुरुआत के साथ ही लागू कर दिया गया है।

टेस्ट में भी होगा स्टॉप क्लॉक नियम

आईसीसी ने वन-डे और ट्वेंटी-20 क्रिकेट में स्टॉप क्लॉक नियम को पहले ही लागू कर दिया था, अब इस नियम को टेस्ट क्रिकेट में भी लागू किया गया है। इस नियम के तहत क्षेत्ररक्षण टीम को पिछला ओवर खत्म होने से एक मिनट के अंदर अगला ओवर शुरू करना होगा, ऐसा नहीं करने पर अंपायर दो बार चेतावनी देगा और तीसरी बार के बाद बल्लेबाजी टीम को पांच रन अतिरिक्त दिए जाएंगे।

International Cricket Council

- **आईसीसी ने कहा कि अगर क्षेत्ररक्षण टीम गेंद पर लार का उपयोग कर उसे गीली करती हैं तो अंपायर के लिए गेंद तुरंत बदलना अनिवार्य नहीं होगा।**
- **अगर बल्लेबाज कैच आउट के विरुद्ध डीआरएस लेता है और रिव्यू में गेंद बल्ले की जगह पैड से लगती है तो बल्लेबाज को एलबीडब्ल्यू आउट दिया जा सकता है।**

नो बॉल पर कैच की समीक्षा

आईसीसी ने कहा कि यह नियम खेल भावना को बनाए रखने के लिए लाया गया है। इस नियम के तहत यदि कोई कैच स्पष्ट नहीं है और थर्ड अंपायर उस गेंद को नो बॉल घोषित करता है तो बल्लेबाजी टीम को एक अतिरिक्त रन मिलेगा, लेकिन यदि कैच स्पष्ट नहीं है तो बल्लेबाजी टीम को नो बॉल के अतिरिक्त रन के साथ वह रन भी मिलेंगे जो बल्लेबाजों ने दौड़कर लिए हैं।

शॉर्ट रन पर लगेगा जुर्माना

आईसीसी ने कहा कि नए नियम के तहत अगर कोई बल्लेबाज शॉर्ट रन लेता है, तो बल्लेबाजी करने वाली टीम पर पांच रनों का जुर्माना लगाया जाएगा। साथ ही शॉर्ट रन की स्थिति में अंपायर क्षेत्ररक्षण टीम से पूछेंगे कि वे अगली गेंद पर किस बल्लेबाज को स्ट्राइक पर चाहते हैं।

वन-डे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 35 ओवर तक एक ही गेंद होगी

आईसीसी ने कहा कि वन-डे क्रिकेट में अभी दोनों छोर से दो गेंदों का इस्तेमाल होता है, जिससे 25-25 ओवर फेंके जाते हैं, लेकिन अब वन-डे क्रिकेट में 35 ओवर तक एक ही गेंद का इस्तेमाल किया जाएगा, जिससे गेंदबाजों को रिवर्स स्विंग का फायदा मिल सकेगा।

खेल मंत्रालय ने देश की पहली गोल्फ लीग को दी मंजूरी

नई दिल्ली, खेल मंत्रालय ने भारतीय गोल्फ संघ को अगले वर्ष जनवरी में इंडियन गोल्फ प्रीमियर लीग (आईजीपीएल) के आयोजन की मंजूरी प्रदान की है। इस लीग का आयोजन भारतीय गोल्फ संघ और भारत गोल्फ प्राइवेट लिमिटेड मिलकर करेंगे। भारतीय गोल्फ संघ के निदेशक मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) विभूति भूषण ने कहा कि खेल मंत्रालय ने हमें पहली बार इंडियन गोल्फ प्रीमियर लीग आयोजित करने की स्वीकृति प्रदान की है। इस टूर्नामेंट का उद्देश्य भारत में गोल्फ को लोकप्रिय बनाना है। आईजीपीएल का आयोजन जनवरी 2026 में किया जाएगा।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

सामयिकी

द. कोरिया के वैज्ञानिकों ने बनाया पानी में घुल सकने वाला मेमोरी कार्ड

दक्षिण कोरिया के वैज्ञानिकों ने एक ऐसा मेमोरी कार्ड तैयार किया है जो पानी में घुलकर खुद ही नष्ट हो जाता है। यह डिवाइस पर्यावरण के लिए खतरनाक बनते जा रहे ई-वेस्ट की समस्या को हल करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। यह डिवाइस दो खास चीजों से बनी है पहली 'टेम्पो' जो एक ऐसा ऑर्गेनिक अणु है जो बिजली से जुड़ी जानकारी स्टोर कर सकता है। पीसीएल, ये एक ऐसा पॉलिमर है जो आसानी से घुल जाता है। इन दोनों को मिलाकर वैज्ञानिकों ने ऐसा सिस्टम बनाया है जो डेटा को स्टोर करने के बाद अपने आप नष्ट भी हो जाता है।

जनगणना के पहले चरण में 1 अप्रैल 2026 से घरों की गिनती

आगामी जनगणना के लिए घरों की गिनती का कार्य एक अप्रैल, 2026 से शुरू होगा, जो इस प्रक्रिया के पहले चरण की शुरुआत होगी। भारत के महापंजीयक ने इस संबंध में जानकारी दी है। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को लिखे पत्र में, भारत के जनगणना आयुक्त और महापंजीयक मृत्युंजय कुमार नारायण ने कहा कि घरों का सूचीकरण अभियान और आवास गणना एक अप्रैल, 2026 से शुरू होगी। पत्र में कहा गया है कि उससे पहले राज्यों एवं जिला प्रशासन के सहयोग से निरीक्षकों एवं गणकों की नियुक्ति होगी।

पांच साल बाद कैलाश मानसरोवर यात्रा शुरू

कैलाश पर्वत और मानसरोवर झील की यात्रा शुरू हो गई है। यह यात्रा पांच वर्ष के लंबे अंतराल के बाद शुरू हुई है। 2020 में भारत-चीन के बीच पूर्वी लद्दाख में तनातनी और कोविड-19 के बाद तीर्थयात्रा पर रोक लगा दी गई थी। चीन में भारत के राजदूत शू फेइहोंग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, यह जानकर खुशी हुई कि तीर्थयात्रियों का पहला जत्था चीन के शिजांग (तिब्बत) स्वायत्त क्षेत्र स्थित मपाम युन त्सो (मानसरोवर) झील पर पहुंच गया है। इस जत्थे में 36 तीर्थयात्री शामिल हैं। ये सभी यात्री मानसरोवर जाएंगे और पवित्र झील में स्नान करेंगे। 25 श्रद्धालुओं का दूसरा जत्था वाराणसी से रवाना किया जाएगा, जो तिब्बत पहुंच जाएगा, जहां से पैदल यात्रा शुरू होगी।

यूरोप: जून के आखिरी दिन 6 देशों में गर्मी के नए रिकॉर्ड

गर्मी और हीटवेव के चलते यूरोप के 6 देशों (स्पेन, पुर्तगाल, फ्रांस, इटली, ग्रीस और तुर्की) में गर्मी ने रिकॉर्ड तोड़ दिया। स्पेन के एल ग्रानाडो में पारा 46 डिग्री दर्ज हुआ, जो 1965 का 45.2 डिग्री सेल्सियस का रिकॉर्ड तोड़कर राष्ट्रीय जून रिकॉर्ड बन गया। पुर्तगाल के मोरा में 46.6 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। फ्रांस में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहा, कई स्थानों पर जून का रिकॉर्ड टूटा।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर पहुंचे ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के साथ बातचीत की

हमें गगनयान मिशन को आगे ले जाना है, अपना स्पेस स्टेशन बनाना है और चंद्रमा पर भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को भी उतारना है- प्रधानमंत्री

- विज्ञान और अध्यात्म, दोनों हमारे राष्ट्र की शक्ति हैं।
- चंद्रयान मिशन की सफलता ने बच्चों और युवाओं में विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ाई है।
- आपकी ऐतिहासिक यात्रा इस संकल्प को और शक्ति दे रही है।
- भारत के गगनयान मिशन की सफलता का पहला अध्याय अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा।
- भारत दुनिया के लिए अंतरिक्ष की नई संभावनाओं के द्वार खोलने जा रहा है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय अंतरिक्ष यात्री कैप्टन शुभांशु शुक्ला से वीडियो कॉन्फ्रेंस पर बातचीत की

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से भारतीय अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला से बातचीत की। ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर पहुंचने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि शुभांशु शुक्ला वर्तमान में भारतीय मातृभूमि से सबसे दूर हैं, लेकिन वह सभी भारतीयों के दिलों के सबसे निकट हैं। उन्होंने कहा कि शुभांशु का नाम मंगल का प्रतीक है और उनकी यात्रा एक नए युग का शुभारंभ है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह दो व्यक्तियों के बीच बातचीत थी, लेकिन इसने 140 करोड़ भारतीयों की भावनाओं और उत्साह को मूर्त रूप दिया। उन्होंने कहा कि शुभांशु से बात करते समय उनके साथ पूरे देश का सामूहिक उत्साह और गर्व था।

भारत की एक पूजनीय परंपरा रही है

प्रधानमंत्री ने कहा कि परिक्रमा सदियों से भारत की एक पूजनीय परंपरा रही है। शुभांशु को अब स्वयं धरती मां की परिक्रमा करने का अद्भुत सम्मान प्राप्त हुआ है। शुभांशु ने बताया कि वे एक दिन में पृथ्वी की 16 परिक्रमाएं पूरी करते हुए अंतरिक्ष से 16 सूर्योदय और 16 सूर्यास्त देखते हैं। यह एक ऐसा अनुभव जो उन्हें अचंभित करता रहता है। उन्होंने बताया कि हालांकि वे वर्तमान में लगभग 28 हजार किलोमीटर प्रति घंटे की गति से यात्रा कर रहे हैं, लेकिन अंतरिक्ष यान के अंदर यह गति दिखाई नहीं दे रही है। इस गति को भारत की प्रगति के साथ जोड़ते हुए कहा कि यह महान गति प्रतीकात्मक रूप से उस गति को दर्शाती है जिस पर भारत आज आगे बढ़ रहा है।

पृथ्वी ग्रह की संपूर्ण एकता है

शुभांशु ने कहा कि कक्षा में प्रवेश करने और अंतरिक्ष की विशालता देखने के बाद पहला विचार जो उनके दिमाग में आया, वह स्वयं पृथ्वी का दृश्य था। उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष से, कोई भी सीमाओं को नहीं देख सकता है – राष्ट्रों के बीच कोई दिखाई देने वाली सीमाएं नहीं हैं और जो सबसे अलग है वह पृथ्वी ग्रह की संपूर्ण एकता है। उन्होंने कहा कि जब हम नक्शों को देखते हैं, तो हम भारत सहित देशों के आकार की तुलना करते हैं और आम तौर पर एक विकृत तस्वीर देखते हैं क्योंकि हम कागज पर एक त्रि-आयामी दुनिया को समतल रूप में देखते हैं। शुभांशु ने बताया कि शून्य गुरुत्वाकर्षण और पहले से प्रयोगों की प्रकृति के बारे में जानने के बावजूद, कक्षा में वास्तविकता पूरी तरह से अलग थी।

शुभांशु ने बताया कि पहली बार भारतीय वैज्ञानिकों ने सात अनोखे प्रयोग किए हैं, जिन्हें उन्होंने अंतरिक्ष स्टेशन तक पहुंचाया है। उन्होंने बताया कि उस दिन के लिए निर्धारित पहला प्रयोग, स्टेम कोशिकाओं पर केंद्रित है और समझाया कि गुरुत्वाकर्षण की अनुपस्थिति में, शरीर मांसपेशियों के नुकसान का अनुभव करता है और प्रयोग यह जांच करना चाहता है कि क्या विशिष्ट पूरक इस नुकसान को रोक या विलंबित कर सकते हैं।

अनगिनत भारतीयों की आकांक्षाओं का प्रतीक

प्रधानमंत्री से बातचीत में अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला ने कहा कि वह अंतरिक्ष स्टेशन पर पूरी तरह स्वस्थ हैं और उन्हें मिले प्यार और आशीर्वाद से गहराई से प्रेरित हैं। उन्होंने कहा कि पृथ्वी से कक्षा तक की उनकी 400 किलोमीटर की यात्रा अनगिनत भारतीयों की आकांक्षाओं का प्रतीक है। शुभांशु कहते हैं कि उन्होंने कभी अंतरिक्ष यात्री बनने की कल्पना नहीं की थी, लेकिन प्रधानमंत्री के नेतृत्व में, आज के भारत ने ऐसे सपनों को साकार किया है। अंतरिक्ष में अपने देश का प्रतिनिधित्व करने में बहुत गर्व का अनुभव हो रहा है।

आतंकवाद के खिलाफ इजरायल को समर्थन देगा जर्मनी

जर्मनी ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में इजरायल को पूर्ण समर्थन देने का एलान किया है। इजरायल के दौरे पर इजरायल के गृहमंत्री अलेक्जेंडर डोब्रिंड्ट ने इजरायल के विदेश मंत्री गिदोन साआर के साथ पिछले बैट याम में ईरान की ओर से किये गये मिसाइल हमले वाले स्थल का दौरा किया। एक रिपोर्ट के अनुसार इस दौरान उन्होंने ने इजरायल की ओर से ईरान के खिलाफ चलाये गये ऑपरेशन राइजिंग लॉयन के समापन के बाद पहली आधिकारित राजनयिक यात्रा पर आमंत्रित करने के लिए श्री साआर को धन्यवाद दिया और कहा कि देश को आतंकवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई में समर्थन दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, नागरिक आबादी वाले क्षेत्रों पर हमलों का कोई औचित्य नहीं है।

ईरानी परमाणु कार्यक्रम के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा परमाणु खतरा केवल इजरायल के लिए ही नहीं बल्कि पूरे यूरोप के लिए हैइजरायल, जर्मनी और अमेरिका परमाणु सम्पन्न ईरान को स्वीकार नहीं करेंगे। इजरायल के विदेश मंत्री ने जर्मनी के गृहमंत्री की यात्रा को एकजुटता का संकेत बताया और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से ईरान पर फिर से प्रतिबंध लगाने का आग्रह किया।

जापान ने एच2ए रॉकेट का अंतिम बार किया प्रक्षेपण

जापान के एच 2ए रॉकेट का 50वां और अंतिम सफल प्रक्षेपण किया गया।जिससे इसकी 20 साल से अधिक की सेवा प्रदाता यात्रा समाप्त हो गयी। यह प्रक्षेपण कागोशिमा प्रांत के तनेगाशिमा स्पेस सेंटर से निर्धारित समय पर किया गया। अंतिम मिशन में इबुकी-जीडब्ल्यू सैटेलाइट भेजा गया जिसे जापान के पर्यावरण मंत्रालय, राष्ट्रीय पर्यावरण अध्यनयन संस्थान और अंतरिक्ष एजेंसी ने मिलकर विकसित किया है। यह सैटेलाइट अंतरिक्ष से ग्रीनहाउस गैसों की निगरानी करेगा। वर्ष 2001 की शुरुआत के बाद से एच2ए रॉकेट ने जापान की अंतरिक्ष और वैज्ञानिक प्रगति में अहम भूमिका निभायी तथा अनेक उपग्रह को कक्षाओं में भेजा।

माई भारत 2.0 | अमृत पीढ़ी को सशक्त कर वर्ष 2047 तक विकसित भारत के विजन को आगे बढ़ाएगा

युवा कार्य और खेल मंत्रालय ने माई भारत 2.0 प्लेटफॉर्म के विकास के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत डिजिटल इंडिया कॉरपोरेशन के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। देश के युवाओं के साथ डिजिटल जुड़ाव को मजबूत करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है जो देश भर के युवाओं को सशक्त बनाने और उन्हें जोड़ने के लिए प्रौद्योगिकी-संचालित समाधानों का लाभ उठाएगा।

इस समझौता ज्ञापन पर केंद्रीय युवा कार्य और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया और केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते के बाद माई भारत प्लेटफॉर्म अब माई भारत 2.0 में विकसित होने के लिए एक व्यापक उन्नयन से गुजरेगा। यह उन्नत संस्करण उपयोगकर्ता अनुभव, पहुंच और कार्यक्षमता में सुधार के उद्देश्य से नई सुविधाएं पेश करेगा।

वन-स्टॉप समाधान के रूप में किया विकसित

डॉ. मांडविया ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने युवाओं को दिशा, उद्देश्य और अवसर के साथ सशक्त बनाने के लिए वन-स्टॉप समाधान के रूप में माई भारत की कल्पना की थी। माई भारत 2.0 एक एकल-विंडो डिजिटल इकोसिस्टम है, जो युवा नागरिकों को कॅरियर-निर्माण के अवसरों, कौशल विकास और नागरिक जुड़ाव के साथ जोड़ता है, जो सेवा भाव की भावना में निहित है।

युवा नेता और राष्ट्र निर्माता हैं

केंद्रीय मंत्री श्री वैष्णव ने कहा कि देश के युवा, नेता और राष्ट्र निर्माता हैं। पिछले 11 वर्षों में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने युवाओं के लिए कई क्षेत्रों को बदल दिया है चाहे वह खेल हो, प्रौद्योगिकी हो, विभिन्न संस्थान हों या शिक्षा प्रणाली हो।

स्वामी- मध्यप्रदेश माध्यम, प्रकाशक- डॉ. सुदाम खाड़े, मुद्रक- डॉ. सुदाम खाड़े द्वारा मेसर्स डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, 10-11, सेक्टर-B, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा, भोपाल से मुद्रित एवं मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल-462011 (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक- रंजना चितले।